www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, मंगलवार, 23 जनवरी, 2024 | वर्ष-16 | अंक -289 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

रामचंद्र को किसी राजनीतिक दल के एजेंडे तक... 02

■ चुनाव में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी
■ राजधानी में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान ... 03

■ बंधकों की अदला-बदली पर हमास के साथ बातचीत...
■ मस्क ने बाइडेन को वोट देने की संभावना से किया... 07

शो में मैं अपने स्टंट खुद करना पसंद करती हूं : शेफाली जरीवाला 10

सार संक्षेप

कांग्रेस ने भाजपा को मेयर चुनाव कराने की चुनौती दी

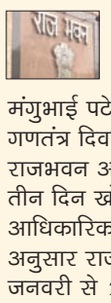

चंडीगढ़। चंडीगढ़ कांग्रेस ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनौती दी कि वह एक या दो दिन में मेयर चुनाव कराकर दिखाए। अठारह जनवरी को होने वाले मेयर चुनाव पीठासीन अधिकारी के बीमार पड़ जाने के कारण स्थगित किए गए थे और चंडीगढ़ प्रशासन ने कानून- व्यवस्था के पुलिस के आकलन के बाद छह फरवरी को चुनाव कराने की बात कही है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस, जो इंडिया गठबंधन के तहत पहली बार मिलकर चुनाव लड़ रही हैं, ने अदालत का दरवाजा भी खटखटाया है।

राजभवन आमजन के लिए तीन दिन खोला जाएगा

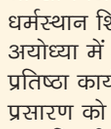

भोपाल। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल के निर्देश पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन आमजन के लिए तीन दिन खोला जाएगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार राजभवन 25 जनवरी से 27 जनवरी तक निर्धारित अवधि के लिए खुला रहेगा। आम नागरिक 25 और 27 जनवरी को अपराह्न 2 बजे से 7 बजे तक राजभवन में भ्रमण कर सकेंगे। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को राजभवन प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक आमजन के अवलोकन के लिए खुला रहेगा।

श्रीराम के आदर्शों पर चलकर संवारेंगे छत्तीसगढ़ : साय

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा हैं कि श्रीराम के आदर्शों पर चलकर राज्य को संवारेंगे। श्री साय जिले के प्रसिद्ध धर्मस्थान शिवरीनारायण में अयोध्या में अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के सीधे प्रसारण को देखने के बाद कहा कि श्रीराम के आदर्शो पर चलकर हम छत्तीसगढ़ संवारेंगे। उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए यह ऐतिहासिक क्षण है।

बिहार में राहुल की सभा में शामिल होंगे नीतीश

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करेगी। 30 जनवरी को उनकी यात्रा पूर्णिया पहुंचेगी, जहां वे एक विशाल रैली को संबोधित करेंगे। इस रैली में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल होंगे। यह यात्रा 1 फरवरी को अररिया होते हुए झारखंड में प्रवेश कर जाएगी।

'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' शुरू करेगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली। देश के एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाने के लक्ष्य के साथ केंद्र की मोदी सरकार 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' को प्रारंभ करने जा रही है।

राम मंदिर में विराजे रामलला

प्रधानमंत्री बोले, हमारे राम लला अब टेंट में नहीं, भव्य दिव्य मंदिर में रहेंगे

■ रतिभान त्रिपाठी

■ प्राण प्रतिष्ठा के बाद मोदी ने उपस्थित लोगों को किया संबोधित

■ सदियों के धैर्य की धरोहर मिली है, श्रीराम का मंदिर मिला है

अयोध्या, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में रामलला का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह अपनी दिव्यता और भव्यता के लिए सदा याद किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर में सोमवार को दोपहर बाद वैदिक विधि विधान से श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा कराई गई। हजारों संतों, महंतों, संन्यासियों और विभिन्न मतों-पंथों के प्रतिनिधियों एवं देश के चुनिंदा गणमान्य लोगों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्राण प्रतिष्ठा पूजन किया। पूजन के समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद मंदिर परिसर में मौजूद हजारों लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जिन रामलला की हम सबको सैकड़ों वर्षों से प्रतीक्षा थी, वह आज आ गए हैं । हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। वह भव्य दिव्य मंदिर में रहेंगे। सदियों के धैर्य की आज धरोहर मिली है। आज हमारे श्रीराम को मंदिर मिला है। 1000 साल बाद भी लोग आज की तारीख और पल की चर्चा जरूर करेंगे। यह राम की कृपा है कि हम सब इस पल को जी रहे हैं। इसे घटित होते साक्षात देख रहे हैं। सदियों का अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे राम आ गए हैं। इस अवसर पर मैं समस्त देशवासियों को बहुत बहुत बधाई देता हूं। लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। ये लोग भारत की सामूहिकता को नहीं जानते थे। हम देख रहे हैं कि निर्माण किसी आदि को नहीं बल्कि ऊर्जा को जन्म दे रहा है। ये मंदिर समाज के हर वर्ग को उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। राम आग नहीं राम ऊर्जा हैं। विवाद नहीं समाधान हैं। सिर्फ हमारे नहीं सबके हैं। वर्तमान ही नहीं अनंतकाल हैं।

मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीअयोध्याधाम में श्रीरामलला के बालरूप विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत अपने मनोभाव प्रकट किए। उन्होंने कहा कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा में लगा सितारों का जमघट

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा की कई सितारे अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। राम मंदिर के सामने अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन बैठे दिखें। इनके अलावा विक्की कौशल, कैटरीना कैफ, रोहित शेट्टी, आयुष्मान खुराना, रणबीर कपूर और आलिया, रजनीकांत,माधुरी दीक्षित, अनुपम खेर, रोहित शेट्टी, चिरंजीवी,रामचरण, मधुर भंडारकर, कंगना रनौत, अरूण गोविल, धनुष ,विवेक ओबेरॉय, जैकी श्राफ,अबु मलिक, सोनु निगम, अनुराधा पोडवाल, शंकर महादेवन समेत कई सितारे रामलला प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए हैं।

रघुकुल नंदन का मंगल ध्वनि से सत्कार

सूर्यवंशी रघुकुल नंदन भगवान श्रीराम मंगल ध्वनि से सत्कार किया। श्रीरामजन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर की छटा देखते ही बनती थी। वैदिक आचार्य सुनील शास्त्री की अगुवाई में 121 प्रकांड विद्वानों ने प्रधानमंत्री मोदी से संजीवनी योग में मंत्रोच्चार के बीच श्याम वर्ण रामलला की किशोरावस्था प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को पूर्ण कराया। अभिजीत मुहुर्त दोपहर 12 बजकर 29 मिनट से शुरू होकर 84 सेकेंड तक का था जिसके पूरा होने के साथ ही मंदिर प्रांगढ़ जय श्रीराम के उदघोष से गूंज उठा और विभिन्न वाद्ययंत्रों से बधाई गीत के मधुर सुरों ने वातावरण में मिठास घोल दी।

सुप्रीम कोर्ट ने एकनाथ शिंदे गुट को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर शिंदे गुट को नोटिस जारी किया है। नोटिस स्पीकर राहुल नार्वेकर के उस आदेश पर

■ नार्वेकर ने इसी गुट को असली शिवसेना बताया था
■ उद्धव ठाकरे ने स्पीकर के आदेश को दी है चुनौती

दिया गया, जिसमें उन्होंने शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को असली शिवसेना घोषित किया है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मुख्यमंत्री शिंदे और अन्य विधायकों से दो सप्ताह में जवाब मांगा है। दरअसल, स्पीकर ने 10 जनवरी को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत उनके गुट के 16 विधायकों को अयोग्य करार देने की उद्धव गुट की अपील खारिज कर दी थी। यानी इन सबकी सदस्यता बरकरार रहेगी। इसके साथ ही स्पीकर ने कहा था कि शिंदे गुट ही असली शिवसेना है।

इसी के खिलाफ उद्धव गुट ने 15 जनवरी को कोर्ट में याचिका दायर की थी।

विधायकों की सदस्यता भी बरकरार रखी थी

महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने शिंदे गुट के 16 विधायकों के साथ उद्धव गुट के 14 विधायकों की सदस्यता भी बरकरार रखी थी। महाराष्ट्र के सियासी घटनाक्रम में दोनों गुटों में किसी की विधायकी नहीं गई।

उत्तर भारत में पांच दिनों तक छाया रहेगा घना कोहरा

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को कहा कि अगले 4-5 दिनों के दौरान उत्तर भारत में घने कोहरे की स्थिति जारी रहने की संभावना है, जबकि अगले तीन दिनों के दौरान उत्तर भारत में अधिक ठंडे दिन की स्थिति बनी रहने और उसके बाद तीव्रता में कमी आने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान एजेंसी ने अपने दैनिक बुलेटिन में कहा कि उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 130-150 समुद्री मील की जेट स्ट्रीम हवाएं चल रही हैं। आईएमडी ने कहा, इससे ठंडी हवाएं नीचे आ रही हैं और उत्तर भारत में ठंडे दिन की स्थिति बढ़ रही है। अगले 3-4 दिनों के दौरान जेट स्ट्रीम की इसी तरह की तीव्रता जारी रहने की संभावना है। ताजा पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से गुरुवार से रविवार तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में छिटपुट बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है। आईएमडी ने आगे कहा कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तरी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश और बिहार के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान 3-7 डिग्री सेल्सियस के बीच है। आईएमडी ने कहा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तरी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों में ये सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस नीचे है।

■ उसके बाद तीव्रता में कमी आने की संभावना है
■ उत्तर भारत में ठंडे दिन की स्थिति बढ़ रही

राहुल को मंदिर जाने से रोका, धरने पर बैठे

कांग्रेस नेता ने कहा , क्या आज सिर्फ एक व्यक्ति मंदिर जा सकता है

■ शंकरदेव के जन्मस्थल पर नहीं मिला प्रवेश
■ भारत जोड़ो न्याय यात्रा मेघालय पहुंची

नगांव (असम), 22 जनवरी (देशबन्धु)। भारत जोड़ो न्याय यात्रा नौवें दिन सोमवार को मेघालय में प्रवेश कर गई। यात्रा ने दोपहर बाद असम के मोरीगांव जिले से मेघालय में प्रवेश किया। राहुल और उनके साथ चल रहे लोगों ने री भोई जिले के मुख्य शहर नोंगपोह के पास पदयात्रा की। राहुल ने नोंगोप में सार्वजनिक बैठक में भाग लिया। राहुल आज रात जिले के बर्नीहाट में रात रुकेंगे। इसके पहले राहुल गांधी असम के नगांव पहुंचे। वे यहां बोर्दोवा थान में संत श्री शंकरदेव के जन्मस्थल पर दर्शन करने आए थे, लेकिन उन्हें एंट्री नहीं दी गई। सुरक्षाबलों ने राहुल और अन्य कांग्रेसी नेताओं को रास्ते में हैबरगांव में रोक दिया। यहां सुरक्षाबलों से बहस के बाद राहुल और अन्य कांग्रेसी नेता धरने पर बैठ गए। सभी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद 3 बजे मंदिर आने के लिए कहा गया था। धरने के दौरान राहुल ने कहा कि मैंने कौन-सा अपराध किया है कि मैं मंदिर नहीं जा सकता? क्या पीएम मोदी तय करेंगे कि मंदिर कौन जाएगा। आज क्या सिर्फ एक ही व्यक्ति मंदिर जा सकता है। मैं शंकरदेव की विचारधारा में विश्वास रखता हूं। वे हमारे गुरु की तरह हैं। इसलिए मैंने सोचा था कि जब भी असम आऊंगा, उनका आशीर्वाद जरूर लूंगा।

राहुल ने आगे कहा कि मुझे 11 जनवरी को इसका न्योता मिला था। लेकिन रविवार को मुझे बताया गया कि यहां कानून व्यवस्था के बिगड़ने का खतरा है। यह संदेह पैदा करता है, क्योंकि गौरव गोगई और अन्य नेताओं को तो नहीं रोका गया, सिर्फ मुझे रोका गया।

राजधानी में फुल ड्रेस रिहर्सल आज

नई दिल्ली, 22 जनवरी (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड की तैयारी चल रही है. इसको लेकर दिल्ली पुलिस की ओर से ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। बताया गया है कि मंगलवार को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी जिसकी वजह से केंद्रीय दिल्ली में वाहनों का यातायात प्रभावित रहने की संभावना है। पुलिस ने सलाह दी है कि लोग उसी अनुरूप अपनी यात्रा की योजना बनाएं. फुल ड्रेस रिहर्सल का मार्ग वही होगा जहां गणतंत्र दिवस पर परेड आयोजित की जाती है। रिहर्सल सुबह 10.30 बजे विजय चौक से शुरू होगी और कर्तव्य, सी-हेक्सागन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रतिमा चौराहे, तिलक मार्ग, बहादुर शाह जफर मार्ग और नेताजी सुभाष मार्ग से होकर लाल किला तक पहुंचेगी।

दिल्ली पुलिस ने जारी किए दिशा निर्देश

मराठा आरक्षण के लिए मार्च जारी

मार्च रोका तो बुरे नतीजे होंगे: जरांगे

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे मराठाओं के आरक्षण के लिए जालना से मुंबई तक विरोध मार्च निकाल रहे हैं। 20 जनवरी से शुरू हुआ मार्च सोमवार को अहमदनगर पहुंचा। यहां उन्होंने महाराष्ट्र सरकार पर आंदोलन को नजरअंदाज करने के आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार को इस मामले को लेकर महाराष्ट्र सरकार से पूछना चाहिए कि आरक्षण में इतनी देरी क्यों हो रही है। मैं सरकार के साथ बात करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने आगे कहा कि अगर हमारी रैली को रोकने की कोशिश की तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। इस आंदोलन को खत्म करने का प्रयास अब नहीं हो सकता है। एक लोकतांत्रिक देश में हमें रैली निकालने का पूरा अधिकार है। मैं मुंबई में धरने पर बैठने की मंजूरी भी ले चुका हूं। मनोज जरांगे की यह रैली गणतंत्र दिवस के दिन मुंबई पहुंचेगी। उनके मुताबिक, अगर सरकार आंदोलन को नजरअंदाज करती रही तो वे मुंबई में भूख हड़ताल करेंगे।

■ सोमवार को अहमदनगर पहुंचा विरोध मार्च

कांग्रेस जिताऊ चेहरों की कर रही है तलाश

नई दिल्ली, 22 जनवरी (देशबन्धु)। कांगेस पार्टी इस बार लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन में बेहद सतर्कता बरत रही है। पार्टी उन्हीं चेहरों को लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाने पर विचार कर रही है,जो जिताऊ होंगे। इसके लिए एआईसीसी ने कुछ सर्वे एजेंसियों को काम पर लगा रखा है। सूत्रों के अनुसार, एजेसिंयां बता लगा रही है कि कौन सी लोकसभा सीट पर कौन सा उम्मीदवार चुनाव जीत सकता है। इसे लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ ही निकायों,पंचायतों के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों,सिविल सोसायटी, लघु उद्यमियों और अवकाश प्राप्त नौकरशाहों से एजेंसियां फोन व अन्य संसाधनों और व्यक्तिगत रूप से भी बात कर राय ले रही हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए चल रहा सर्वे

राजनीति *भाजपा की रामदर्शन यात्रा की पच्चीस जनवरी से होगी शुरुआत*

धार्मिक आस्था की हिलारों को हिलोरने की तैयारी

■ ओम प्रकाश सिंह

अयोध्या, 22 जनवरी (देशबन्धु)। नए भव्य मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम के विराजमान होने पर हमेशा से अयोध्या की साक्षी सरयू का प्रवाह गतिमान हो गया है। धार्मिक आस्था हिलारे मार रही है। इसी आस्था को आगामी लोकसभा चुनाव में हलोरने के लिए राम को लाने का दावा करने वालों ने योजनाबद्ध ढंग से कार्य करना शुरू कर दिया है। हर्जा, खर्चा पर पूरे देश से प्रतिदिन पच्चीस हजार लोगों को अयोध्या लाकर दर्शन कराया जाएगा, बदले में चार सौ पार का मंत्र फूंका जाएगा। भाजपा के 2024 लोकसभा की साध राम के सहारे पूरी होनी है।

राम, अयोध्या व महिला- मुस्लिम। इसके लिए भाजपा राम नाम के ज्वार को वोट में बदलने के लिए अयोध्या को आधार बनाएगी। देशभर से लाकर लोगों को राममंदिर के साथ सजी संवरी व सुव्यवस्थित अयोध्या दिखाई जाएगी। इसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उद्घोष के रूप में भाजपा लोगों में ले जाएगी। वहीं, उसकी सोशल इंजीनियरिंग महिलाओं पर केंद्रित होगी। जिसमें मुस्लिम महिलाओं पर खास जोर होगा। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अपनी रणनीति को अमली जामा पहनाने के लिए भाजपा पच्चीस फरवरी से राम दर्शन यात्रा प्रारंभ कर रही है।

राममंदिर दर्शनार्थियों के लिए रामनगरी में टेंट के छह नगर बसाए जा रहे हैं। जिसमें वाल्मीकि विशिष्ट नगर प्रबंधकों व अतिविशिष्ट लोगों के लिए होगा इसकी क्षमता पांच सौ की है। नगर निगम अयोध्या की तरफ से पंचवटी नगर बसाया गया है जिसमें पच्चीस सौ लोग रुकेंगे। इसके अलावा अंजनेरी नगर, चित्रकूट नगर, मिथिला नगर, प्रयाग नगर स्वसाज गए हैं। यहां प्रत्येक में चार हजार लोगों के रुकने की व्यवस्था है। जिस स्थान पर राम भद्राचार्य की कथा हो रही है वहां भी एक नगर कथा समाप्ति के बाद बसाया जाएगा।

■ राम, अयोध्या व महिला-मुस्लिम के सहारे साधेगी लोकसभा का चुनाव
■ स्वयं के खर्चे पर रोजाना पच्चीस हजार लोगों को अयोध्या लाएगी भाजपा

राम दर्शन यात्रा का पूरा हर्जा,खर्चा संगठन के जिम्मे होगा। प्रतिदिन पच्चीस हजार लोगों को दर्शन कराया जाएगा। यूपी सहित नजदीकी प्रदेश के लोगों को बस से व सूदूर प्रदेशवासियों को ट्रेन के माध्यम से लाया जाएगा। बस की यात्रा पच्चीस तो ट्रेन की यात्रा उन्तीस फरवरी से प्रारंभ होगी। प्रथम चरण में यह योजना तीन मार्च तक थी जिसे विस्तारित कर पच्चीस मार्च कर दिया गया है। इससे यह भी स्पष्ट हो चला है कि लोकसभा चुनाव की रणभेरी मार्च के बाद ही बजेगी। राम दर्शन यात्रा की गंभीरता इससे भी समझी जा सकती है कि भाजपा ने दर्शानार्थियों की सुविधाओं की देखरेख के लिए राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष, सुनील बंसल एवं राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग को उतार दिया है। स्थानीय स्तर पर पूरी व्यवस्था का जिम्मा अयोध्या महानगर के पूर्व अध्यक्ष अभिषेक मिश्र के जिम्मे है। सरकार व संगठन के लोग समय समय पर व्यवस्था में सहयोग कर रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा के बाद उत्साह का ज्वार उतरने ना पाए इसके लिए अंदरखाने चाणक्य रणनीति अपनाई गई है। प्रधानमंत्री की उपस्थिति में उद्योगपतियों, सेलिब्रिटी को आमंत्रित करना रणनीति का ही हिस्सा है। प्रचार तंत्र के विभिन्न माध्यमों से प्राण प्रतिष्ठा का अलौकिक कार्यक्रम चुनाव तक रिप्ले किया जाएगा।

देश

उवाच

मानव ने प्रकृति के साथ खिलवाड़ में किया है। वर्तमान पर्यावरणीय समस्याएं ग्लोबल वार्मिंग, क्लाइमेट चेंज, वायु और जल प्रदूषण इसी का नतीजा हैं। यह समझना जरूरी है कि सृष्टि की संरचना में प्रत्येक जीव की महत्ता है।

-मंगुभाई पटेल, मध्य प्रदेश के राज्यपाल

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	14.0	06.0
मुंबई	29.0	21.0
कोलकाता	18.0	09.0
चेन्नई	28.0	25.0

रामचंद्र को किसी राजनीतिक दल के एजेंडे तक सीमित रखना गलत : कांग्रेस

- हिरेनहल्ली में भगवान राम व हनुमान को समर्पित मंदिर का उद्घाटन
- भगवान राम का सार हर जगह एक समान है

अयोध्या का राम मंदिर राजनीतिक लाभ लेने के लिए नहीं बल्कि राम के प्रति सच्ची भक्ति के लिए बनाया गया है : सिद्दारमैया

बेंगलुरू, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने सोमवार को कहा कि भगवान राम का सार हर जगह एक समान है और अयोध्या का राम मंदिर राजनीतिक लाभ लेने के लिए नहीं बल्कि भगवान राम के प्रति सच्ची भक्ति के लिए बनाया गया है। सिद्दारमैया ने हिरेनहल्ली में भगवान राम और हनुमान को समर्पित एक मंदिर का उद्घाटन करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि श्री रामचन्द्र को किसी भी राजनीतिक दल के एजेंडे तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। हम इस कथन का खंडन करते हैं कि हम श्री राम के खिलाफ हैं। हम भगवान राम और लक्ष्मण के प्रति भी समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भगवान राम के नहीं बल्कि उनके भक्तों के खिलाफ है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर असम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की शांतिपूर्ण पदयात्रा में बाधा डालने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गांधी को वैष्णव संत के जन्मस्थान, असम के बताद्रवा थान में स्थित श्रीमंत शंकरदेव के मंदिर में प्रवेश से वंचित कर दिया गया।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि हम मंदिर (बताद्रवा थान) जाना चाहते हैं। मैंने क्या अपराध किया है कि मैं मंदिर नहीं जा सकता? पहले हमें आमंत्रित किया गया था लेकिन अब प्रशासन कह रहा है कि हम नहीं जा सकते। शायद केवल एक व्यक्ति ही मंदिर जा सकता है। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय खनन, कोयला, कानून और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया हिंदू विरोधी हैं, इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सिद्दारमैया ने छुट्टी की घोषणा नहीं की। अब कहते हैं कि वह अयोध्या जाएंगे। यह सब अल्पसंख्यकों का वोट हासिल करने के लिए है। उन्होंने कहा कि हम आने वाले पांच वर्षों में राम राज्य बनाने की दिशा में काम करेंगे। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भगवान राम, जो लंबे समय से दूर थे, आज घर आ गए हैं। लोग हर जगह भक्ति के साथ काम कर रहे हैं। पूरे देश में उत्सव का माहौल है। मंत्री ने आगे कहा कि भगवान राम 500 वर्षों से अपने घर लाए जाने के लिए एक महान व्यक्तित्व की प्रतीक्षा कर रहे थे।

भाजपा राज में मंदिर में दर्शन करना भी हो गया प्रतिबंधित : कमलनाथ

पूर्व पीसीसी चीफ कमलनाथ ने सोमवार को भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि असम में पहले राहुल गांधी की यात्रा पर हमला हुआ और आज राहुल जी को मंदिर जाने से रोका गया। क्या भाजपा के राज में मंदिर दर्शन और पूजा अर्चना करना भी प्रतिबंधित हो गया है। उन्होंने आगे लिखा कि राहुल जी को मंदिर जाने के अनुमति के लिए धरना देना पड़ा। यह हमारी आस्था और नागरिक स्वतंत्रता पर हमला है। वहीं, इसको लेकर प्रदेश कांग्रेस मंगलवार को जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेगी। बता दें राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा असम में है।

युगांतकारी दिन है प्राण प्रतिष्ठा का : धनखड़

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अयोध्या में श्री राम लला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को युगांतकारी दिन बताया है और राष्ट्रवासियों को इसकी शुभकामनाएं दी है। धनखड़ ने सोमवार को यहां जारी एक संदेश में कहा कि सर्वत्र राष्ट्रीय गौरव के पुनर्जागरण के उत्सव के पल का साक्षी बनना सुखद है। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि, ऐतिहासिक नगरी अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के इस युगांतकारी दिन पर बधाई।

ग्यारह दिनों के कठोर अनुष्ठान के बाद, अयोध्या में राम लला के अभिषेक समारोह का मार्गदर्शन करने वाले अन्य यजमानों, संतों और द्रष्टाओं की उपस्थिति में पवित्र अनुष्ठान का नेतृत्व करते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को हार्दिक शुभकामनाएं। 22 जनवरी इतिहास में हमारे सभ्यतागत पथ में दिव्यता के साथ साक्षात्कार के निर्णायक क्षण के रूप में अंकित है। उन्होंने कहा कि इस दिन, आइए हम चारों ओर ज्ञान, शांति, सद्भाव और धार्मिकता लाने के लिए प्रभु श्री राम के सत्यनिष्ठा, क्षमा, पराक्रम, नम्रता, देखभाल और करुणा के मूल्यों को जीवन के तरीके के रूप में विकसित करने का संकल्प लें।

एनसीसी कैडेट के साथ झांकी कलाकारों से मुलाकात करेंगे मोदी

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 जनवरी को लोक कल्याण मार्ग पर एनसीसी कैडेट के साथ झांकी कलाकारों से मुलाकात करेंगे। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। डिफेंस पीआरओ मनोज रूड़कीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 24 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर एक कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। डिफेंस पीआरओ मनोज रूड़कीवाल ने कहा कि इस कार्यक्रम में पीएम मोदी गणतंत्र दिवस में हिस्सा लेने वाले झांकी कलाकारों और एनसीसी कैडेट से मिलेंगे।

प्रधानमंत्री आवास में कल होगा खास कार्यक्रम

उन्होंने बताया, इस साल गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम महिलाओं पर केंद्रित होगा और इसका लक्ष्य विकसित भारत है। 24 जनवरी को पीएम मोदी झांकी कलाकारों से मिलेंगे जो पर्दे के पीछे रहकर काम करते हैं। इसी के साथ वे एनसीसी कैडेट से भी मुलाकात करेंगे जो गणतंत्र दिवस की परेड में हिस्सा लेंगे। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड के दौरान 26 झांकियां होंगी। इनमें से 16 झांकियां राज्यों का प्रतिनिधित्व करेंगी। वहीं अन्य इसरो, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान केंद्र, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना मंत्रालय, बंदरगाह मंत्रालय, शिपिंग और जलमार्ग, आईटीबीपी, एमईए, ईसीआई, सीपीडब्ल्यूडी और संस्कृति मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करेंगी। मेड इन इंडिया हथियारों में टी-90 टैंक, बीएमपी-2 इंफेंट्री कॉम्बैट वाहन, ड्रोन जैमर्स, एडवांस्ड सर्वत्र ब्रिज, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और मल्टी फंक्शन रडार आदि का भी प्रदर्शन किया जाएगा। महिला फाइटर पायलटों को भी गणतंत्र दिवस परेड में शामिल किया गया है। इस परेड में 48 महिला अग्निवीर भी हिस्सा ले रहीं है। इसके साथ ही भारतीय वायुसेना की प्रतिकृति को झांकी में प्रदर्शित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस के इस परेड में कुल 51 एयरक्राफ्ट हिस्सा लेंगे। इन 51 एयरक्राफ्ट में 29 लड़ाकू विमान, आठ परिवहन विमान और 13 हेलीकॉप्टर शामिल रहेंगे।

फ्रांस के राष्ट्रपति होंगे मुख्य अतिथि

इस साल गणतंत्र दिवस की परेड में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मुख्य अतिथि होंगे। गणतंत्र दिवस परेड को खास बनाने के लिए फ्रांसीसी सेना की एक टुकड़ी भी इसमें शामिल हो रही है। परेड में फ्रांसीसी वायु सेना की राफेल लड़ाकू विमान और मल्टीरोल टैंकर ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का भी प्रदर्शन किया जाएगा। बता दें कि इस साल गणतंत्र दिवस के परेड में मेड इन इंडिया हथियार आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेंगे। परेड के दौरान स्वदेशी हथियार जैसे एलसीएच प्रचंड हेलीकॉप्टर, पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर और एंटी टैंक मिसाइल नाग का प्रदर्शन किया जाएगा।

सार संक्षेप

पांच सदी की प्रतीक्षा व प्रतिज्ञा पूर्ण हुई : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के संपन्न हो जाने को पांच सदी की प्रतीक्षा और प्रतिज्ञा पूर्ण होने की बात कहते हुए सदियों तक इस संघर्ष और संकल्प को जीवित रखने वाले महापुरुषों को भी नमन किया है, जिन्होंने अनेक अपमान और यातनाएं सहने के बावजूद धर्म का मार्ग नहीं छोड़ा। शाह ने इस घड़ी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व हिंदू परिषद, हजारों श्रेष्ठ संत और असंख्य नामी-गुमनामी लोगों के संघर्ष का आज सुखद व सुफल परिणाम आया है।

नरबलि मामले में महिला की जमानत याचिका खारिज

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2022 के मानव बलि मामले के मुख्य आरोपियों में से एक लैला भागवल सिंह की जमानत याचिका सोमवार को खारिज कर दी। कथित तौर पर मानव बलि अनुष्ठान के हिस्से के रूप में दो महिलाओं की हत्या से संबंधित मामला राज्य में तब सामने आया जब पीड़ितों के क्षत-विक्षत शव पथनमथिट्टा जिले के थिरुवल्ला में लैला और उसके पति भगवान सिंह के घर से बरामद किए गए। लैला के पति और एक अन्य तथाकथित एजेंट मोहम्मद शफी, जो दोनों पीड़ितों को जोड़े के घर तक लाए थे, सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। तब से वे न्यायिक हिरासत में हैं। पीड़ित एर्नाकुलम जिले में लॉटरी टिकट विक्रेता थे।

कार की चपेट में आने से दो लोगों की मौत

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में आज कार की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि के फुनगा कस्बे में एनएच 43 में तेज गति की कार ने सड़क के किनारे पैदल जा रहे शुभम और सुशील साहू को पीछे से टक्कर मार दी, इस घटना में दोनों की मौत हो गयी। कार चालक इस घटना के बाद से फरार हो गया। पुलिस ने शवों को अस्पताल भेजकर कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री पहले विदेश दौरे के बाद लौटे

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सोमवार को तीन देशों की अपनी एक सप्ताह की यात्रा से लौट आए। एच.वेणुगोपाल राव, जिन्हें रविवार को प्रोटोकॉल और जनसंपर्क पर सरकार के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया था, ने राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। रेवंत रेड्डी ने सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और कुछ अधिकारियों के साथ स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में भाग लिया।

बिहार में राहुल की होने वाली सभा में नीतीश होंगे शामिल

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करेगी। 30 जनवरी को उनकी यात्रा पूर्णिया पहुंचेगी, जहां वे एक विशाल रैली को संबोधित करेंगे।

इस रैली में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल होंगे। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बिहार मीडिया कमेटी के चेयरमैन प्रेमचन्द्र मिश्रा ने सोमवार को बताया कि राहुल गांधी की यात्रा 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करेगी। उन्होंने बताया किशनगंज के रास्ते राहुल की यात्रा 30 जनवरी को पूर्णियां पहुंचेगी, जहां वे एक विशाल रैली को सम्बोधित करेंगे। इस रैली में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल होंगे। इसके बाद 31 जनवरी को कटिहार में रैली होगी। यह यात्रा 1 फरवरी को अररिया होते हुए झारखंड में प्रवेश कर जाएगी। मिश्रा ने कहा कि दो चरणों में होने वाली यह यात्रा बिहार के 7 जिलों से गुजरेगी और कुल 425 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

सीआरपीएफ की साजिश का हो पर्दाफाश : जेएमएम

रांची, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बीस जनवरी को सीएम हेमंत सोरेन से ईडी की पूछताछ के दौरान सीएम आवास के पास

- झारखंड में सीएमओ इलाके में सीआरपीएफ के प्रवेश को लेकर केंद्र पर बोला हमला

भारी तादाद में सीआरपीएफ जवानों के पहुंचने की घटना पर विवाद खड़ा हो गया है। सीएमओ ने राज्य सरकार के गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय से पूछा है कि सीएमओ के पास प्रतिबंधित इलाके में 20 जनवरी को सीआरपीएफ जवानों की एंट्री कैसे हुई थी। सत्तारूढ़ पार्टी झामुमो ने आरोप लगाया है कि सीआरपीएफ ने सोची-समझी साजिश के तहत टुकड़ियां भेजीं, ताकि सीएम हाउस के पास प्रदर्शन कर रहे लोग उग्र होकर उन पर हमला कर दें। यह साजिश सफल हो जाती तो राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति शासन लगाने की भूमिका तैयार की जा सकती थी। झामुमो की ओर से जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि सीएम आवास के पास सीआरपीएफ की गैरकानूनी तरीके से

सीआरपीएफ ने सोची-समझी साजिश के तहत टुकड़ियां भेजीं : झामुमो

एंट्री हुई थी। जिला प्रशासन या राज्य सरकार के अनुरोध-अनुमति के बगैर सीआरपीएफ को खुद से कानून-व्यवस्था के नाम पर हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है।

सीआरपीएफ ने सोची-समझी साजिश के तहत करीब 500 जवानों को सीएम हाउस के पास भेज दिया। वे बगैर अनुमति सीएम हाउस में प्रवेश करने लगे और झामुमो कार्यकर्ताओं से उलझने लगे। इस साजिश में सीआरपीएफ के आईजी, कमांडेंट और अन्य अफसरों की संलिप्तता है। पार्टी ने इन सभी की भूमिका की जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। झामुमो ने कहा है कि सरकार सीआरपीएफ की साजिश का पर्दाफाश करे, अन्यथा पार्टी सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को बाध्य होगी। जेएमएम की ओर से कहा गया है कि पार्टी को यह भी सूचना मिली है कि सीआरपीएफ का यह कृत्य एक सोची समझी साजिश थी जिसमें सीआरपीएफ के एक वरीय अधिकारी भी शामिल थे। वे चाहते थे कि सीआरपीएफ और प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं के बीच मार-पीट हो जाए तथा प्रदर्शनकारी उग्र होकर यदि सीआरपीएफ पर हमला कर दें तो राज्य सरकार पर संवैधानिक तंत्र की विफलता का आरोप लगाया जा सके और राष्ट्रपति शासन लगाने की भूमिका तैयार की जा सके। भाजपा ने भी इस मामले को लेकर झामुमो पर पलटवार किया है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि सीएम से ईडी की पूछताछ के दौरान झामुमो ने रांची में अराजक स्थिति उत्पन्न करने की कोशिश की। ऐसा लग रहा था कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व अपने कार्यकर्ताओं से हिंसा तक करवा देगा। धारा 144 लगी होने के बावजूद झामुमो के 10 हजार कार्यकर्ता हथियार लेकर सीएम हाउस के पास पहुंच गए।

केंद्र के इशारे पर राज्य सरकार को अस्थिर करने का प्रयास

जेएमएम नेताओं ने कहा कि सीआरपीएफ कभी भी जिला प्रशासन के अनुरोध अथवा अनुमति के बिना किसी भी प्रकार के विधि-व्यवस्था का कार्य नहीं कर सकती है। इससे स्पष्ट है कि सीआरपीएफ ने यह कार्रवाई साजिशन केंद्र सरकार के इशारे पर किया है, जो राज्य सरकार को अस्थिर करने का प्रयास है तथा संघीय ढांचे पर एक कायराना हमला है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सुरक्षा बल देश के आंतरिक सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हैं। उनका इस प्रकार से राजनैतिक दुरूपयोग अत्यंत ही गंभीर चिंता का विषय है। ऐसी घटनाओं से ही आम जनता का विश्वास केंद्रीय ऐजेन्सियों के प्रति कम होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के भविष्य के लिए बहुत बड़ा खतरा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि केंन्द्रीय बलों का यह पक्षपातपूर्ण व्यवहार आगामी चुनावों को भी दुष्प्रभावित कर सकता है।

बंगाल स्कूल नौकरी मामला

कलकत्ता हाईकोर्ट का डब्ल्यूबीएसएससी अधिकारी को तुरंत बर्खास्त करने का निर्देश

कोलकाता, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) के चेयरमैन से कहा है कि वो अपने एक प्रमुख पदाधिकारी को तुरंत बर्खास्त करे जिसने अपनी पत्नी को अवैध रूप से सरकारी स्कूल में नौकरी दिलाने में मदद की थी। जस्टिस बिस्वजीत बसु की पीठ ने न केवल डब्ल्यूबीएसएससी को अपने क्षेत्रीय अध्यक्ष (पश्चिमी क्षेत्र) शेख सिराजुद्दीन को बर्खास्त करने का निर्देश दिया, बल्कि राज्य प्रशासन को उन्हें हिरासत में लेने के बाद उनके खिलाफ तत्काल कार्यवाही शुरू करने को भी कहा। यह पता चला है कि सिराजुद्दीन की पत्नी जैस्मीन खातून 2011 में शिक्षक के रूप में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा में शामिल हुई थी, जिसके लिए पैनल 2016 में समाप्त हो गया था। हालांकि, उसे 2019 में नियुक्ति मिली और यह आरोप लगाया गया कि उसके पति ने नियुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उसकी वह नौकरी

गैरकानूनी तरीके से है। हाल ही में कलकत्ता हाई कोर्ट के जज देबांगसु बसाक और शब्बर रशीदी की विशेष खंडपीठ ने भी देखा कि पैनल में सूचीबद्ध उम्मीदवारों को दी गई सरकारी स्कूलों में नियुक्तियां मान्य नहीं होंगी। खंडपीठ ने यह भी कहा कि समाप्त पैनल की सूची से नियुक्त किये जा रहे अभ्यर्थियों की सेवाएं अंतत: समाप्त करनी ही होगी। यह माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर के शिक्षण कर्मचारियों के साथ-साथ समूह सी और समूह डी श्रेणियों के गैर-शिक्षण कर्मचारियों दोनों के लिए लागू है।

मणिपुर में 20,26,623 मतदाता : चुनाव आयोग

इंफाल, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी के झा ने सोमवार को कहा कि राज्य के सभी 60 विधानसभा क्षेत्रों की अंतिम फोटो मतदाता सूची निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) की ओर से प्रकाशित की गई है। झा ने कहा कि आम नागरिक/निर्वाचक और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि ईआरओ/एईआरओ के कार्यालयों में और सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ अंतिम फोटो मतदाता सूची का निरीक्षण/सत्यापन कर सकते हैं और वे अंतिम मतदाता सूची- 2024 की जानकारी प्राप्त करने के लिए मणिपुर में मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी जा सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची 2024 के अनुसार, 27 अक्टूबर, 2023 को प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूची में 1066 की तुलना में लिंग अनुपात 1068 है। ड्राफ्ट रोल में 55.04 फीसदी की तुलना में मतदाता जनसंख्या अनुपात 55.54 प्रतिशत दर्ज किया गया है। निर्वाचक नामावलियों के अनुसार निर्वाचकों की कुल संख्या 20,26,623 है जो निर्वाचक नामावलियों से 18,191 निर्वाचकों की वृद्धि दर्शाती है।

देश में बेरोजगारी सबसे बड़ी परेशानी : ममता

कोलकाता, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राजधानी कोलकाता में सभी धर्मों के नेताओं के साथ सद्भावना रैली की अगुवाई की। सीएम ममता बनर्जी ने रैली के बाद कहा कि उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन किसकी पूजा करता है। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि देश में बेरोजगारी सबसे बड़ी परेशानी है। सीएम ममता बनर्जी ने सवाल किया कि देश की पूंजी और संपत्ति कहां जा रही है। इस सवाल का जवाब मिलना चाहिए। ममता के अलावा उनके भतीजे ने भी धर्म और सदभावना पर टिप्पणी की। उन्होंने सोमवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे रैली की अगुवाई की। अभिषेक बनर्जी ने कहा पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में धार्मिक सद्भाव के पक्ष में खड़ी जनता सड़क पर एकजुट होकर उतरी। उन्होंने कहा कि लोग एक साथ खड़े होकर शांति की प्रार्थना कर रहे हैं। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में धर्म की राजनीति नहीं होती। हमारा एक ही धर्म है-समान रूप से सबकी सेवा करनी चाहिए। इससे पहले टीएमसी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, एकता सभी धर्मों के केंद्र में है। आज संहति रैली में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के साथ अलग-अलग धर्मों और मान्यताओं ने एकजुटता दिखाई।

- सभी धर्मों के नेताओं के साथ की सद्भावना रैली की अगुवाई

राम नाम की रट से नहीं, राम के आदर्शों पर चलने से आएगा रामराज

■ मुकुंद कुमार सिंह

पटना, 22 जनवरी (देशबन्धु)। लंबे संघर्ष के बाद आखिरकार आज अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए। हिंदुओं के आस्था के प्रतीक अयोध्या के राजा राम को अपने ही जगह पर विराजमान होने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार राम भक्त वर्षों से कर रहे थे जो आज पूरा हो गया। 22 जनवरी सोमवार का दिन पूरे देश में राम भक्तों का जय श्री राम गूंजता रहा। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि एक बार फिर रामराज आ गया है हर मंदिर गली चौराहे पर रामभक्त रामधुन के भक्ति मगन दिखे तो हर जगह दिवाली जैसा माहौल नजर आया। ऐसा लग रहा था कि देश में दूसरी दिवाली मनाई जा रही है। सभी राम नाम के धुन में मग्न थे लेकिन सबसे बड़ी बात सिर्फ राम नाम की धुन में मगन रहने से नहीं राम के आदर्शों पर चलने से राम युग का निर्माण होगा। रघुकुल रीत सदा चली आई प्राण जाए पर वचन न जाई, रामचरितमानस में रामचंद्र जी के आदर्शों का पूरा वर्णन किया हुआ है। पूरे रामायण काल में राम सीता से लेकर रावण और सूर्पनखा तक के चरित्र का वर्णन किया गया है। अपने चरित्र के कारण रावण हर साल जलाया जाता है और राम की पूजा होती है। तो रामराज के चर्चे आज तक चल रहे हैं। रामराज कैसा था और राजधर्म को भगवान श्री राम ने कैसे निभाया। उन्ही के आदर्श पर चलने के बाद एक बार फिर रामराज का निर्माण हो सकता है। हालांकि देश में राम और रावण दोनों के आदर्शों पर चलने वाले लोग भी बैठे हैं सभी का अपना अपना किरदार है। कोई राम नाम के आदर्शों पर चलने को समर्पित है तो कोई मुंह में राम बगल में छुरी जैसा भी काम करता है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर नेताओं के द्वारा भी वोट बैंक की राजनीति कम नहीं की गई। देश के नेता दो खेमे में बंट गए, कोई राम के हो गए तो कुछ नेताओं ने आरोप-प्रत्यारोप के साथ-साथ राम पर ही राजनीति शुरू कर दी। एक तरफ जहां एनडीए गठबंधन जोर-जोर से राम नाम की जाप कर रहा है तो दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन के नेता राम नाम पर तर्क वितर्क कर रहे हैं। भाजपा गठबंधन के नेता राम नाम पर वोटरों को लुभाने में लगे हुए हैं तो दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन के नेता इसे भाजपा का इवेंट प्रोग्राम कह रहे हैं। पर जो भी हो अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए हैं जिससे राम भक्तों में काफी खुशी का लहर है। यह बात किसी से छुपी हुई नहीं है कि नेताओं की तू-तू मैं के वजह से आज तक अपने ही आसन पर रामलला विराजमान नहीं हुए। वोटरों को लुभाने और राजनीतिक फायदे नुकसान को देखते हुए कई वर्षों तक न्यायालय में यह केस चलता रहा और अंत में फैसला आया तो भाजा ने इस फैसले को लपक लिया और भव्य राम मंदिर निर्माण का पूरा क्रेडिट भाजपा के हिस्से में चला गया। लोस चुनाव से पहले अयोध्या में रामलला विराजमान का पूरा क्रेडिट देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झोली में चला गया। आगामी लोकसभा चुनाव में हिंदू हिंदुत्व की बात करने वाले नेताओं को काफी फायदा मिल सकता है। भाजपा शुरू से ही हिंदू हिंदुत्व के मुद्दे पर जोर शोर से अभियान चलती है तो हिंदुत्व छवि के नेताओं की बीजेपी में भरमार है। हिंदुओं के आस्था का केंद्र रहे प्रभु श्री राम के विराजमान होने से आगामी लोकसभा चुनाव में जनता का रुझान भाजपा के तरफ दिख रहा है तो दूसरी तरफ विपक्ष के नेता भी भगवान राम को पीछे के दरवाजे से अपना रहे हैं।

- राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक क्षण के गवाह बने हजारों राम भक्त

कुछ नेताओं का कहना है कि राम सबके हैं तो कुछ का अपना ही तर्क अलग है। विपक्ष के नेताओं के आरोप प्रत्यारोप के बीच एक ही बात सामने आ रही है 22 जनवरी को ना तो रामनवमी है और ना ही राम का दिवस फिर भी आज ही के दिन अयोध्या में राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा वह भी चुनावी मौसम में क्यों किया गया। यह कार्यक्रम अगर रामनवमी के दिन होता तो पूरे देश के पक्ष विपक्ष के नेता भी उसमें शामिल होते। लेकिन यह कार्यक्रम चुनाव के मध्य नजर देखते हुए किया गया है जिसे बीजेपी का इवेंट कार्यक्रम बताया जा रहा है।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

मास्टर जी : संगठन में ही शक्ति है का एक अच्छा सा उदाहरण दो...!

छात्र : जेब में एक बीड़ी हो तो टूट जाती है और पूरा बंडल हो तो नहीं टूटता...!

चुनाव में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

विशेष सारांश पुनरीक्षण के दौरान दिल्ली की मतदाता सूची में कुल 67,930 युवा मतदाता जोड़े गए

नई दिल्ली, 22 जनवरी (देशबन्धु)। चुनाव प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी में इजाफ हो रहा है, जो महिलाओं के अधिक चुनावी समावेश का संकेत है। यह कहना है कि दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), पी कृष्णमूर्ति का। सोमवार को इस बाबत जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि मतदाताओं का लिंग अनुपात पिछले वर्ष के 838 से बढ़कर 843 हो गया है, जो महिलाओं की अधिक चुनावी भागीदारी को दर्शाता है। ढ

न्पी.कृष्णमूर्ति ने बताया कि अर्हता तिथि 01.01.2024 के संदर्भ में मतदाता सूची का विशेष सारांश पुनरीक्षण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में पूरा हो चुका है और अंतिम मतदाता सूची आज प्रकाशित हो गई है। 27.10.2023 को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची के साथ शुरू हुए, विशेष सारांश संशोधन-2024 का प्राथमिक उद्देश्य एक परिष्कृत, त्रुटि मुक्त और प्रामाणिक मतदाता सूची प्राप्त करना था। उन्होंने बताया कि विशेष सारांश पुनरीक्षण के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए 18-19 आयु वर्ग के युवा मतदाताओं के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया गया। इस विशेष

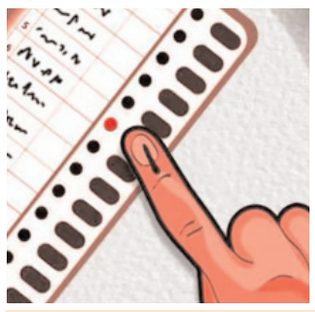

■ पिछले वर्ष के 838 से बढ़कर 843 हुआ लिंग अनुपात

सारांश पुनरीक्षण के दौरान दिल्ली की मतदाता सूची में कुल 67,930 युवा मतदाता जोड़े गए, जिसका मतलब है कि इस विशेष सारांश पुनरीक्षण के दौरान जोड़े गए कुल 2,54,470 नामों में से 26.7 प्रतिशत युवा मतदाता हैं। 18-19 आयु वर्ग के युवा मतदाताओं का नामांकन पिछले वर्ष की अंतिम सूची की तुलना में 9.69 प्रतिशत और केवल विशेष सारांश पुनरीक्षण-2024 के दौरान 85.8 प्रतिशत बढ़ गया है। भावी निर्वाचक, जो वर्ष 2024 में आगामी योग्यता तिथियों अर्थात् 1 अप्रैल, 2024, 1 जुलाई 2024 या 1 अक्टूबर, 2024 के संबंध में 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने जा रहे हैं, ने भी आवेदन किया है जिस पर संबंधित अर्हता तिथि के संदर्भ में मतदाता सूची में उनके नाम शामिल करने के लिए वर्ष की संबंधित तिमाही में विचार और निर्णय लिया जाएगा। विशेष सारांश पुनरीक्षण 2024 के दौरान, 9335 संभावित मतदाताओं ने एनसीटी दिल्ली की मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए आवेदन किया है। सीईओ ने बताया कि विशेष सारांश संशोधन-2024 के अनुसार जारी अंतिम मतदाता सूची में मतदाताओं की कुल संख्या 1,47,18,119 है, जिसमें 79,86,572 पुरुष, 67,30,371 महिला और 1,176 थर्ड जेंडर के मतदाता शामिल हैं। सीईओ ने कहा कि इस एसएसआर के दौरान किए गए प्रयासों से, मतदाताओं का लिंग अनुपात 5 अंकों के सुधार के साथ 838 से 843 हो गया है, जो महिलाओं के चुनावी समावेशन को तेज करने की दिशा में प्रयासों में महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाता है। वहीं, थर्ड जेंडर के मतदाताओं की संख्या में वृद्धि एक समावेशी मतदाता सूची सुनिश्चित करने की दिशा में चुनावी मशीनरी द्वारा किए गए गहन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम को भी दर्शाती है।

अच्छी गुणवत्ता वाली मतदाता सूची प्राप्त करने के लिए मतदाता सूची का शुद्धिकरण भी आवश्यक

कृष्णमूर्ति ने बताया कि अच्छी गुणवत्ता वाली मतदाता सूची प्राप्त करने के लिए मतदाता सूची का शुद्धिकरण भी आवश्यक है क्योंकि नाम जोड़ना और हटाना एक सतत प्रक्रिया है। तदनुसार, घर-घर सत्यापन के दौरान पहचाने गए स्थायी रूप से स्थानांतरित/मृत/एकाधिक प्रविष्टियों के मामलों पर विशेष सारांश संशोधन अवधि के दौरान कार्रवाई की गई, जिसके परिणामस्वरूप मतदाता सूची से कुल 3,97,004 प्रविष्टियां हटा दी गई हैं, जिसमें स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं के 3,07,788 नाम 56,773 मृत मतदाता और 32,443 एकाधिक प्रविष्टियां शामिल हैं।

लोगों ने भगवान श्रीराम को की अपनी भक्ति अर्पण : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आप के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शेख सराय फेज-2 के एल-पॉकेट में आयोजित सुंदरकांड पाठ में हिस्सा लिया। इसके अलावा उन्होंने शेख सराय फेज-2 के जे-पॉकेट में आयोजित शोभायात्रा, शाहपुर जट व चिराग दिल्ली गांव में हुए सुंदरकांड पाठ और भव्य शोभायात्रा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज आम आदमी पार्टी के सभी मंत्रियों, विधायकों और पार्षदों ने अपने-अपने स्तर पर अपने-अपने क्षेत्र में शोभायात्राओं और भंडारे का कार्यक्रम रखा। सभी लोग अपनी-अपनी श्रद्धा से भगवान श्रीराम को अपनी भक्ति अर्पण कर रहे हैं। यह सभी के लिए बड़े हर्षोल्लास की बात है और जिसकी जैसी सहूलियत है, सब अपने-अपने स्तर पर जगह-जगह पर भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। अगर हम ऐसा करने में सफल रहे तो निश्चित रूप से भारत को विश्व में सबसे आगे लेकर जाएंगे।

विभिन्न मंदिरों में सामुदायिक दर्शन में शामिल हुए नड्डा, राजनाथ व शाह

नई दिल्ली, 22 जनवरी (देशबन्धु)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं के अलावा केंद्रीय मंत्रियों, राष्ट्रीय और प्रदेश पदाधिकारियों ने अयोध्या से प्रसारित श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विभिन्न मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर श्री राम भक्तों के साथ शामिल हुए। दिल्ली भर में भाजपा की प्रदेश, जिला और मंडल इकाइयों ने अपने कार्यालयों को रोशन किया और फूलों से सजाया है और आतिशबाजी का आयोजन किया है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह को सामुदायिक रूप से देखने के लिए 2486 मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर टीवी स्क्रीन लगाईं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा सोमवार को झंडेवालान मंदिर में सामुदायिक समारोह में भक्तों के साथ शामिल हुए। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख सांसद अनिल बलूनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रत्यूष कंठ और दिल्ली भाजपा मीडिया संपर्क प्रमुख विक्रम मित्तल उपस्थित थे। केंद्रीय गृह

मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली के प्रसिद्ध बिड़ला मंदिर में भक्तों और मंदिर के ट्रस्टियों के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अवलोकन किया और उससे पूर्व सुन्दरकांड पाठ किया। एलओपी रामवीर सिंह बिधूड़ी, केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी और भाजपा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रमुख संजय मयूख भी उपस्थित थे। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह श्रद्धालुओं के साथ दरियागंज में एक कार्यक्रम में शामिल हुए और समारोह देखा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हौज खास में जगन्नथ मंदिर में सामूहिक समारोह में भक्तों के साथ शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने नेहरू प्लेस मार्केट में व्यापारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सामूहिक रूप से समारोह देखा। पार्षद राजपाल सिंह उपस्थित थे। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने घडोली मंदिर में और तरूण चुघ ने सनातन धर्म मंदिर, पहाड़गंज में स्थानीय भक्तों के साथ समारोह देखा।

सार संक्षेप

काउंके जी को फखर-ए-कौम का खिताब देने की मांग करना केवल एक राजनीतिक प्रपंच : सरना

नई दिल्ली। सिख समुदाय ने गुरु साहिब से लेकर अब तक अपने अधिकारों के लिए अनेक मोर्चे लगाए जिसमें अनगिनत शहीद हुए लेकिन आज तक समुदाय के किसी भी महान व्यक्ति, विद्वान या सिख संगठन ने किसी भी शहीद को फखर-ए-कौम का खिताब देने की मांग नहीं की। यह कहना है शिरोमणि अकाली दल दिल्ली इकाई के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना का। यहां जारी एक बयान में सरदार सरना ने कहा कि हरमीत सिंह कालका को अचानक यह ख्याल कैसे आया जो आज श्री अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार गुरदेव सिंह काउंके को पत्र लिखकर फख्र-ए-कौम का खिताब देने की मांग कर रहे हैं, जबकि काउंके जी को शहीद हुए तीन दशक से ज्यादा बीत गए मगर कालका व सिरसा जुंडली को अब तक उनकी याद नहीं आई। ऐसा प्रतीत होता है कि हरमीत सिंह कालका राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए काउंके जी के नाम का प्रयोग कर रहे हैं।

फर्जी वीजा रैकेट का मास्टरमाइंड केरल से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि फर्जी वीजा और पासपोर्ट पर विदेश भेजने के नाम पर लोगों को कथित तौर पर ठगने के आरोप में 49 वर्षीय एक व्यक्ति को केरल से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान केरल के जिला मलप्पुरम निवासी मुजीब पीपी. के रूप में की गई और आरोपी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किया गया था। फर्जी वीजा रैकेट के पीछे के मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी दो साल बाद हुई, जब आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने 2019 में फर्जी स्पेन वीजा पर यात्रा कर रहे दो एजेंटों और एक यात्री को गिरफ्तार किया था। पुलिस उपायुक्त कहा, 2019 में एक मामला दर्ज किया गया था, जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि 29 अगस्त, 2026 तक वैध पासपोर्ट रखने वाले राजस्थान, जोधपुर के विशाल खुल्ला को 2 मार्च, 2019 से 2 अप्रैल, 2019 तक वैध शेंगेन वीजा के आधार पर मैड्रिड (स्पेन) के लिए प्रस्थान आव्रजन मंजूरी दी गई थी।

राजधानी में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस

अर्द्धसैनिक बलों की तीस से ज्यादा कंपनियां अलग-अलग इलाकों में रहीं तैनात

नई दिल्ली, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान राजधानी दिल्ली में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। इस दौरान दिल्ली के सभी छोटे-बड़े मंदिरों के अलावा संवेदनशील और अति संवेदनशील इलाके में पुलिस का सख्त पहरा रहा। लोकल पुलिस के साथ-साथ अर्द्धसैनिक बलों की 30 से ज्यादा कंपनियां दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में तैनात रहीं। पूरी राजधानी में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सुरक्षा इंतजामों के बीच शोभा यात्राएं निकाली गई गईं। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी सड़कों पर गश्त करते नजर आए। ड्रोन से निगरानी करने के अलावा सीसीटीवी कैमरों की मदद से पूरी राजधानी पर नजर रखी गई। पुलिस सूत्रों ने कहना था कि खुफिया एजेंसियों से अलर्ट

मिला था कि सोशल मीडिया के जरिये शरारती तत्व दिल्ली में गड़बड़ी फैला सकते हैं। ऐसे में दिनभर सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी गई। राजधानी में रविवार रात से पुलिस ने बैरिकेडिंग कर संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू कर दी। दिल्ली के बाहर से आने वाले वालों पर भी कड़ी नजर रखी गई। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर सुरक्षा के टाइट इंतजाम रहे। पुलिस ने होटल, गेस्ट हाउस और धर्मशालाओं में जाकर छानबीन की। गणतंत्र दिवस और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस लगातार आरडब्ल्यूए और एमडब्ल्यूए से मीटिंग कर रही है। पुलिस ने थाने की अमन कमेटी के अलावा एरिया के प्रभावशाली लोगों से मुलाकात कर शांति बनाए रखने की अपील की गई। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वह हर हाल में शांति और भाईचारा बनाकर रखें। दिल्ली में बिरला मंदिर, कालकाजी मंदिर, झंडेवालान, हनुमान मंदिर समेत राजधानी के ज्यादातर मंदिरों में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान पुलिस ने वहां कई स्तरीय सुरक्षा के इंतजाम किए। पहले घेरे में दिल्ली पुलिस के जवान, दूसरे में अर्द्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया गया।

■ अयोध्या के राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह के बाद शाम को नई दिल्ली स्थित सदर बाजार में दीये जलाते व्यापारी। फोटो इम्तियाज खान

राजधानी की हवा बेहद खराब श्रेणी में बरकरार

नई दिल्ली, 22 जनवरी (देशबन्धु)। राजधानी में हवा की दिशा बदलने व गति कम होने से वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस तरह की स्थिति बृहस्पतिवार तक बनी रह सकती है। सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 333 दर्ज किया गया। रविवार के मुकाबले 15 वायु सूचकांक कम रहा। सुबह कई इलाकों में घना कोहरा रहा, वहीं दोपहर में धूप अच्छी खिली। ऐसे में सर्वाधिक इलाकों में हवा बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। इसके अलावा चार इलाकों में एक्यूआई 200 के पार रहा। दिल्ली की हवा समग्र रूप से बेहद खराब श्रेणी में बनी रही। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि हवा की गति कम होने से और प्रदूषक कण संघन हो गए हैं, जिससे वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में स्थिर बनी हुई है। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान

सर्वाधिक इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पार

(आईआईटीएम) के मुताबिक, सोमवार को हवा औसतन चार किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से हवा दक्षिण-पूर्व की ओर से चली। वहीं, मंगलवार को हवा विभिन्न दिशाओं से चलेंगी।

इस दौरान हवा की गति चार से आठ किलोमीटर प्रतिघंटे रहने का अनुमान है। वहीं, मौसम विभाग ने आशंका जताई है कि इस दौरान सुबह घना कोहरा छाया रहेगा। बुधवार को हवा उत्तर-पश्चिम से उत्तर-पूर्व दिशा से चल सकती है। गति चार से छह किमी रहने के आसार है। बृहस्पतिवार को हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है। वहीं, हवा की गति औसतन चार से आठ किलोमीटर प्रतिघंटे रहेगी। सीपीसीबी के अनुसार एनसीआर में दिल्ली व फरीदाबाद का सबसे अधिक वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया गया।

यहां एक्यूआई 333 रहा, बेहद जोकि खराब श्रेणी है। ग्रेटर नोएडा 291, गुरुग्राम में 245, गाजियाबाद में 274 एक्यूआई दर्ज किया गया, यह खराब श्रेणी में है।

नेहरू नगर रहा सर्वाधिक प्रदूषित इलाका

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक 23 इलाकों में बेहद खराब हवा दर्ज की गई। इसमें नेहरू नगर इलाके का सर्वाधिक वायु सूचकांक दर्ज किया गया। यहां एक्यूआई 369 रहा, जोकि बेहद खराब श्रेणी है। विवेक विहार में 366, जहांगीरपुरी में 365, आनंद विहार में 361, ओखला फेज-दो व पंजाबी बाग में 350 वायु सूचकांक दर्ज किया गया। साथ ही, चार इलाकों में हवा खराब श्रेणी में रही। इनमें दिलशाद गार्डन में 271, आईटीओ में 259, रोहिणी में 239 व डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में 231 एक्यूआई दर्ज किया गया।

चाय के दो सौ साल पूरे होने का मनाया गया जश्न

नई दिल्ली, 22 जनवरी (देशबन्धु)। विलासा एम्ब्रोसिया, एक ऐतिहासिक मील का पत्थर मनाता है क्योंकि यह भारत में चाय के 200 साल पूरे होने का जश्न मनाता है, जो उस युग की याद दिलाता है जब यह अमृत रॉयल्टी के लिए एक विशेष भोग था, जो प्रतिष्ठा का प्रतीक था। उस पुरानी परंपरा की समृद्धि को पुनर्जीवित करते हुए, विलासा एम्ब्रोसिया ने चाय पीने को सामान्य से असाधारण तक बढ़ा दिया है, ताजगी भरी सुबह से लेकर स्वास्थ्यप्रद दोपहर से लेकर शानदार शाम के एपिसोड तक हर पल और हर दिन के लिए चुनिंदा बेहतर चाय का चयन पेश किया है। तीन शक्तिशाली महिलाओं द्वारा स्थापित-विभिन्न भौगोलिक स्थानों से आने वाली, विभिन्न आयु समूहों और जीवनशैली में फैली हुई, और अलग-अलग संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करने वाली-ये दूरदर्शी व्यक्ति एक साथ आए, जिससे दोस्ती का एक लचीला बंधन बना। एक साझा जुनून और प्यार से एकजुट होकर, उन्होंने एक प्रीमियम चाय ब्रांड बनाने की यात्रा शुरू की।

आयोजन *प्राण प्रतिष्ठा पर आप ने जगह-जगह किया सुंदरकांड पाठ और भंडारा*

दिल्लीवासियों की सुख-शांति, समृद्धि व विकास की कामना की

नई दिल्ली, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या नगरी में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर दिल्ली भी राममय हो गई। इस शुभ अवसर पर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में जगह-जगह सुंदरकांड, भंडारा, शोभायात्रा, आरती समेत अन्य आयोजन किया। भगवान श्रीराम की भक्ति में लीन आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने निर्वाचन क्षेत्र नई दिल्ली में आयोजित कई कार्यक्रमों में भाग लेकर पूजा अर्चना की और दिल्लीवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और विकास की कामना की।

इस दौरान सीएम ने आरके आश्रम मार्ग स्थित अल्बर्ट स्क्वायर में रामलला की मूर्ति स्थापना भी की। जबकि आप सरकार के कैबिनेट मंत्रियों के अलावा विधायकों और पार्षदों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर लोगों की सेवा की। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली समेत सभी देशवासियों को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में आयोजित हुए भंडारों में शामिल हुआ। अयोध्या में बहुत ज्यादा वीआईपी के आवागमन के कारण हम लोग वहां नहीं जा पाए, लेकिन हम अपने-अपने तरीके से प्रभु

■ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने पूरे विश्व को जीने का सही तरीका सिखाया : आतिशी

श्रीराम की भक्ति कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल सबसे पहले नई दिल्ली विधानसभा स्थित उद्यान मार्ग पहुंचे। यहां उन्होंने आयोजित हो रहे रामायण पाठ और कीर्तन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर आप की वरिष्ठ नेता व कैबिनेट मंत्री आतिशी द्वारा कालकाजी में विधिवत श्रीराम पूजा-स्तुति व हवन का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि आज रामलला की भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो रही है जो पूरे देशवासियों के लिए बहुत बड़ा दिन है। हम यह उम्मीद करते हैं कि आज अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा तो हो ही रही है, साथ ही हम सभी के दिलों में, हमारी अंतरात्मा में भी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा हो। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम थे और उन्होंने पूरे विश्व को जीने का सही तरीक़ा सिखाया है। आज लोगों को उन मर्यादाओं को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। इसके बाद भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पंचकुइयां रोड स्थित आरके आश्रम मार्ग मेट्रो स्टेशन पहुंचे। यहां सीएम केजरीवाल मेट्रो स्टेशन के पास स्थित प्राचीन सन्यास आश्रम शिव हनुमान मंदिर ट्रस्ट की ओर से आयोजित सुंदरकांड पाठ कार्यक्रम में शामिल हुए और सुंदरकांड पाठ सुनने के उपरांत प्रसाद लिया। यहां सीएम दोपहर करीब साढ़े 12 बजे आके आश्रम मार्ग स्थित ब्लॉक सी पहुंचे।

यहां पर मुख्यमंत्री ने रामलला की मूर्ति की स्थापना की और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने आरके आश्रम मार्ग में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की सभी रामभक्तों को बधाई देते हुए कहा कि पिछले दिनों हम लोगों ने दिल्ली के कई इलाकों में सुंदरकांड का पाठ कराया था।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई-निविदा (इ-प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियंता-III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे ई-निविदा आमंत्रण।

कार्य का नाम	सीनियर डीईएन-III/डीएलआई के तहत एक वर्ष के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पीजी और एजी साइड के सर्कुलेटिंग एरिया सैलून साइडिंग, प्लांट आदि में भूनिर्माण और बागवानी कार्य की मरम्मत और रखरखाव।
कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	रु.99,96,056.64 (रुपये निन्यानवे लाख छियानवे हजार छप्पन और चौसठ पैसे मात्र)
बयाना राशि (रुपये)	रु.1,99,900/- (रुपये एक लाख निन्यानबे हजार नौ सौ मात्र)
निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	रु.0.00
निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	13.02.2024 को 15:00 तक।
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।
आवंटन	29314104

- ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम) IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए।
- सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें।
- मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी।
- निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।
- निविदा संख्या : 128-डब्लू/280/ई-निविदा सूचना/73-2023-24/डब्यू-3 दिनांक : 19.01.2024

252/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

उनके ओपीडी में पांच बच्चो ने जन्म लिया है। तीन राम और दो सीता, जिन्हें देखकर मानो प्रतीत हो रहा हो कि ये साक्षात भगवान का रूप हैं। उन्होंने बताया की अस्पताल में सलारपुर के रहने वाले आदित्य की पत्नी पूनम देवी ने बेटी को जन्म दिया। बेटी के पैदा होने पर परिवार बहुत ज्यादा खुश है।

डॉ. मीरा पाठक, भंगेल सीएचसी

राम भक्ति में सराबोर दिखे भक्त

नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते नोएडा और ग्रेटर नोएडा भी राम की भक्ति में सराबोर रहे। जिले में दिवाली जैसा माहौल दिखा। शहर के प्रमुख मंदिरों व 100 से अधिक सोसाइटी और सेक्टर में सुबह से ही धार्मिक कार्यक्रम शुरू हो गए। इनका समापन दोपहर बाद भंडारों के बाद हुआ। इसके बाद शाम को मंगलदीप जलाए गए। साथ ही कई सोसाइटी और मंदिरों के आसपास जमकर आतिशबाजी भी की गई।

राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए नोएडा में सुबह से ही सेक्टरों में प्रभातफेरी निकाली गई। अनेक स्थानों पर कलश यात्रा भी निकली गई। मंदिरों में कहीं पर अखंड रामायण पाठ का होता रहा। तो कहीं पर सुंदरकांड का पाठ किया गया। बाजारों में भी राम के गीत बजते रहे। शॉपिंग मॉल भी भक्ति रस में डूबे रहे। गौड़ मॉल में राम मूर्ति के अलावा राम मंदिर स्थापित किया जाएगा। इस्कॉन मंदिर को 5000 दीपक से सजाया गया। यहां विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

इसके अलावा अन्य मॉल में धार्मिक आयोजन होते रहे। शहर में विश्व हिंदू परिषद की ओर से रैली का भी आयोजन किया गया, जिसमें सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह और महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता आदि शामिल हुए। रैली में सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। मंदिरों को लाइटों से सजाया गया है। नोएडा प्राधिकरण शहर के करीब 22 मंदिर में राम मंदिर के मॉडल से संबंधित फोटो लगावाई गई है और यहां से लाइव स्क्रीनिंग भी की गई।

श्री सनातन धर्म सेक्टर 19 में भगवान श्री राम की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के दिन सनातन धर्म मंदिर में यादगार लमहा रहा। सुबह से लेकर शाम तक हजारों राम प्रेमियों ने भगवान श्रीराम के दर्शन एवं आशीर्वाद लिया। मंदिर को पूरी भव्यता से सुंदर फूल मालाओं के साथ सजाया गया। भगवान श्रीराम के अभिषेक आरती पूजन हुआ। इसमें मुख्य रूप से उपस्थित क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना की। क्षेत्रीय विधायक नोएडा पंकज सिंह ने भगवान श्रीराम की भव्य आरती की। साथ में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम. एवं कई प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी भगवान श्रीराम के पूजन के समय उपस्थित रहे। सायं सनातन धर्म मंदिर के प्रांगण में 1000 दीपक जलाए गए।

जेपी विश टाउन सोसाइटी में एक लाख दीये जलाए गए

सेक्टर-128 स्थित जेपी विश टाउन सोसाइटी में शाम को एक लाख 25 हजार दीये जलाकर राम लला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया गया। इसके अलावा शाम को कथक नृत्य के जरिए रामायण

के प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा की कई सोसाइटी में भव्य आयोजन किया गया। इसके लिए लोगों के बीच दीये वितरित किए गए हैं। ग्रेनो वेस्ट के स्टेलर सोसाइटी में शोभा यात्रा निकाली गई। इसमें राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान की वेशभूषा में स्थानीय लोग है। सोसाइटी के मंदिर में भव्य पूजा अर्चना की गई। नोएडा के सेक्टर-128 जेपी विश टाउन और श्री जी गौ सदन में लोगों ने राम लला प्रतिष्ठा को लेकर शाम को दीवाली मनाई। नोएडा में कई स्थानों पर दीपोत्सव मनाया जा रहा है। इसके अलावा जमकर आतिशबाजी भी की जा रही है।

सेक्टर-82 मंदिर में महिलाओं ने मनाया दीपोत्सव

नोएडा। अयोध्या में प्रभु राम की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेक्टर 82 स्थित मंदिर परिसर में सुबह 9:30 बजे से सुंदरकांड का पाठ किया गया तदोपरांत हवन यज्ञ हुआ जिसमें सभी पॉकेट वासियों ने आहुतियां अर्पित की। आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। सायं 6 बजे से मंदिर परिसर से पॉकेट की माताओं बहनों ने अपने अपने थाल में दीप सजाकर दीप यात्रा निकाली। यात्रा के दौरान भक्तजन ढोल, शंख, घंटा बजाकर जय सियाराम के नारे लगा रहे थे जिससे पूरा वातावरण राममय हो गया। इस दौरान भक्तों ने जमकर आतिशबाजी भी की। पॉकेट के मेन गेट को दियों से सजाया गया इसके बाद मंदिर परिसर को दियों की रोशनी से जगमग किया गया। भजन कीर्तन के बाद महाआरती हुई और प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने कहा कि भगवान राम करुणा के सागर हैं । हम सबके आराध्य प्रभु राम की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर भारत सहित सम्पूर्ण विश्व राममय हो गया है। हर गांव हर शहर अयोध्या धाम बन गया। सभी ने जाति, धर्म की दीवारों को तोड़कर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा पर जश्न मनाया। राम जी प्यार के सागर हैं जहां नफरत का कोई स्थान नहीं है।

100 से अधिक स्थानों पर लाइव प्रसारण

शहर में अधिकांश सोसाइटी में बड़ी स्क्रीन पर अयोध्या में होने वाले राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण किया गया। यहां लोगों लाइव प्रसारण देखा इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया। नोएडा के सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर में 2100 दीप जलाए गए। मंदिर समिति की ओर से परिसर में दिवाली मनाई जाएगी। समिति के मीडिया प्रभारी संदीप ने बताया कि मंदिर में भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है । इसके अलावा महाआरती के बाद दीपक जलाए गए। वहीं, सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन होगा।

नगर निगम मुख्यालय में भजन व आतिशबाजी के साथ दीवाली

■ दुल्हन की तरह सजाया गया निगम मुख्यालय, 5100 दीप जलाए

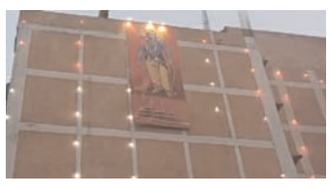

गाजियाबाद, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में नगर निगम मुख्यालय में सोमवार का दिन दीवाली के रूप में मनाया गया। निगम मुख्यालय दुल्हन की तरह सजाया गया 5100 दीप जलाए गए।। इस मौके पर निगम मुख्यालय परिसर में भजन व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। साथ ही आतिशबाजी भी हुई। महापौर सुनीता दयाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक समेत तमाम अधिकारी व पार्षद इस मौके पर उपस्थित रहे। श्री राम जी की प्राण प्रतिष्ठा की शुभ अवसर पर शहर में हजारों की संख्या में भव्य कार्यक्रम आयोजित हुए जिसमें गाजियाबाद नगर निगम की मुख्य भूमिका नजर आई। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार समस्त निगम अधिकारियों ने अपनी अपनी व्यवस्थाओं को संभाल तथा भव्यता से कार्यक्रम संपन्न हुए। महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई जिसके क्रम में निगम मुख्यालय पर, मीडिया, जनप्रतिनिधियों, तथा निगम अधिकारियों ने मिलकर सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया बनी हुई रंगोली पर एक साथ दीप जलाए तथा उत्साह पूर्वक श्री राम के जयकारे लगाए गए, ऐतिहासिक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम पर महापौर ने सभी को शुभकामनाएं दी गई, नगर आयुक्त ने समस्त अधिकारियों व टीम को मोटिवेट करते हुए जनप्रतिनिधियों का धन्यवाद किया। धार्मिक स्थलों पर भी गाजियाबाद नगर निगम की टीम उपस्थिति रही तथा श्री राम प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण होने के दौरान व्यवस्था में लगी रही। कार्यक्रम आयोजन से पूर्व तथा कार्यक्रम आयोजन के उपरांत भी गाजियाबाद नगर निगम स्वास्थ्य विभाग व्यवस्था में लग रहा, गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पर भव्य रूप से आयोजित कार्यक्रम में मंदिर की प्रतिमा के समक्ष सभी ने फोटो भी लिए तथा ऐतिहासिक दिवस पर उत्साह से आतिशबाजी भी करी, कार्यक्रम उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, पार्षद प्रवीण चौधरी, पार्षद शीतल देओल, पार्षद मनोज त्यागी, पार्षद राज कुमार सिंह, पार्षद गौरव सोलंकी, पार्षद रेखा गोस्वामी, पार्षद अजय शर्मा, अपर नगर आयुक्त अरुण यादव, संयुक्त नगर आयुक्त ओम प्रकाश, सहायक नगर आयुक्त पल्लवी सिंह, सहायक नगर आयुक्त विवेक त्रिपाठी, लेखाधिकारी गीता जी, उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश कुमार, मुख्य अभियंता एन के चौधरी,सी टी ओ डॉ. संजीव सिन्हा, जी एम जल आनंद जी, अधिशासी अभियंता जैदी, अधिशासी अभियंता देश राज सिंह,सहायक अभियंता आश कुमार, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष, सम्पत्ति अधीक्षक भोलानाथ गौतम, जोनल प्रभारी सुनील राय, राजवीर सिंह, आर के सिंह, अनिल अरुण उपस्थित रहे।

राम मय हो गया गाजियाबाद, शोभायात्रा व अन्य धार्मिक अनुष्ठानों की धूम

■ महापौर ने किया पांच फीट की श्रीराम प्रतिमा व श्री राम चौक का उद्घाटन

■ शहर के हर कोने में श्री राम की जय जयकार

गाजियाबाद, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में श्री राम जी की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर गाजियाबाद पूरी तरह से राम मय हो गया। आज जहां आज सार्वजनिक अवकाश रहा, वहीं पूरे शहर में शोभा यात्रा से लेकर अनेक धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन होते दिखे। बाजारों में जयश्रीराम का उद्घोष होता रहा। वहीं महापौर सुनीता दयाल ने मकनपुर गांव के बाहर 5 फिट की श्री राम की प्रतिमा का अनावरण एवं श्री राम चौक का महापौर ने किया उद्घाटन किया। शहर में 64 स्थानों पर अयोध्या लाइव प्रसारण हुआ। साथ ही कड़े सुरक्षा बंदोबस्त दिखाई दिए। शहर के सभी बाजारों, हर कोने में श्री राम की जय जयकार होती रही। श्री राम की प्रतिमा का अनावरण, यात्रा, सुन्दरकाण्ड पाठ, रामायण पाठ, सभी शहरवासी श्री राम के गुणगान करते रहे। शहर की सड़कें, सभी ने घर घर पर श्री राम जी का झंडा लगाकर श्री राम के अयोध्या वापस आने पर दीपावली और दीपोत्सव के रूप में मना बहुत हर्ष और उल्लास के साथ श्री राम प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम मनाते रहे। नगर निगम ने शहर के सभी मंदिरों पर चौराहों पर एवं मुख्य सड़कों पर साज सज्जा कराई गई है जभी अधिकारियो एवं कर्मचारियों ने श्री राम महोत्सव को सफल बनाया।

शिव मंदिर आर्य नगर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजित भजन कीर्तन एवं प्रसाद वितरण का आयोजन राम भक्तों द्वारा किया गया। कमला नेहरु नगर के शिव मन्दिर में रामभक्त श्री रामोत्सव मनाया। इस दौरान नन्हे मुन्ने बाल गोपालों सहित मन्दिर समिति महंत,भाजपा नेता सचिदानंद शर्मा, प्रदीप चौधरी, नितीन शर्मा आदि सैकड़ों रामभक्त उपस्थित रहे।पुराना विजयनगर रामलीला मैदान में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर हवन पूजन किया गया एवं तत्पश्चात एलईडी के माध्यम से अयोध्या से सीधा प्रसारण दिखाया गया व विजयनगर में रह रहे कार सेवकों का एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान प्रतीक एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। संचालन लेखराज माहौर ने किया।तुराब नगर व्यापार मण्डल द्वारा मंगली होजरी पर भव्य संगीतमय सुंदरकांड का पाठ एवम हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। अवसर पूरे बाजार को बहुत ही भव्य तरीके से सजाया गया पूरे बाजार में भगवा झंडे पटके लगाकर बाजार को पूर्णत भगवा रंग में रंग दिया गया। रजनीश बंसल-चेयरमैन, कर्मवीर नागर-प्रधान, सुशील सेठी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम को मिली जमानत

नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को गौतमबुद्ध नगर जिला न्यायालय में पेशी के दौरान जमानत मिल गई है। कोरोना काल में कांग्रेस की प्रत्याशी पंखुड़ी पाठक के कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। उसके बाद से यह केस कोर्ट में विचाराधीन था। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नोएडा में कोरोना काल में कांग्रेस प्रत्याशी पंखुड़ी पाठक के चुनाव प्रचार किया था। उस समय गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन ने उनके खिलाफ आचार संहिता और महामारी कानून के उल्लंघन का मामला दर्ज कराया था।

यह मामला नोएडा के सेक्टर-49 थाने में दर्ज किया गया था। यह मुकदमा नोएडा विधानसभा क्षेत्र के उप निर्वाचन अधिकारी एवं दादरी के उप जिलाधिकारी ने दर्ज कराया था। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दिल्ली पहुंचे थे, उन्होंने गौतमबुद्ध नगर के बरौला, सलारपुर, सोरखा, बहलोलपुर और जलपुरा में घर-घर जाकर कांग्रेस प्रत्याशी के लिए वोट मांगे थे। लोगों को कांग्रेस पार्टी के वायदों की जानकारी दी थी। उनके साथ कांग्रेस की उम्मीदवार पंखुड़ी पाठक भी थीं। कोर्ट में वे आज खुद मौजूद रहे। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में रैली, जुलूस और जनसभा आदि को प्रतिबंधित किया था। कोरोना काल में गाइडलाइन के मुताबिक, एक ग्रुप में केवल पांच लोगों की टोली ही घर-घर जाकर चुनाव प्रचार कर सकती थी। इसके बावजूद कांग्रेस के प्रत्याशी घर-घर जाकर कोविड की गाइड लाइन का उल्लंघन करते दिखे थे। फिलहाल उनको इस मामले में जमानत मिल गई है।

गणतंत्र दिवस परेड रिहर्सल पर रूट डायवर्ट

■ दिल्ली में मालवाहक वाहनों की एंट्री पर लगी रोक, असुविधा के लिए जारी हेल्पलाइन नंबर

नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर फुल ड्रेस परेड रिहर्सल व परेड के अवसर आज रात 10 बजे से 23 जनवरी कार्यक्रम समाप्ति तक और 25 जनवरी से रात 10 बजे से 26 जनवरी 2024 में कार्यक्रम समाप्त होने तक गौतमबुद्धनगर से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले मालवाहक (भारी, मध्यम व हल्के) वाहनों का सुरक्षा के दृष्टिकोण से दिल्ली राज्य में प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा। यह वाहन निम्नांकित मार्गो का प्रयोग कर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। असुविधा होने पर हेल्प लाइन नंबर 9971009001 पर सम्पर्क कर सकते है।

रात 10 बजे के बाद इस मार्ग का करे प्रयोग

चिल्ला रेड लाइट (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन चिल्ला रेड लाइट से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। डीएनडी (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन डीएनडी टोन प्लाजा से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। कालिन्दी कुंज यमुना (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन यमुना नदी से पहले अण्डरपास तिराहा से डायवर्ट किये जाएंगे, जो नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। यमुना एक्सप्रेस-वे से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन जीरो पाइंट से परीचौक की ओर डायवर्ट किए जायेगे जो ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन नोएडा गूंजी 22 से ज्यादा किलकारियां

■ किसी के घर आए राम और कही सीता, परिवार ने मनाई दीवाली बोल हम सौभाग्यशाली

नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। प्राण प्रतिष्ठा के दिन बच्चों को जन्म देने वाली महिलाएं खुद को और अपने बच्चों को सौभाग्यशाली मान रही है। कई महिलाओं की चाहत थी कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन उनके घर में संतान जन्म ले। नोएडा में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान करीब 22 जन्मों ने जन्म लिया। इन सभी के माता-पिता और परिजन अपने को सौभाग्य शाली मान रहे है। नोएडा के सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में सुबह 11 बजे के बाद प्राण प्रतिष्ठा के दौरान करीब आठ महिलाओं ने बच्चों को जन्म दिया। नोएडा के भंगेल स्थित सीएचसी में पांच बच्चों ने जन्म लिया। दो नॉर्मल डिलीवरी से और तीन ऑपरेशन से पैदा हुए हैं। इनमें तीन लड़के पैदा हुए हैं वहीं दो बेटियां पैदा हुई हैं। इन नवजातों के आने से पूरा परिवार खुशी से झूम उठा। भंगेल सीएचसी की डॉ. मीरा पाठक ने बताया कि उनके ओपीडी में पांच बच्चो ने जन्म लिया है। तीन राम और दो सीता, जिन्हें देखकर मानो प्रतीत हो रहा हो कि ये साक्षात भगवान का रूप हैं। उन्होंने बताया की अस्पताल में सलारपुर के रहने वाले आदित्य की पत्नी पूनम देवी ने बेटी को जन्म दिया।

आज किसान प्राधिकरण की करेंगे घेराबंदी

■ 24 को एनटीपीसी और नोएडा प्राधिकरण की निकाली जाएगी अर्थी, मटकी फोड़ करेंगे अंतिम संस्कार

नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। भारतीय किसान परिषद के तत्वाधान में किसानों का धरना आज 42 वें दिन भी जारी रहा। प्राधिकरण पर कल भी संपूर्ण लॉकडाउन रहेगा। इसके बाद यहां सैकड़ों की संख्या में किसान प्राधिकरण की परिक्रमा करेंगे।

भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने स्पष्ट कहा कि जब तक हमारा हक नहीं मिलेगा प्राधिकरण पर संपूर्ण तालाबंदी रहेगी। किसी को अंदर जाने नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा एनटीपीसी पर भी धरना जारी है।सुखवीर खलीफा ने कहा कि मंगलवार को नोएडा प्राधिकरण की तालाबंदी न खुले इसके लिए रातभर चौकसी की जाएगी। इसके सभी तीनों गेट बंद किए गए है। इसके अलावा एक मुख्य गेट है। जिस पर पुलिस का सख्त पहरा है। इस गेट सिर्फ अधिकारी ही अंदर जा पा रहे है। बाकि कोई भी पब्लिक डीलिंग प्राधिकरण में नहीं होने दी जाएगी। ये संपूर्ण लॉकडाउन जारी रहेगा। वहीं किसान परिषद ने सर्वसम्मति से फैसला लिया 24 जनवरी को एनटीपीसी से प्रभावित 24 गांव के किसान व नोएडा प्राधिकरण से प्रभावित 81 गांवों के किसान स्पाइस मॉल पर एकत्रित होकर नोएडा प्राधिकरण व भ्रष्टाचारी एनटीपीसी पर मटका फोड़ कर विरोध करेंगे। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई है। सुखवीर ने कहा कि ये दोनों ही किसानों की मांगों को लेकर कुछ भी नहीं कर रही है। ऐसे प्राधिकरण और एनटीपीसी की अब अर्थी उठाकर उनका अंतिम संस्कार ही किया जाएगा।

उप्र उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने किया विशाल भंडारे का आयोजन

नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर नोएडा शहर एक धर्मनगरी की तरह सज गया है। शहर में जय श्री राम ने नारे के साथ अनेक जनजागरण रैलियां निकाली गई, तो जगह-जगह विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा ईकाई के सौजन्य से सेक्टर 5 हरौला में विशाल भंडारे का आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद स्वरूप भंडारा ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष नरेश कुच्छल ने कहा कि भगवान श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम कहे जाते हैं। उनका पूरा जीवन ही एक सीख है। मर्यादा की

राह पर चलते हुए भगवान राम ने समाज को सत्य, दया, करुणा, धर्म और कर्तव्य परायणता का पाठ पढ़ाया है। धार्मिक परिपेक्ष्य की बात करें तो भगवान राम को भगवान विष्णु का अवतार माना गया है। उनका जन्म अधर्म पर धर्म की विजय के लिए हुआ। उनके चरित्र की विशेषताएं उनको अलग बनाती है और उनका जीवन समाज में सफल जिंदगी जीने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने वनवास में रहते हुए भी अपने कुशल प्रबंधन के चलते रावण जैसे बड़े राजा को पराजित किया। इससे साबित होता है कि अगर संसाधन कम हो तो भी कुशल प्रबंधन करके विजय हासिल की जा सकती है। इस भंडारे को सफल बनाने में अध्यक्ष नरेश कुच्छल, चेयरमैन रामअवतार सिंह, वरिष्ठ महामंत्री दिनेश महावर, मनोज भाटी, विपिन अग्रवाल, संदीप चौहान, मूलचंद गुप्ता, सतनारायण गोयल, राधेश्याम गोयल, ओपी तोमर, महेंद्र कटारिया, केशव पंडित आदि का योगदान महत्वपूर्ण रहा।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

जनेश्वर मिश्र एक सच्चे समाजवादी नेता थे, जिनका सारा जीवन देश व समाज की सेवा के लिए समर्पित रहा। उनकी समाजवादी विचारधारा के प्रति दृढ़ता एवं निष्ठा के कारण उनको छोटे लोहिया कहा जाता था। युवा अवस्था में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया के विचारों से प्रभावित होकर समाजवादी विचारधारा से जुड़ने के बाद उन्होंने सभी वर्गों के उत्थान के लिए सराहनीय काम किया।

सुधीर भाटी, जिला अध्यक्ष

भगवान श्री राम स्वागत में शहर से लेकर गांव तक हुए सब राममय

- जगह-जगह निकाली गई शोभा यात्रा
- भजन कीर्तन के साथ लहराया भगवा ध्वज

ग्रेटर नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में भगवान श्री राम के पांच सौ वर्ष का वनवास खत्म होते देखकर लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, हर तरफ उमंग और उत्साह सोमवार को देखने को मिला। ग्रेटर नोएडा शहर से लेकर गांव तक जनमानस राममय हो गया। शहर से लेकर गांव तक बच्चा बच्चा के जुबान पर भगवान राम नाम सुनने को मिला, हर कोई यही कहते दिखा आज देश में रामराज्य की स्थापना हो रही है। भगवान राम स्वागत की तैयारी को लेकर मंदिरों से साथ हर घर में सुबह से पूजन अर्चन शुरु हो गया। सभी अपने घरों में भगवान राम के आगमन की तैयारी के साथ घर को सजा रहे थे और अपने-अपने घरों में भगवा ध्वज लगाकर रामराज्य की परिकल्पना को दर्शा रहे। शहर व गांव के मंदिरों में साफ सफाई तो कई दिनों से चल रही थी, सोमवार को मंदिरों को भगवा ध्वज व फूलों से सजाया गया था। सुबह से मंदिरों में कीर्तन भजन के साथ रथ यात्रा भी निकाला गया। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर सोसाइटी में भगावन राम की बारात में महिलाएं बच्चों व युवाओं में दिखा असीम उत्साह।

आईईए के उद्यमियों ने निकाली शोभा यात्रा

ग्रेटर नोएडा। इंडस्ट्रियल इंट्रप्रेनुर्स एसोसिएशन के बैनर तले उद्यमियों ने औद्योगिक क्षेत्र में श्री राम की शोभा यात्रा निकाली। यह शोभायात्रा संस्था के कार्यालय से प्रारंभ होकर औद्योगिक क्षेत्र में से होते हुए वापस संस्था के कार्यालय पर पहुंची। रास्ते में जे के इंडस्ट्रीज के एमडी नरेश चौहान ने शोभायात्रा में रामभक्तो का स्वागत किया। शोभायात्रा के बाद संस्था के मुख्यालय पर सभी उद्यमियों ने टेलीविजन पर अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लाइव देखा। प्राण प्रतिष्ठा होने पर सभी उद्यमियों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। सभी उद्यमियों ने जय श्रीराम के नारे लगाए व भजन गाए एव प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अमित उपाध्याय, संजीव शर्मा, अभिषेक जैन, विशाल गोयल, महेंद्र शुक्ला, मनोज सिंघल, पी एस मुखर्जी, गुरदीपसिंह तुली, नरेंद्र सोम, दर्शन शर्मा, प्रमोद झा, श्रीकांत शर्मा, महिपाल सिंह, एच एन शुक्ला, सुशील शर्मा, अरविंद भाटी, एम.पी. शुक्ला, हरबीर सिंह, पराग अग्रवाल, सुनील दत्त, नरेश चौहान, लक्ष्मण सिंह, अनिल सिंह, राजमन त्रिपाठी आदि लोग मौजूद रहे।

शहर की सोसायटी में गूंजा जय श्री राम, आयोजित हुए कार्यक्रम

ग्रेटर नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा उत्सव का उत्साह ग्रेटर नोएडा की सोसायटी में भी देखने को मिला। गौड़ सिटी-1 और 2 के मंदिर में पूरे दिन भजन कीर्तन चला। गौड़ ग्रुप की डायरेक्टर मंजू गौड़ ने गौड़ सिटी के मंदिर में पूजा अर्चना की। उन्होंने सभी रामभक्तों को श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव की बधाई दी। गौड़ सिटी-1, एसकेए मेट्रो विले, एसके, ग्रीन आर्क, पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्टेग, गुलशन बेलीना आदि सोसायटी में रामभक्तों ने जमकर पूजा अर्चना की। साथ ही भगवा झंडा लगाकर रैली निकाली गई। रात को सभी सोसायटी में 2100 दीये जलाकर भगवान राम का स्वागत किया गया। जे पी ग्रीन्स में सभी भक्तों ने श्री राम जी की रथ यात्रा बहुत उत्साह से निकाली और श्री राम जी ने शबरी की कुटिया में जाकर शबरी के झूटे बेर खाये और उनका उद्धार किया।

राममय हुई इको विलेज-दो सोसायटी, मंदिर में पूजा के लिए लगी भीड़

इको विलेज 2 सोसायटी पूरी तरह राममय है। रात 12 बजे के बाद से ही जय श्री राम का नाम पूरी सोसायटी में गूंज रहा है। बड़ी संख्या में भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए। मंदिर ट्रस्ट की तरफ से श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। सुबह 11 बजे से मंदिर प्रांगण में पूजा प्रारंभ हुआ। उसके बाद सुंदर कांड का पाठ हुआ। मंदिर में भक्तों को प्रसाद बांटा गया और फि र सोसायटी में झांकी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

गौड़ सिटी मॉल में उमड़ी भीड़

गौड़ सिटी मॉल में 14 फीट की मूर्ति लगाने के साथ ही राम मंदिर का मॉडल प्रदर्शित किया गया। इस दौरान लोग इस प्रतिमा के सामने सेल्फी और फोटो लेते दिखाई दिए। साथ ही मॉल में अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया गया।

सैकड़ों लोगों ने इसका आनंद लिया। ग्रेटर नोएडा के स्प्रिंग मीडोज में अयोध्या से लाइव स्ट्रीमिंग के साथ नौ कुंडीय हवन का आयोजन किया गया, जिसमें सोसाइटी के लोगों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

शिवालिक होम्स सोसाइटी में हवन-पूजन व कीर्तन का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। सूरजपुर साइट सी ग्रुप हाउसिंग विस्तार-2, ग्रेटर नोएडा स्थित शिवालिक होम्स सोसाइटी में नवदुर्गा उत्सव समिति द्वारा धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। शिवालिक होम्स सोसाइटी की धर्मपरायण निवासियों ने भी रामधुन में रम कर सोसाइटी में सुन्दरकाण्ड, दीपदान, भण्डारा एवं आतिशबाजी का आयोजन किया। सोसाइटी के सभी निवासियों ने अपने अपने घरों में दीये एवम् लाइट्स जलाया, जिससे पूरी सोसाइटी में दीपावली जैसा माहौल बन गया और पूरी सोसाइटी दीयों एवम लाइट्स की रोशनी से जगमग हो गई। इस पूरे आयोजन में सोसाइटी के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं एवम पुरुषों ने पूरे हर्षोल्लास, उमंग एवं उत्साह के साथ रामभक्ति में लीन होकर भव्य बना दिया।

श्री धार्मिक रामलीला कमेटी ने रामलीला मैदान पर हवन पूजन के साथ किया दीपोत्सव

ग्रेटर नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में भव्य राम मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर श्री धार्मिक रामलीला कमेटी, रामलीला मैदान, सेक्टर-पाई में हवन पूजन, प्रसाद वितरण और शाम में दीप माला का आयोजन किया गया। श्री धार्मिक रामलीला कमेटी के अध्यक्ष आनंद भाटी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन किया गया। हवन में श्री धार्मिक रामलीला कमेटी के पदाधिकारी और शहरवासियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इसके पश्चात विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। शाम में 1100 दियों की दीपमाला बनाई गई। इस मौके पर मुख्य आतिथि श्रीचंद शर्मा विधायक, इन्दुप्रकाश ओएसडी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, चेतराम मैनेजर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, वीरेन्द्र डाढ़ा, पूर्व चेयरमैन, संस्था के संस्थापक गोस्वामी सुशील महाराज, राजकुमार नागर, शेर सिंह भाटी, संरक्षक हरवीर मावी, प्रदीप शर्मा, सुशील नागर, अध्यक्ष आनन्द भाटी, महासचिव ममता तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय नागर, मीडिया प्रभारी धीरेंद्र भाटी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश गौतम, महेश शर्मा,चैनपाल प्रधान आदि लोग मौजूद रहे।

घर-घर दीपक जला कर मनाएं दीवाली : महेश शर्मा

रबूपुरा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। 500 वर्ष बाद सपना साकार हुआ है कि रामलला अपने गर्भगृह में विराजमान हुए हैं। हमारे बुजुर्गों का बलिदान और हम सबका प्रयास रंग लाया है और सदियों के इंतजार बाद श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा का अवसर आया है। हम सभी अपने-अपने घरों में दीपक जलाकर आज के दिन को दीपावली पर्व की तरह मनाएं। सबका साथ- सबका विकास भाजपा की प्रतिबद्धता है। आज देश का बच्चा-बच्चा मा0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर विश्वास करता है तभी तो कहते हैं मोदी है तो मुमकिन है। उक्त बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ0 महेश शर्मा ने गांव भाईपुर स्थित शिव नानकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में कहीं। साथ ही उन्होंने श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के दिव्य आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार प्रकट किया। तदुपरांत सांसद ने मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना की। इसके साथ ही ग्रामीणों ने पगड़ी बांध कर व माला पहना कर डा0 महेश शर्मा का जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर राजेश सिंह, सतपाल तालान, प्रदीप अत्री, मनीराम शर्मा, एड0 सुशील शर्मा, सुनील कुमार, श्रीराम रावत, जसवंत मीणा, मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

राम रंग में रंग निकाली कलश यात्रा

रबूपुरा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। राम भक्तों का 500 साल का इंतजार सोमवार को खत्म हो गया। अयोध्या में अपनी जन्मभूमि पर रामलला भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होने के शुभ अवसर पर अयोध्या ही नहीं बल्कि पूरा देश राम रंग में रंग गया। कस्बे में श्री रामायण मंडल फाउंडेशन के तत्वाधान में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जोकि सत्संग भवन से प्रारंभ होकर कस्बे के मुख्य मुख्य मार्ग से होती हुई सत्संग भवन पर आकर संपन्न हुई। महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर राम नाम की धुन में झूमते, गाते हुए यात्रा में शामिल हुई।

कलश यात्रा में महिलाओं के साथ-साथ युवाओं ने भगवा ध्वज लेकर राम के भजन गाते हुए पूरे कस्बे को राममय बना दिया। कलश यात्रा का जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने भगवान श्री राम की आरती व नगर पंचायत के अध्यक्ष शशांक सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कलश यात्रा का शुभारंभ किया। कलश यात्रा के बाद महाराजा अग्रसेन धर्मशाला में विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। वहींअयोध्या में श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर गांव चांदपुर-शाहपुर स्थित शिव मंदिर परिसर में संकीर्तन व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर में जय श्रीराम के जयकारों का उद्घोष हुआ व भक्तिमय धुनो पर भक्त जमकर थिरके। राम मंदिर के महंत ने कहा कि भगवान श्री राम हमारे आराध्य हैं। इस अवसर पर जितेंद्र सिंह द्वारा भक्तों को रामचरितमानस की पुस्तकों का भी वितरण किया गया। इस दौरान सीमा सिंघल, ममता सिंघल, बबीता देवी, महिपाल सिंह, रमेश भगत जी, कर्मवीर शर्मा, योगेश, मोमराज, बिज्जी तायल, बबली सिंघल, अश्वनी कौशिक, चंद्र प्रकाश जैन, विनीत सिंघल, राजीव तायल, किशन लाल पाराशर, गोपाल तायल, राधेलाल सिंघल, चंदीमल, सचिन गर्ग, राजकुमार, राजीव तायल, वीरेंद्र गर्ग, बॉबी कुमार व घनश्याम दास सिंगल आदि शामिल रहे।

श्री राम के जयकारों से गूंजा दनकौर कस्बा, आयोजित हुए धार्मिक कार्यक्रम

दनकौर, 22 जनवरी (देशबन्धु)। दनकौर कस्बे में भी विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गए, कस्बे के लोगों द्वारा श्री राम, लक्ष्मण और महाबली हनुमान समेत अन्य देवी देवताओं की झांकियां निकालीं। इस दौरान कस्बा श्री राम के जयकारों से गूंजने लगा। सुरक्षा के लिए चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा। ऊंची दनकौर मोहल्ला में शिव मंदिर पर अजीत चौहान के नेतृत्व में सुंदर झांकियां निकाली गईं। इसके साथ ही कस्बे के व्यापारियों व अन्य लोगों के सहयोग से श्री गुरु द्रोणाचार्य मंदिर से श्री राम नाम कीर्तन यात्रा शुरू होकर कस्बे के सभी मुख्य बाजारों से निकाली गई। इस आयोजन में सांसद महेश शर्मा भी शामिल हुए। उन्होंने मंदिर परिसर में धार्मिक पुस्तकालय का उद्घाटन किया। साथ ही कहा कि राम भक्तों का 500 साल का सपना पूरा हो गया है। बेहद खुशी के बात है कि राम लला मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो गये हैं। इस दौरान संदीप जैन, हरिदत्त शर्मा, राजेन्द्र भाटी, अमित नागर, पंकज कौशिक, सोनू वर्मा, रजनीकांत अग्रवाल, मनीष कुमार और हरपाल आदि लोग उपस्थित रहे।

साईं मंदिर में श्रीराम पूजन, दीपोत्सव व भजन का आयोजन

ग्रेटर नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या नगरी में प्रभु श्री राम जी की प्राणप्रतिष्ठा और भव्य मंदिर की स्थापना के साथ श्री साईं अक्षरधाम मंदिर, डेल्टा-3 में भी प्रभु राम पूजन व पंडित कृष्णा, पंकज, दिलीप द्वारा सुंदर काण्ड का पाठ, भजन कीर्तन के साथ प्रसाद वितरण व भंडार का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। प्रभु श्री राम जी के स्वागत में बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मंदिर परिसर को रंगोली, लाईट व दीपों से सजाया गया। इस अवसर पर ट्रस्टी विपिन, मीना अग्रवाल, राम सेवक रमेश प्रेमचन्दानी, डा. भूषण, पंडित विकास, सुनील भाटी, लक्ष्मी, गरिमा चंदानी, रवि शेखर, आलोक मनोज उपस्थित रहे।

पीपल महादेव मंदिर में भजन कीर्तन का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। डेल्टा-1 में पीपल महादेव मंदिर पर श्री राम प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भजन का आयोजन किया गया, जिसमें लाइव अयोध्या से दिखाया गया उसके बाद भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में सेक्टरवासियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस अवसर पर कुलदीप शर्मा, शरद त्यागी, डी. के. अरोड़ा, आरडी तिवारी जीएल प्रजापति, जितेंद्र के साथ डेल्टा निवासी भक्तगण सम्मिलित हुए।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

मिस्टर यूपी पावर लिफ्टिंग में जेवर के मनीष शर्मा ने जीता गोल्ड मेडल

जेवर, 22 जनवरी (देशबन्धु)। कस्बे के रहने वाले मनीष शर्मा ने मिस्टर एंड मिसेज यूपी पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर कस्बे का नाम रोशन किया है। जिससे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

जेवर के मौहल्ला क़ानून गोयान निवासी मनीष शर्मा ने बताया कि रविवार शाम को बड़ौत में मिस्टर एंड मिसेज़ यूपी पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। जिसमें उसने 85 किग्रा में भार में 60 प्रतिद्वंदियों को पछाड़ते हुए 222 किग्रा भार उठाकर प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता। जेवर पहुंचने पर सोमवार को युवाओं व स्वजनों द्वारा मनीष शर्मा का जोरदार स्वागत किया गया।

आईबीआई संस्थान में आयोजित श्रीरामोत्सव में विद्यार्थियों में दिखा उत्साह

ग्रेटर नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। नॉलेज पार्क स्थित आईबीआई संस्थान में श्री राम उत्सव का आयोजन किया, जिसमें भगवान राम के ऐतिहासिक घर लौटने का पर्व मनाया गया। यह सांस्कृतिकता और परंपराओं का समागम था, यह सांस्कृतिक कार्यक्रम आई बिजनेस इंस्टिट्यूट के प्रतिभाशाली छात्रों की प्रदर्शनों के साथ इस दिन को सोने की चिराग में बदला गया। हवन पूजन ने सकारात्मक वातावरण को बढ़ावा दिया, और पवित्र अयोध्या, प्राण प्रतिष्ठा की लाइव स्क्रीनिंग ने भी मनोहर दृश्य प्रस्तुत किए। इसके अलावा, समुदाय के साथ हुआ भंडारा ने दिव्य स्वरों के साथ समृद्धि को महसूस किया। भजन संध्या में टी सीरीज के प्रसिद्ध गायक, नरेंद्र उज्जवल ने राज्य को ध्यान और शांति से भरा, यह समारोह हर्ष और उल्लास से भरा था।

सपाईयों ने जनेश्वर मिश्र के पुण्यतिथि पर किया याद

ग्रेटर नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। छोटे लोहिया के नाम से प्रसिद्ध पंडित जनेश्वर मिश्र की 14वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सूरजपुर स्थित समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर पार्टी के कार्यकर्त्ताओं श्रद्धांजलि दी और विचार गोष्ठी का आयोजन कर उन्हें याद किया गया। इस मौके पर पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि जनेश्वर मिश्र एक सच्चे समाजवादी नेता थे, जिनका सारा जीवन देश व समाज की सेवा के लिए समर्पित रहा। उनकी समाजवादी विचारधारा के प्रति दृढ़ता एवं निष्ठा के कारण उनको छोटे लोहिया कहा जाता था। युवा अवस्था में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया के विचारों से

प्रभावित होकर समाजवादी विचारधारा से जुड़ने के बाद उन्होंने सभी वर्गों के उत्थान के लिए सराहनीय काम किया। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि जनेश्वर मिश्र वह सच्चे समाजवादी नेता थे जिन्होंने गरीब, मजदूर वंचित, शोषितों कि आवाज को सड़क से संसद तक बुलंद किया। सभी समाजवादी साथियों को उनके जीवन का अनुसरण करते हुए समाजवादी विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का काम करना चाहिए। इस मौके पर मुख्य रूप से लोकसभा प्रभारी वीरसिंह यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष इंदर प्रधान, रामशरण नागर एडवोकेट, उपदेश नागर, अकबर खान, रोहित मत्ते गुर्जर, नीरज भाटी आदि मौजूद रहे।

श्री रामलीला मैदान साइट-4 में हवन पूजन संकीर्तन का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा, 22 जनवरी (देशबन्धु)। साइट-4 स्थित श्री रामलीला मैदान पर भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हवन पूजन के साथ भजन कीर्तन का आयोजन किया गया, साथ ही स्क्रीन लागकर अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम का प्रसारण किया गया जिसको देखने के लिए लोगों की भीड़ एकजुट हुई। श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह ने बताया कि यह पल हम सभी के लिए बड़े ही हर्षोल्लास का विषय है कि अध्योध्या में प्रभु राम की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। इसी साथ रामलीला मैदान पर हवन पूजन का आयोजन किया गया है, जिसमें रामलीला कमेटी के सभी पदाधिकारी के साथ विभिन्न सामाजिक संगठन के के लोग के साथ आम जनमान ने हिस्सा लिया। इस दौरान गुरुकुल के आचार्य व बटुकों ने वैदिक रीति से हवन पूजन कराया, जिसमें सभी ने आहुति देकर भगवान राम का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष सरदार मनजीत सिंह, बिजेन्द्र सिंह आर्य, मनोज गर्ग, सौरभ बंसल, विनोद कसाना, ओमप्रकाश अग्रवाल, कुलदीप शर्मा, मुकेश शर्मा, के.के. शर्मा. मुकुल गोयल. अमित गोयल, श्यामवीर भाटी,विकास भाटी, सुभाष चन्देल, सुनील प्रधान, अरुण गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, मंगलवार 23 जनवरी 2024
संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

क्या वाकई रामराज्य आएगा

22 जनवरी 2024 को भाजपा की राजनैतिक रणनीति के तहत, तय वक्त पर अयोध्या में बने करोड़ों के भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य यजमान के तौर पर शामिल हुए। उनके अलावा प्राण-प्रतिष्ठा के अनुष्ठान के दौरान गर्भगृह में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, उत्तरप्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शेष यजमानों के साथ मौजूद रहे। कांग्रेस ने जब इस कार्यक्रम को भाजपा और संघ का राजनैतिक आयोजन बताया था, तो मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर कई तरह के शाब्दिक हमले किए गए। उन्हें हिंदू विरोधी कहा गया। लेकिन अयोध्या में हुए कार्यक्रम को अगर खुले दिल-दिमाग से देखा जाए और उसका विश्लेषण किया जाए, तो यही नजर आएगा कि एक धार्मिक आयोजन को भाजपा का शक्तिप्रदर्शन बना दिया गया। पूंजी के दम पर धर्म के नाम पर जितना दिखावा किया जा सकता था, सब किया गया। देश के हजारों रिहायशी इलाके एक जैसे भगवा झंडों और फूल मालाओं से सजाए गए, जगह-जगह शोभायात्राएं, हवन, भंडारे आयोजित हुए। श्री मोदी ने 22 जनवरी को दीपावली मनाने का आह्वान किया, तो आंख मूंदकर लोगों ने सुबह से दीए जलाने, पटाखे फोड़ने शुरु कर दिए, बिना यह सोचे-विचारे कि राम रावण को मार कर सीताजी के साथ जब अयोध्या लौटे थे, तब दीपावली मनाई गई थी। लेकिन अब मोदीजी के काल में शायद नए भारतीय कैलेंडर के साथ नए तरीके से दीपावली मनाने का कोई चलन शुरु हो जाए। वैसे भी अयोध्या में दिए अपने भाषण में श्री मोदी ने कहा ही है कि 22 जनवरी कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं है, यह एक नए कालचक्र का उद्गम है।

वाकई एक नया कालचक्र भारत की धार्मिक और राजनैतिक परंपराओं में शुरु हुआ है। धार्मिक परंपरा के मुताबिक गृहस्थ यानी पति और पत्नी दोनों मिलकर अनुष्ठान करते हैं। लेकिन श्री मोदी प्राण प्रतिष्ठा में अकेले शामिल हुए। भक्तों की सुविधा के लिए बताया गया कि प्रधानमंत्री प्रतीकात्मक जजमान रहेंगे, लेकिन आज के दौर में प्रतीक ही प्रधान बन गए हैं। लिहाजा वे 14 दंपती जो बतौर यजमान इस आयोजन में बैठे थे, वे खबरों में नजर नहीं आए, उनकी जगह प्रधानमंत्री मोदी दिखे। राजनैतिक परंपरा के मुताबिक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को निज आस्था का सार्वजनिक प्रदर्शन नहीं करना चाहिए। लेकिन प्रधानमंत्री, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री और राज्यपाल सभी बेधड़क एक हिंदू कार्यक्रम में, हिंदू राष्ट्र के पैरोकार संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ शामिल हुए। आदित्यनाथ योगी ने इस अवसर पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए इसे त्रेतायुग की ओर लौटना बताया। वहीं मोहन भागवत ने इसे भारत का स्व लौटना बताया है।

अब सवाल यह है कि अगर भाजपा और संघ का यह राजनैतिक आयोजन नहीं था तो फिर इस कार्यक्रम में संघप्रमुख और भाजपा नेताओं के भाषण क्यों हुए। क्यों इस कार्यक्रम में हिंदू धर्म की पहचान बताने वाले शंकराचार्य अनुपस्थित रहे। रामलला के नाम पर हुए इस कार्यक्रम में फिल्मी सितारों और कारोबारी बाबाओं को विशिष्ट मेहमानों की तरह क्यों बुलाया गया। क्या उनकी आस्था देश के करोड़ों हिंदुओं की आस्था से अधिक है, या फिर देश में अब ऐसा राम राज्य आएगा, जहां बलवान को ही भक्ति का अधिकार मिलेगा।

अपने भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि त्याग और तपस्या के बाद हमारे राम आ गए हैं। इस वाक्य में अगर वे त्रासदी शब्द भी जोड़ते तो बात पूरी होती, क्योंकि इतिहास को चाहे जितनी तरह से लिख लिया जाए, यह तथ्य अपनी जगह कायम रहेगा कि राजनैतिक फायदे के लिए खड़े किए राम मंदिर आंदोलन से देश एक ऐसी त्रासदी का शिकार हुआ था, जिसने संविधान की मर्यादा को तार-तार करके रख दिया था। हजारों जिंदगियां राम मंदिर आंदोलन के कारण बर्बाद हुईं और बर्बादी हिंदू या मुसलमान का ठप्पा लेकर नहीं चलती, केवल उजाड़ती है। श्री मोदी ने इस मौके पर भारत की न्यायपालिका का आभार भी व्यक्त किया, जिसने न्याय की लाज रख ली। लेकिन क्या प्रधानमंत्री को यह याद है कि न्यायपालिका ने यह भी कहा था कि बाबरी मस्जिद को तोड़ना गलत था। क्या न्याय की लाज रखने के लिए श्री मोदी बाबरी तोड़ने वालों को दंड दिलाने की कोशिश करेंगे। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मौके को राष्ट्रवाद में भुनाने की कोशिश भी प्रधानमंत्री ने की, जब उन्होंने अपने भाषण में कहा कि गुलामी की मानसिकता को तोड़कर राष्ट्र उठ खड़ा हुआ है, ये समय सामान्य नहीं है। राम मंदिर बन जाने का गुलामी या आजादी से क्या संबंध है, इसे श्री मोदी को थोड़ा और स्पष्ट करना चाहिए। क्योंकि बाबरी मस्जिद न अंग्रेजों के शासन में बनाई गई और न उसे अंग्रेजी शासन में तोड़ा गया। और भारत अंग्रेजों को छोड़ किसी और का गुलाम नहीं रहा, तो फिर गुलामी की मानसिकता 22 जनवरी को कैसे टूट सकती है। मानसिकता वैसे भी एक अमूर्त चीज है, जो कभी भी बदल सकती है। जहां तक सवाल गुलामी का है, तो उससे 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिल गई थी और 26 जनवरी 1950 को संविधान को स्वीकार करके भारत लोकतंत्र की राह पर आगे बढ़ गया था। इसलिए इन दो दिनों और इनके साथ गांधी जयंती को राष्ट्रीय पर्वों के तौर पर मनाया जाता है। आश्चर्य नहीं होगा अगर भाजपा तीसरी बार सत्ता में आई तो अगले बरस से 22 जनवरी भी राष्ट्रीय पर्व घोषित कर दिया जाए।

बहरहाल, 22 जनवरी के बाद अब देश के सामने सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि 23 जनवरी से देश का माहौल कैसा होगा। क्योंकि भाजपा की लाख कोशिशों के बावजूद यह बात छिप नहीं पाई है कि आधे-अधूरे मंदिर में श्री मोदी के हाथों प्राण प्रतिष्ठा कराए जाने के पीछे मकसद राजनैतिक लाभ लेना है। इसलिए सरकार की ओर झुके मीडिया ने अपने अखंड कवरेज में बताया कि देश राममय है। लेकिन पूर्वोत्तर में यह माहौल नजर नहीं आया। राहुल गांधी की न्याय यात्रा में असम में लगातार बाधाएं डाली गईं और 22 जनवरी को उन्हें श्री शंकरदेव के मंदिर में प्रवेश करने से बलपूर्वक रोका गया, जिसके बाद श्री गांधी को धरने पर बैठना पड़ा। राहुल गांधी की यात्रा में बाधा खड़ी करने की कोशिशें यह जाहिर कर रही हैं कि भाजपा को राम मंदिर बनाकर भी निश्चिंतता नहीं मिल रही है कि उसे जीत मिल जाएगी। अपने भविष्य को लेकर ऐसी ही अनिश्चिंतताएं अब देश के आम लोगों के सामने भी हैं। भाजपा दावा कर रही है कि अब राम राज्य आ गया है। लेकिन क्या यह गांधी के द्वारा परिभाषित रामराज्य है। 1929 में महात्मा गांधी ने हिन्द स्वराज में लिखा था- राम राज्य से मेरा आशय हिन्दू-राज्य नहीं है। मेरा आश दैवी राज, ईश्वर की सत्ता से है। मेरे लिए राम और रहीम एक ही हैं। मैं किसी भगवान को नहीं मानता, मेरे लिए सत्य और न्याय ही एक मात्र भगवान है। इसी तरह रामचरित मानस लिखने वाले तुलसीदास जी ने लिखा था-

दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहि ब्यापा।
सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती।।

यानी, राम के राज में किसी को शारीरिक, ईश्वरीय और आर्थिक तकलीफ नहीं थी। जनता में आपसी प्रेम था और वे अपने-अपने धर्म का पालन करते हुए जीवन बसर करते थे।

अब ये वक्त बताएगा कि जिस रामराज्य का दावा किया जा रहा है, उसमें लोगों की सारी तकलीफें दूर होंगी, क्या उन्हें न्याय मिलेगा, क्या सही अर्थों में धर्म की स्थापना होगी या देश 1992 की तरह एक और राजनैतिक कर्मकांड का शिकार हो चुका है।

प्रतिष्ठा मूर्ति में प्राण की या हिंदू राज की

प्राण प्रतिष्ठा के साथ, अयोध्या में भव्य राम मंदिर खुल गया है। बेशक, यह मंदिर विशाल और भव्य है, हालांकि उसे और विशाल तथा भव्य बनाए जाने का काम, अभी कई बरस और जारी रह सकता है। बेशक, यह अयोध्या के राम से जुड़े सभी मंदिरों का ही सिरमौर नहीं है, अयोध्या का ही सिरमौर होगा और देश भर में सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण राम मंदिर होगा। जाहिर है कि इस मंदिर की भव्यता में, जिस धूम-धड़ाके के साथ इसका उद्घाटन हुआ है, उससे चार-चांद लग गए हैं। और इस धूम-धड़ाके के केंद्र में है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस उद्घाटन का मुख्य कर्ता होना। यह सवाल करने वाले बहुत गलत भी नहीं हैं कि यह मंदिर राम का है, मोदी का है। मंदिर मोदी का न सही, पर मोदी के राम का जरूर है! यह मंदिर कौशल्या नंदन का या दशरथ सुत का नहीं है, यह मंदिर लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के भ्राता का नहीं है, यह मंदिर सीतापति या मर्यादा पुरुषोत्तम का हर्गिज नहीं है, यह सबसे बढ़कर मोदी के राम का मंदिर है।

मोदी के राम का अर्थ नरेंद्र दामोदार दास मोदी नाम के व्यक्ति के ही राम का नहीं है, वह व्यक्ति भले ही देश के सबसे शक्तिशाली पद पर बैठा हुआ और इसलिए, मंदिर समेत किसी भी चीज के उद्घाटन शिलापट्ट पर अपना नाम नक्श कराने की हैसियत में ही क्यों नहीं हो। मोदी के राम यानी उस पूरी प्रक्रिया के राम, जिसने खुद मोदी को देश में सत्ता के सर्वोच्च पद पर भी पहुंचाया है और उनके माध्यम से अंततः अभूतपूर्व धूम-धड़ाके तथा मान्यता के साथ, इस मंदिर को शब्द के सभी अर्थों में एक वास्तविकता बनाया है। इस पूरी प्रक्रिया का बीज शब्द है, मंदिर का 'वहीं' बनना। इस मंदिर की असली महत्ता इसके राम के जन्म स्थान पर बना मंदिर होने आस्था या राम के बाल रूप का मंदिर होने आदि, आदि में नहीं है। इसकी सबसे ज्यादा महत्ता इस मंदिर के 'वहीं' बनाए जाने के दावे में निहित है। 'वहीं' यानी वहां, जहां बाबरी मस्जिद चार सौ साल से ज्यादा से खड़ी थी, जिसे सबने देखा था। यह दूसरी बात है कि 'वहां' और भी पहले राम जन्म स्थल रहने के दावे छुट-पुट तौर पर ब्रिटिश हुकूमत के दौर में भी किए गए थे और इन दावों ने तब से और जोर पकड़ लिया था, जब 1949 के दिसंबर में एक मध्यरात्रि में मस्जिद का दरवाजा तोड़कर, उसके अंदर रामलला की मूर्ति 'प्रकट' करा दी गई।

इसके बावजूद, यह विवाद करीब ढाई दशक तक, मुख्यतः स्थानीय या ज्यादा से ज्यादा इलाकाई तथा कानूनी विवाद ही बना रहा, सिवा इसके कि मस्जिद पर अतिक्रमणकारी 'हिंदू आस्था' का कब्जा बना रहा, हालांकि मस्जिद में जबरन बना दिया गया कथित मंदिर भी, पुजारी के सिवा आम श्रद्धालुओं के लिए बंद ही रहा; उन्हें जंगले के पार दूर से ही 'दर्शन' करना उपलब्ध था। दूसरी ओर, मुसलमानों के लिए मस्जिद में प्रवेश की पूरी तरह से मनाही कर दी गई। यह स्थिति तब तक चली, जब तक कि 1984 में भाजपा के दो सीटों पर सिमट जाने के बाद, 'गांधीवादी समाजवाद' के उसके नये-नये अपनाए गए मुखौटे को पूरी तरह से दफन ही नहीं कर दिया गया। अब आरएसएस से जुड़े मंचों/ संगठनों ने अयोध्या राम मंदिर के मुद्दे को हवा देने के लिए, यात्राएं निकालनी शुरू कर दीं और अदालती लड़ाई में नयी तेजी आ गई। इसी के सामने और संभवतः इसे जोर पकड़ने से पहले ही निपटा देने की तत्कालीन सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी की सवा-चतुराई में, 1986 में मजिस्ट्रेटी आदेश से मस्जिद में बने कथित मंदिर के दरवाजे लोगों के लिए खुलवा दिए गए।

यहां से घटनाक्रम ने बहुत तेजी पकड़ ली। अब मस्जिद को हटाने की मांग ने जोर पकड़ा। विहिप आदि आरएसएस के अन्य आनुषांगिक संगठनों के बाद, 1988 से उसके राजनीतिक मोर्चे के रूप में भाजपा भी बाकायदा इसकी मांग में शामिल हो गई कि बाबरी मस्जिद को हटाकर, 'वहीं' एक 'भव्य' मंदिर बनाया जाए। यहां से आगे घटनाचक्र और तेजी से घूमा। मस्जिद की जमीन पर किंतु उसकी मुख्य इमारत से जरा हटकर, 'शिलान्यास' के जरिए कंप्रोमाइज की एक और विफल कोशिश हुई। लेकिन, इसने मंदिर के मुद्दे के राजनीतिक उपयोग की भूख को बढ़ाने का ही काम किया। मंडल की काट के लिए 1990 के सितंबर में आडवानी के रथयात्रा पर निकलने और 6 दिसंबर 1992 को कारसेवकों की विशाल भीड़ों को जुटाकर और उस समय उत्तर प्रदेश में मौजूद भाजपा सरकार की मिलीभगत तथा सुप्रीम कोर्ट के साथ धोखेधड़ी से और एक हद तक केंद्र की नरसिम्हा राव सरकार की मूक सहमति से भी, बाबरी मस्जिद के ढहा दिए जाने और 'वहीं' एक अस्थायी मंदिर खड़ा कर दिए जाने के बीच, मुश्किल से दो साल का अंतराल रहा। ऐलान कर के, भीड़ें जुटाकर, सारी दुनिया के देखते-देखते, शासन-प्रशासन को पूरी तरह से पंगु करते हुए, बाबरी मस्जिद का ढहाया जाना, बेशक उस धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था पर सबसे बड़ा प्रहार था, जिसे आजादी की समावेशी लड़ाई से निकले, इस देश ने अपनाया था और संविधान के जरिए बाकायदा स्थापित किया था।

इसके बाद करीब तीन दशक तक जो हुआ, उसे शासन की और उससे बढ़कर न्यायपालिका की मिलीभगत से लेकर अनुमोदन तक से, धर्मनिरपेक्षता व्यवस्था के तकाजों का भीतर-भीतर से खोखला किया जाना ही कहा जाएगा। पहले, तमाम साक्ष्यों तथा सार्वजनिक जानकारियां उपलब्ध होने के बावजूद, कानून के साथ तरह-तरह के खिलवाड़ों के जरिए, मस्जिद के ध्वंस के अपराध को, बिना किसी सजा के बल्कि बिना किसी दोषसिद्धि के ही छोड़ दिया गया। फिर, पुरातात्विक खुदाई के जरिए, इस आधार पर मस्जिद के ढहाए जाने को उचित सिद्ध करने की राह बनाई गई कि, क्या ध्वस्त मस्जिद किसी मंदिर के ऊपर बनाई गई थी? और अंततः अदालतों ने मस्जिद ध्वस्त करने वाले, 'हिंदू पक्ष' की विवादित स्थल पर दावेदारी के पक्ष में फैसले देना शुरू कर दिया। 2010 के सितंबर में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने विवादित 2.77 एकड़ जमीन में से दो हिस्सा हिंदू पक्ष और एक हिस्सा मुस्लिम पक्ष में देने का फैसला सुनाया। इस निर्णय के खिलाफ अपीलों में 2019 के नवंबर में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने जो फैसला सुनाया, उसमें पूरी विवादित भूमि हिंदू पक्ष को दे दी गई और सरकार के लिए इसकी ओट की भी सुविधा जुटा दी गई कि मंदिर तो, अदालत के आदेश से, इसके लिए गठित ट्रस्ट बनाएगा।

राजेंद्र शर्मा

> श्री मोदी ने जिस तरह 'देव से देश' और 'राम से राष्ट्र' तक चेतना के विस्तार की बात बार-बार कही, एक धर्माधारित राष्ट्र/ राज्य के ऐलान के सिवा और कुछ नहीं है। इसे देखते हुए, इसमें हैरानी की रत्तीभर बात नहीं है कि केंद्र तथा राज्यों की भाजपा सरकारों ने, इस आयोजन के सिलसिले में शासन और धर्म को खुलेआम मिला दिया है बल्कि इसे शासन का धर्म ही बना दिया है।

सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला इस माने में खासा बेतुका था कि खुद अदालत ने दो बातें मानी थीं। एक यह कि इसके कोई साक्ष्य नहीं थे कि मस्जिद, किसी मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी। दूसरे, मस्जिद का तोड़ा जाना, एक घनघोर अपराध था। इसके बावजूद, इस घनघोर अपराध के पीछे जो मंशा थी, उसे अदालत के इस फैसले ने इससे जुड़े पक्ष को विवादित जमीन देकर पूरा कर दिया। लेकिन, उक्त मंदिर-मस्जिद विवाद को लेकर, इस पूरे दौर में देश में उत्तरोत्तर बढ़ाई गई बहुसंख्यकवादी-हिंदूवादी राय को देखते हुए और इस आम राय के फलस्वरूप देश में तथा उत्तर प्रदेश समेत अनेक राज्यों में इस विवाद में बहुत पहले से ही एक पक्ष बन चुकी भाजपा के ठस्से से सत्ता में आने से, न्यायपालिका पर बढ़ते दबाव को देखते हुए, इस तरह का बेतुका फैसला आश्चर्यजनक भी नहीं है। यह सिर्फ संयोग ही नहीं है कि मोदी सरकार, जो अब करीब-करीब खुलकर राम मंदिर बनने के श्रेय के लिए दावे कर रही है और 'जो लाए हैं राम को' के नारे लगा रही है तथा पोस्टरों में मोदी को रामलला को उंगली पकड़कर लाते दिखा रही है, 2014 में सत्ता में आने के बाद से ही उच्चतर न्यायपालिका पर नकेल डालने के लिए भिड़ी रही है और उस पर हमेशा सरकार की इच्छा के अनुकूल फैसले न देने के लिए, खुलेआम हमले भी करती रही है। बहरहाल, अगर बाबरी मस्जिद का ध्वंस, भारत की धर्मनिरपेक्षता पर सबसे बड़ा हमला था, तो बाबरी मस्जिद के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का फैसला, भारतीय राज्य की ओर से, न्यायपालिका जिसका बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है, धर्मनिरपेक्षता का बाकायदा त्यागा जाना था।

और 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में और वास्तव में सचेत रूप से देश भर में फैलाकर जो किया गया है, वह धर्मनिरपेक्षता के विधिवत त्याग के बाद का अगला तार्किक कदम है—बहुसंख्यकवादी हिंदुत्ववादी राज यानी हिंदू राज का ऐलान। बेशक, प्रधानमंत्री मोदी ने कथित प्राण प्रतिष्ठा के बाद के अपने संबोधन में उदारता दिखाने की सचेत कोशिश की है। और तो उन्होंने यह याद दिलाने का जिम्मा भी मुख्यमंत्री, आदित्यनाथ पर ही छोड़ दिया कि आखिरकार, राम मंदिर 'वहीं' बना है; उन्होंने बस सैकड़ों साल के संघर्ष, तपस्या आदि के अपेक्षाकृत गोल-मोल हवाले से ही काम चला लिया। और तो और, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रकटतः मंदिरवादियों को ठंडा करने की कोशिश में, उन्हें यह भी याद दिलाया कि यह विजय का ही नहीं, विनय का भी समय है! लेकिन, प्रधानमंत्री के संबोधन की कम से कम दो बातों से एकदम साफ था कि अब उनसे एक हिंदू राज के प्रमुख के आचरण की ही अपेक्षा की जाए। एक तो प्रधानमंत्री ने कश्मीर के मामले में उनके शासन द्वारा बार-बार सुनाए जाने वाले इस टॉन्ट को इस मामले में पूरे देश के लिए और संभवतः उनके हिसाब से मुस्लिम अल्पसंख्यकों के लिए दोहराया कि कहा जाता था कि अयोध्या में मंदिर बना तो आग लग जाएगी, पर कुछ भी नहीं हुआ! दूसरे, श्री मोदी ने जिस तरह 'देव से देश' और 'राम से राष्ट्र' तक चेतना के विस्तार की बात बार-बार कही, एक धर्माधारित राष्ट्र/ राज्य के ऐलान के सिवा और कुछ नहीं है। इसे देखते हुए, इसमें हैरानी की रत्तीभर बात नहीं है कि केंद्र तथा राज्यों की भाजपा सरकारों ने, इस आयोजन के सिलसिले में शासन और धर्म को खुलेआम मिला दिया है बल्कि इसे शासन का धर्म ही बना दिया है। नहीं राष्ट्रपति मुर्मू जी, आप सही नहीं हैं। 'हम सब अपने राष्ट्र के पुनरुत्थान के एक नये काल-चक्र के शुभारम्भ के साक्षी' हर्गिज नहीं बन रहे हैं। फिलहाल तो हम धर्मनिरपेक्ष भारत के पीछे हिंदू राज में खिसकने के ही साक्षी बन रहे हैं। हां! देश की जनता ही अगर पहले ही मौके पर इस काल चक्र को पलट दे तो बात दूसरी है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

भाजपा ने बनाया राम मंदिर को राजनीतिक मुद्दा

■ के रवीन्द्रन

1996 के बाद से प्रत्येक भाजपा घोषणापत्र में, अयोध्या में एक भव्य राम मंदिर के निर्माण का वादा किया गया था। इसलिए यह उम्मीद करना नादानी होगी कि पार्टी 22 जनवरी को भव्यता वाले बिल्कुल नये राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का राजनीतिक लाभ नहीं उठायेगी, खासकर उस समय जब कुछ ही महीने दूर अप्रैल-मई 2024 में महत्वपूर्ण संसदीय चुनाव होंगे। इसके बारे में कोई कुछ नहीं कर सकता है और यह विपक्षी दलों के सामने आने वाली दुविधा को अच्छी तरह से समझाता है।

'अयोध्या में जन्मस्थान पर भव्य श्री राम मंदिर' का पहला संदर्भ 1996 में पार्टी के घोषणापत्र में किया गया था, जिसमें 'भारत माता' को श्रद्धांजलि के रूप में मंदिर के निर्माण की सुविधा देने का वायदा किया गया था। 'यह सपना हमारे देश के लाखों लोगों को प्रेरित करता है' - घोषणापत्र में कहा गया यह जोड़ते हुए कि राम की अवधारणा उनकी चेतना के मूल में है।

1998 में, पार्टी ने यह वायदा दोहराते हुए घोषणा की कि पार्टी मंदिर के निर्माण की सुविधा के लिए सभी सहमतिपूर्ण, कानूनी और संवैधानिक तरीकों का पता लगायेगी, और इस बात पर बल देकर कहा गया कि श्रीराम भारतीय चेतना के मूल में हैं। हालांकि, कुछ अजीब कारणों से, 1999 में जारी एनडीए घोषणापत्र में अयोध्या मुद्दे का कोई संदर्भ नहीं था।

2004 के घोषणापत्र ने मंदिर निर्माण के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई और इस बात पर जोर दिया गया कि कैसे राम भारत के एक प्रेरणादायक सांस्कृतिक प्रतीक हैं और अयोध्या करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं से जुड़ा है।

2009 में, भाजपा ने मंदिर के निर्माण को सुविधाजनक बनाने के लिए बातचीत और न्यायिक कार्रवाई सहित सभी संभावनाओं का पता लगाने का फिर वायदा किया था और कहा था कि रामजी के जन्म स्थान पर एक भव्य मंदिर बनाने के लिए भारत और विदेशों में लोगों की जबरदस्त इच्छा है। अयोध्या में श्री राम के मंदिर के बारे में 2014 और 2019 के घोषणापत्रों में भी यही बातें कही गई थीं, लेकिन उस समय तक ऐसे संकेत मिल चुके थे कि राम मंदिर का मुद्दा राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में अभूतपूर्व रूप से तूल पकड़ रहा है।

भाजपा की तरह, भारत का हर राजनीतिक दल इस तथ्य से अवगत है कि राम भारतीय मानस और संस्कृति में गहराई से बसे हुए हैं और उन्होंने इसका उपयोग राजनीतिक पूंजी बनाने के लिए करने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री के रूप में दिवंगत पी वीनरसिम्हा राव को अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विवादास्पद विध्वंस के बाद राम मंदिर के निर्माण का समर्थन करने के लिए जाना जाता है। राव ने मंदिर के निर्माण के लिए संतों के एक पैनल, तथाकथित रामालयम ट्रस्ट के गठन की पहल की थी।

उन्होंने ट्रस्ट की परिकल्पना की थी कि इसमें पुरी, श्रृंगेरी, कांची, द्वारका और बद्रीनाथ के शंकराचार्य, रामानुजाचार्य संप्रदाय के अनुयायी तमिलनाडु और आंध्र के जीयर, उत्तर के श्री वैष्णव संत, द्वैत संप्रदाय के उडुपी और उत्तरादिमठ के संत, वल्लभाचार्य सम्प्रदाय के गुरुजी आदि शामिल होंगे। गौड़ीय और श्री चैतन्य परंपरा और अयोध्या के हनुमान गढ़ी और लक्ष्मण गढ़ी के महंत भी उसमें शामिल होंगे। लेकिन यह योजना असामयिक रूप से समाप्त हो गई क्योंकि राव चुनाव के बाद सत्ता में वापस आने में विफल रहे। यह भी ध्यान देने योग्य है कि राम मंदिर का शिलान्यास, हालांकि आरएसएस और भाजपा तत्वों द्वारा किया गया था, जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे। इससे पहले राजीव गांधी की सरकार ने 1985 में बाबरी मस्जिद के ताले खोलने का फैसला किया था, इस फैसले से कांग्रेस पार्टी की भूमिका और इरादों को लेकर बड़ा विवाद हुआ था।

> भाजपा इस बात से भली-भांति परिचित है कि राम भारतीय संस्कृति में गहराई से रचे-बसे हैं और इसलिए वह प्रतिष्ठा समारोह से मिले इस अनूठे अवसर को हाथ से जाने नहीं देना चाहती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस आयोजन को लेकर जिस तरह से रुख अपनाया है, उससे इसके धार्मिक और राजनीतिक पहलुओं के बीच अंतर करना बेहद मुश्किल हो गया है। स्थिति की जटिलता ने विपक्षी दलों के पास कोई आसान विकल्प नहीं छोड़ा है।

जाहिर है, भाजपा इस बात से भली-भांति परिचित है कि राम भारतीय संस्कृति में गहराई से रचे-बसे हैं और इसलिए वह प्रतिष्ठा समारोह से मिले इस अनूठे अवसर को हाथ से जाने नहीं देना चाहती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस आयोजन को लेकर जिस तरह से रुख अपनाया है, उससे इसके धार्मिक और राजनीतिक पहलुओं के बीच अंतर करना बेहद मुश्किल हो गया है। स्थिति की जटिलता ने विपक्षी दलों के पास कोई आसान विकल्प नहीं छोड़ा है। वे राम मंदिर को अस्वीकार नहीं कर सकते क्योंकि यह एक धार्मिक मुद्दे से कहीं अधिक है, और साथ ही वे इसके अभिषेक से जुड़े हुए नहीं दिखना चाहते हैं, जिसका मतलब होगा भाजपा को सारी महिमा और राजनीतिक पूंजी एक थाली में सजाकर पेश करना।

यह कांग्रेस सहित प्रमुख विपक्षी दलों के सामने आने वाली वास्तविक दुविधा को स्पष्ट करता है। इसलिए, हर नेता इस बात पर जोर दे रहा है कि राम सबके हैं और भाजपा के पास कोई पेटेंट या स्वामित्व नहीं है। इसलिए, वे इस अवसर पर या तो अन्य मंदिरों का दौरा करके या वास्तव में कार्यक्रम होने के बाद नये मंदिर की यात्रा की योजना की घोषणा करके राम मंदिर के साथ-साथ भगवान राम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने के तरीकों की खोज कर तैयारी कर रहे हैं।

पावन प्रसंग

स्थितप्रज्ञ के लक्षण

शास्त्रों में परम आनंद की, परमात्मा की प्राप्ति के विभिन्न साधन बताए गए हैं। ज्ञानयोग, कर्मयोग भक्ति योग, मंत्रयोग. हठयोग आदि परम आनंद की प्राप्ति के ही विभिन्न साधन है, मार्ग है, उपाय हैं। अपनी रुचि व प्रकृति के अनुसार इनमें से किसी भी साधन का, उपाय का, मार्ग का अवलंबन, अनुगमन, अनुसरण कर हमने उस परम लक्ष्य को प्राप्त किया था, परम आनंद को प्राप्त किया था। इन योग साधनों के अभ्यास से जब व्यक्ति का मन निर्मल हो जाता है, तब उसकी आत्मा में ही परमात्मा प्रकट हो जाते हैं। आत्मा में परमात्मा के प्रकट होते ही साधक को सर्वत्र परमात्मा के दर्शन होने लगते हैं। उसे पल-पल परमात्मा की उपस्थिति की अनुभूति होने लगती है। परमात्मा के प्रकट होते ही साधक की प्रकृति बदल जाती है। उसका स्वभाव बदल जाता है। जब बात स्वभाव की आती है तो जिज्ञासा होती है कि परमात्मा को प्राप्त हुआ व्यक्ति कैसे बोलता है? कैसे व्यवहार करता है? वह कैसा दिखता है? कैसे चलता है ऐसे ही कुछ प्रश्न अध्यात्म प्रेमियों, जिज्ञासुओं में सहज ही उत्पन्न होते हैं।

अर्जुन के मन में भी कुछ ऐसे ही प्रश्न उठे थे इसलिए अर्जुन ने गीता के दूसरे अध्याय 54 से 72वें श्लोक में भगवान से कुछ ऐसे ही प्रश्व किए थे और भगवान ने इन प्रश्नों के उत्तर भी दिए। अर्जुन बोले-हे केशव! समाधि में स्थित परमात्मा को प्राप्त हुए स्थिरबुद्धि पुरुष के क्या लक्षण हैं? वह कैसे बोलता है कैसे बैठता और कैसे चलता है?

तब श्रीभगवान बोले- हे अर्जुन! जिस काल में यह पुरुष मन में स्थित संपूर्ण कामनाओं को भलीभांति त्याग देता है और आत्मा से आत्मा में ही संुतष्ट रहता है उस काल में वह स्थितप्रज्ञ कहा जाता है। दुखों की प्राप्ति होने पर उसके मन में उद्वेग नहीं होता, सुखों की प्राप्ति में भी सर्वथा निस्पृह होता है उसके राग-द्वेष, भय, क्रोध मिट जाते हैं।' वह शुभ या अशुभ वस्तु को पाकर न हर्षित होता है न ही दुखी होता है। जैसे कछुआ सब ओर से अपने अंगों को समेट लेता है; वैसे ही वह इंद्रियों के विषयों से अपनी इंद्रियों को सब प्रकार के भोग से हटा लेता है। परमात्मा का साक्षात्कार कर लेने पर विषयों के प्रति उसकी आसक्ति समाप्त हो जाती है।' भगवान श्रीकृष्ण आगे बोले- इसलिए हे अर्जुन! साधक को चाहिए कि वह संपूर्ण इंद्रियों को वश में करके मेरे परायण होकर ध्यान में बैठे; क्योंकि जिस पुरुष की इंद्रियां वश में होती हैं, उसी की बुद्धि स्थिर हो पाती है। विषयों का चिंतन करने वाले पुरुष की उन विषयों में आसक्ति हो जाती है और उन विषयों की प्राप्ति में बाधा पड़ने से वह क्रोधित हो उठता है फिर क्रोध से उसमें मूढ़ भाव उत्पन्न होता है।

फिर अंतःकरण की प्रसन्नता होते ही उसके संपूर्ण दुखों का नाश हो जाता है। फिर उस प्रसन्नचित्त वाले पुरुष की बुद्धि सब ओर से हटकर शीघ्र ही परमात्महा में भलीभांति स्थिर हो जाती है।' हे महाबाहो, जिस पुरुष की इंद्रियों के विषयों से सब प्रकार निग्रह की हुई है, उसी की बुद्धि स्थिर हैऔर जिसकी बुद्धि स्थिर है वही परमात्मा के ध्यान में उतर सकता है। डूब सकता है, मिट सकता है। संपूर्ण प्राणियों के लिए जो रात्रि के समान है, वही नित्य ज्ञानस्वरूप व परमानंद परमात्मा की प्राप्ति के दिवस के समान है। जिन नाशवान व सांसारिक सुखों की प्राप्ति में सभी प्राणी जागते हैं, तो वहां परमात्मा को तत्व से जानने वाले मुनि के लिए, ऋषि के लिए साधक के लिए वह रात्रि के समान है। जैसे नाना नदियों के जल सब ओर से परिपूर्ण व अचल प्रतिष्ठा वाले समुद्र में उसको (समुद्र को) विचलित किए बिना ही उसमें समा जाते हैं, वैसे ही सभी प्रकार के भोग परमात्मा को प्राप्त स्थितप्रज्ञ पुरुष को बिना विचलित किए ही उसमें समा जाते हैं वही पुरुष शांति को प्राप्त होता है। भोगों को चाहने वाला नहीं जो पुरुष संपूर्ण कामनाओं को त्यागकर ममतारहित, अहंकाररहित, आसक्तिरहित हो विचरता है, वही शांति को प्राप्त होता है अर्थात वह शांति को प्राप्त होता है।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

अयोध्या मन्दिर में बिराजमान हुए रघुराई, दुनिया मे उत्साह पारावार

जिन भगवान के गुणों की स्तुति गणधरों ने की है किंतु उनके अनंतानंत गुणों का पार गणधर भी नहीं पा सके तो साधारण मनुष्य कैसे पा सकते है। उनके गुण हमारी बुद्धि के अगम्य हैं। जैसे आकाश अनन्त है वैसे ही भगवान के गुण भी अनन्त है। समुद्र के समान स्याही का ढेर हो, कल्पवृक्ष की लेखनी हो और पृथ्वी जितना बड़ा कागज हो तथा लिखने वाली स्वयं सरस्वती हो वह भी पल्योपम सागरोपम तक लिखती रहे तब भी भगवान राम के गुणों का अंत नहीं हो सकता। कहा भी है -हरि अनन्त हरि कथा अनन्ता। रघुराई मन्दिर में बिराजमान हो गए। दुनिया में उत्साह और उन्माद की चरम सीमा की पराकाष्ठा को निहाला। सूर्य की किरणें जब कमल पर गिरती है तो कमल विकसित हो जाता है। वह अपनी महक चारो और बिखेर देता है। हर जगह देश दुनिया में भगवान की स्तुति की गई। राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर दुनिया अधीर नजर आई थी। राम को हुए सहस्त्राब्दियां गुजर चुकी है। आज भी राम का पवित्र नाम हर एक के पवित्र मन में समया हुआ है। लोगों ने जी भरकर उत्साह मनाया। नृत्य,भजन और शोभायात्रा से जीवन में आस्था के पुष्प नवपल्लव किया। याद उन्हीं को किया जाता है जिन्होंने सम्यक प्रकार से संपादित किया है। राम का कृतित्व और व्यक्तित्व सचमुच अदभुत था। राम अनुपमेय है। राम का अनुकरण वर्तमान परिस्थितियों में नितांत आवश्यक है। भीतर बाहर उजाला करने वाले राम की प्राणप्रतिष्ठा दुनिया में छिपी दीनता का नाश करेगा। रामभक्तों की मलिनता मिटेगी और अब उनकी स्तुति से समृद्धि आएगी। राम के नाम का स्मरण करके अतीत में अनेकों ने अपने जीवन में सिद्धियां प्राप्त की हैं। हमें राम की प्रतिष्ठा के पश्चात स्वयं जुड़ना पड़ेगा। इसके लिए श्रद्धा की आवश्यकता है। अयोध्या का राजाराम ने बटाऊ की तरह त्याग दिया। राम का राज्य बटाऊ की नाई त्याग कर वन को चले गये। जो व्यक्ति भौतिक सुखों और व्यक्तियों को राम की तरह अनासक्त भाव से माने तो जीवन में रामत्व उतर आएगा और दुनिया की कोई परिस्थिति रामभक्त को परेशान नहीं कर सकेगी। अब जो भी मांगना है राम से मांगिये सभी मनोरथ पूर्ण होगा। लेकिन बाहरी चमक दमक को त्याग कर राम का आकर्षण ही राम से प्रीत कराना सिखाता है। जीवन के उपवन में सुख और शांति के सुमन खिले तो कैसे खिले? रेत को पेर कर तेल नहीं मिल सकता। पानी का बिलौना करके नवनीत प्राप्त करने की परिकल्पना भूल में ही हास्यास्पद है। भौतिक दृष्टि से इस संसार में कोई कितनी ही गति प्रगति क्यों न कर ले,जीवन में जब तक अध्यात्म का समावेश नही हो सकता। तब तक व्यक्ति अंतर बाह्य तनावों से मुक्त नहीं बन सकता है। अब राम आए हैं हम स्तुति कर मनोकामना पूर्ति कर सकते हैं।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

चीन में भूस्खलन से दो लोगों की मौत

कुनमिंग। चीन के युन्नान प्रांत में भूस्खलन के बाद लापता बताए गए दो लोगों को ढूंढ लिया गया और उनके मृत होने की पुष्टि की गयी। स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सोमवार सुबह करीब छह बजे झाओटोंग शहर के लियांगशुई गांव में भूस्खलन हुआ, जिसके कारण 47 लोग लापता हो गये। करीब 33 अग्निशमन वाहनों और 10 लोडिंग मशीनों के साथ 200 से अधिक बचावकर्मी लापता लोगों की तलाश के लिए मलबे की तलाशी ले रहे हैं। करीब 200 से अधिक निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

इजराइल के मेजर जनरल नोम टिबोन बोले

बंधकों की अदला-बदली पर हमास के साथ बातचीत करने का समय

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। इजरायली मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, देश के मेजर जनरल नोम टिबोन ने कहा है कि इजरायलियों को वापस लाने के लिए संभावित बंधक समझौते पर हमास के साथ बातचीत करने का समय आ गया है।

नोम टिबोन ने एक इजरायली सार्वजनिक रेडियो स्टेशन को बताया, अब उन्हें वापस लाने का समय आ गया है। नहीं तो वो सभी ताबूत में आएंगे या बिल्कुल नहीं आएंगे।

टिबोन ने कहा, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए इजराइल के नागरिकों को एक संदेश देंगे कि वे एक असुरक्षित देश में रहते हैं। उन माताओं को भी एक संदेश देंगे जो अपने बच्चों को सेना में भेजते हैं कि यदि आपके बच्चे को कैद कर लिया जाता है, तो वह शायद वापस नहीं आएगा। इससे पहले, हमास और इज़राइल के बीच पिछले साल 24 नवंबर से 1 दिसंबर तक एक सप्ताह का युद्धविराम हुआ था जिसमें दोनों पक्षों ने कैदियों की अदला-बदली की थी। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल के दक्षिणी हिस्सों पर हमला कर कम से कम 1200 लोगों की हत्या कर दी थी और 200 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया था। परस्पर विरोधी पक्षों के बीच एक सप्ताह के संघर्ष विराम के दौरान हमास ने 105 इजरायली बंधकों को भी रिहा कर दिया।

हमास के खिलाफ होगी पूरी तरह जीत : नेतन्याहू

नई दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजरायल हमास के खिलाफ पूरी तरह जीत हासिल करेगा। नेतन्याहू ने कहा, इजरायल पूरी तरह से जीत हासिल करेगा जिसके बाद गाजा में कोई भी इकाई नहीं होगी ,जो आतंकवाद को वित्तपोषित करती हो, आतंकवाद के लिए शिक्षा देती हो या आतंक फैलाती हो। उन्होंने कहा कि इजराइल ने 110 बंधकों को छुड़ाया है और उन सभी को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

गाजा पर इजरायली बमबारी में 40 लोग मारे गए

गाजा। दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस शहर पर सोमवार को इजरायल की ओर से किये गये लगातार बमबारी में कम से कम 40 फिलिस्तीनी मारे गए। आधिकारिक फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने यह जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि शहर के पश्चिमी इलाकों पर इजरायली युद्धक विमानों और तोपखाने की ओर से हिंसक बमबारी की गई। इस दौरान फिलिस्तीनी आतंकवादियों हमास और इजरायली सेना के बीच भीषण लड़ाई हुई। उन्होंने कहा कि उन क्षेत्रों में हजारों विस्थापित फिलिस्तीनी रहते हैं। गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में फिलीस्तीनियों मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 25,295 हो गया है। मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में कहा कि इजरायली सेना के हमलों में पिछले 24 घंटों के दौरान 190 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और अन्य 340 घायल हो गए हैं। बयान में कहा गया है कि इजरायल-हमास के बीच युद्ध सात अक्टूबर, 2023 को शुरू हुआ था।

पाकिस्तान, सऊदी अरब ने संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण आयोजित किया

इस्लामाबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत के ओकारा जिले में रविवार को पाकिस्तानी सेना और रॉयल सऊदी लैंड फोर्सेज के बीच एक संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण शुरू हुआ। पाकिस्तानी सेना ने यह जानकारी दी।

पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तानी सेना के मुल्तान कोर द्वारा ओकारा गैरीसन में आयोजित प्रशिक्षण के उद्घाटन पर दोनों देशों की टुकड़ियों ने उल्लेखनीय सैन्य अभ्यास का प्रदर्शन किया। इसमें कहा गया है कि संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से दोनों देशों के सैनिकों को कक्षा सत्रों और सामूहिक युद्ध कौशल में अपने कौशल को निखारने का अवसर मिलेगा। आईएसपीआर के अनुसार, उद्घाटन समारोह के अंत में दोनों पक्षों के अधिकारियों और सैनिकों को संयुक्त प्रशिक्षण के बैज लगाए गए।

सुडोकू 6445

	2					3		
				1	3		6	
		1				4	7	
		5	4					7
4	1		7		6		3	5
3					5	6		
	9	6				7		
	5		8	9				
		2					9	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 23 जनवरी , 2024 पौष शुक्ल पक्ष 12

राशिफल

मेष -आपके विचार स्थिर नहीं होने से आप उलझन में रह सकते हैं। बिजनेस या नौकरी में प्रतियोगिता का माहौल रहेगा। आप सफलतापूर्वक उसमें से बाहर आ सकेंगे। नए काम शुरू करने की प्रेरणा मिलेगी।

वृषभ -आपका मन उलझन में होने के कारण किसी ठोस निर्णय पर नहीं पहुंच पाएंगे। आप प्राप्त अवसर को खो देंगे। आपकी जिद के कारण किसी के साथ विवाद हो सकता है।

मिथुन -आज आपको लाभ होने की उम्मीद है। दिन आरंभ होते ही आपको स्फूर्ति और ताजगी का अनुभव होगा। मित्रों और सगे- सम्बंधियों के साथ स्वादिष्ट भोजन कर सकेंगे।

कर्क -परिवार में मनमुटाव के अवसर आएंगे, इसलिए मानसिक बेचैनी रहेगी। मन में दुविधा का अनुभव होगा, इसलिए महत्वपूर्ण निर्णय टालना हितकर है। किसी के साथ गलतफहमी या वाद-विवाद होने की संभावना है।

सिंह -आज आपको विविध लाभ मिल सकते हैं। आपकी दुविधापूर्ण मानसिकता के कारण किसी लाभ से वंचित रह सकते हैं। आपको मित्रों और बुजुर्गों से लाभ होगा। नौकरी या बिजनेस में पदोन्नति तथा आय में वृद्धि हो सकती है।

कन्या -नए काम का आरंभ करने के लिए अपने जो योजना बनाई है, उस पर अमल करने के लिए यह समय बहुत अनुकूल है। बिजनेस में भी लाभ होने का योग है। नौकरी करने वाले लोगों की पदोन्नति का योग है।

तुला -आज आप प्रवास या किसी देव स्थान पर जा सकते हैं। जो लोग विदेश जाने के इच्छुक हैं, उनके लिए अनुकूल योग बनेंगे। बच्चों की चिंता परेशान करेगी। नौकरी करने वालों को उनके उच्च अधिकारियों का सहयोग नहीं प्राप्त होगा।

वृश्चिक -आपको पेट दर्द, दमा, खांसी जैसी तकलीफें हो सकती हैं, इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शरीर और मन अस्वस्थ रहने से बेचैनी रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखना पड़ेगा। कड़े नियम आपको कठिनाई में डाल देंगे। खर्च बढ़ सकता है।

धनु -आज खुशी, आनंद और शांति प्राप्त कर सकेंगे। अच्छे वस्त्र, मित्रों के साथ घूमना- फिरना और स्वादिष्ट भोजन आपके दिन को आनंदमय बनाएंगे। सार्वजनिक जीवन में आप प्रतिष्ठा और सम्मान प्राप्त कर सकेंगे।

मकर -आपकी तंदुरुस्ती आज अच्छी रहेगी। आप मान- सम्मान तथा आनंद प्राप्त कर सकेंगे। पारिवारिक सदस्यों के साथ मौज-मस्ती में समय बिताएंगे। आज व्यापार धंधे में अच्छा लाभ हो सकेगा। आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

कुंभ -आपका दिन मिश्र फलदायक साबित होगा। विचारों के उथल-पुथल के कारण कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लेना अधिक अच्छा है। प्रवास या यात्रा में विघ्न आ सकता है। इच्छित कार्य पूरा न होने पर आप हताशा और बेचैनी अनुभव करेंगे।

मीन -आज आप में ताजगी और स्फूर्ति का आभाव रहेगा। माता की तबीयत खराब हो सकती है। परिजनों के साथ नाराजगी और अन्य कठिनाइयां आपके मन को भयभीत कर देंगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

मस्क ने बाइडेन को वोट देने की संभावना से किया इनकार

वाशिंगटन, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी उद्यमी और अरबपति एलन मस्क ने 2024 के चुनाव में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए मतदान करने की संभावना से इनकार किया है। श्री मस्क ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मैं इस बार खुद को श्री बाइडेन के लिए वोट करते हुए नहीं देख सकता। अमेरिकी अरबपति ने 2023 में सीएनबीसी को एक साक्षात्कार देते हुए अपने एक वीडियो के तहत टिप्पणी लिखी है, जिसमें उन्होंने कहा है कि वह 'सामान्य ज्ञान वाले एक सामान्य व्यक्ति' को नए अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में देखना चाहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पांच नवंबर को होंगे। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत निक्की हेली रिपब्लिकन पार्टी से उम्मीदवार के रूप में नामांकन के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अप्रैल 2023 में डेमोक्रेटिक पार्टी से पुनर्निर्वाचन के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की।

चीन में भूस्खलन , 47 लोग दबे

■ 200 से अधिक निवासियों को मलबों से निकाला गया

कुनमिंग, 22 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिणी पश्चिम चीन के युन्नान प्रांत में सोमवार तड़के भूस्खलन से कुल 47 लोग दब गए। आपदा राहत मुख्यालय के मुताबिक 05:51 बजे झाओटोंग शहर के तांगफैंग टाउन के लियांगशुई गांव में हुए भूस्खलन के बाद 33 अग्निशमन वाहनों और 10 लोडिंग मशीनों के साथ 200 से अधिक बचावकर्मी लापता लोगों की खोज कर रहे हैं। अब तक 200 से अधिक निवासियों को मलबों से निकाला गया है।

स्थानीय मौसम विभाग ने मंगलवार को शहर में हल्का हिमपात होने तथा न्यूनतम तापमान शून्य से तीन डिग्री सेल्सियस नीचे पहुंचने का अनुमान जताया है।

श्रीलंका में गोलीबारी की घटना में पांच लोगों की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत बेलिएट्टा में सोमवार सुबह गोलीबारी की एक घटना में पांच लोगों की मौत हो गयी। श्रीलंका पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता निहाल थल्दुवा ने कहा कि यह घटना दक्षिणी एक्सप्रेसवे पर बेलिएट्टा इंटरचेंज के पास हुई। उन्होंने बताया कि गोलीबारी की घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि गोलीबारी स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 7:45 बजे हुयी। यह घटना उस समय घटी जब एक अज्ञात समूह ने जीप में सवार दूसरे समूह पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। पुलिस ने आशंका जतायी है कि गोलीबारी की घटना को संगठित आपराधिक गिरोह के सदस्यों ने अंजाम दिया है। श्रीलंका ने मादक पदार्थों की तस्करी और संगठित आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए 17 दिसंबर से एक अभियान शुरू किया है, जिसमें पिछले सप्ताह तक 40,000 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

डोनेट्स्क में यूक्रेन की गोलाबारी में 27 की मौत

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। यूक्रेन की सेना ने रविवार को डोनेट्स्क के पश्चिम में एक बाजार पर बड़ा हमला किया, जिसमें कम से कम 27 लोग मारे गए और 25 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रूस की टीएएसएस समाचार एजेंसी ने डोनेट्स्क के स्थानीय अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि जब यूक्रेन की ओर से गोले दागे गए तो बाजार में भीड़ थी। रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि घायलों में से 18 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से ज्यादातर की हालत गंभीर है। घायलों में से कई को गंभीर चोटें आईं। संयुक्त राष्ट्र में रूसी मिशन ने घोषणा की कि इस घटना पर सोमवार को सुरक्षा परिषद की बैठक में चर्चा की जाएगी। रूसी विदेश मंत्रालय इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रमों में उठाने की भी योजना बना रहा है, जहां रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव मौजूद रहेंगे।

ईरान में सैनिक ने 5 साथियों की हत्या की, गिरफ्तार

तेहरान, 22 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिणपूर्वी ईरान में रविवार शाम पांच साथियों की हत्या करने और अन्य दो को घायल करने वाला सैनिक गिरफ्तार कर लिया गया है। ईरानी सेना के एक कमांडर ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सेना के दक्षिणपूर्व मुख्यालय के कमांडर अमीर घोलामालियान ने कहा, सैनिक अपनी यूनिट की सुरक्षा के लिए ड्यूटी पर था, बैरक के शयनगृह में घुस गया, जहां उसके साथी आराम कर रहे थे, और उन पर गोलियां चला दीं। कमांडर ने कहा कि घटना स्थानीय समयानुसार साढ़े चार बजे दक्षिण-पूर्वी ईरानी प्रांत करमान के बागिन शहर में हुई, उन्होंने बताया कि मकसद का पता लगाने के लिए पूछताछ जारी है। फ़ार्स समाचार एजेंसी के अनुसार, शूटर को सोमवार सुबह उसी प्रांत के ज़रांद काउंटी में गिरफ्तार किया गया, जब वह छह मैगजीन, 180 गोलियां और दो कलाश्निकोव राइफलें ले जा रहा था। इसमें कहा गया है कि 20 वर्षीय व्यक्ति ने भागने के लिए दो वाहन चुराए थे।

कतर, रूस ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

मॉस्को। कतर के शासक तमीम बिन हमद अल थानी ने द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए रूस के तातारस्तान गणराज्य के प्रमुख रुस्तम मिन्निकानोव से मुलाकात की है। कतर के शासक के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अमीर तमीम बिन हमद अल थानी ने लुसैल पैलेस में अपने कार्यालय में तातारस्तान गणराज्य के प्रमुख रुस्तम मिन्निकानोव का स्वागत किया। बयान में कहा गया है कि बैठक के दौरान दोनो पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों और उन्हें मजबूत करने तथा विकसित करने के तरीकों की समीक्षा की और आपसी हित के कई विषयों पर भी चर्चा की।

वर्ग पहेली 6445

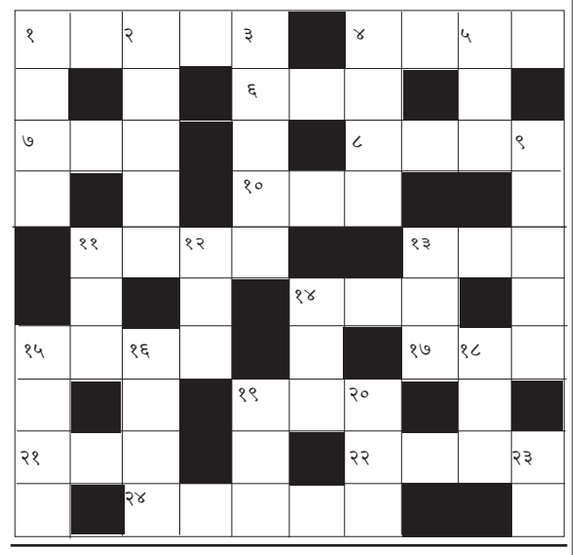

बायें से दायें:-

१. विवाह की एक रस्म
४. निरपराध,निर्दोष (उर्दू)
६. छुटकारा, मुक्ति (उर्दू)
७. जन्म देना,जनन
८. धनी, समृद्ध
१०. दहाड़
११. वीरान, निर्जन
१३. शिशु की अवस्था, बाल्यकाल
१४. ढीला, सुस्त
१५. चौकन्नापन, जागरुकता
१७. कबीर के पदों का संग्रह
१८. ध्वनि, शब्द
२१. बाजगरी
२२. गणेश
२४. राजा, सम्राट (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. निस्तेज, मुरझाया हुआ
२. झूठी बात
३. विवाह करना
४. जो लेन-देन के मामले में खरा न हो (उर्दू)
५. नाव खेने वाला, नाविक (उर्दू)
९. खून बढ़ाने वाला
११. कमल
१२. राहित्य
१३. पार्वती, पर्वतपुत्री
१४. उलाहना (उर्दू)
१५. सर्वविदित, सबके सामने (उर्दू)
१६. बड़ा हाथी
१८. डांट, फटकार
१९. दखलंदाजी
२०. स्थान (उर्दू)
२३. देवदूत (उर्दू)

वर्ग पहेली-6444

१ त	फ	२ सी	ल		३ फ	जी	४ ह	त
क		र		५ अ	प्स	रा		त्या	
६ रा	ह	त	क	ना		७ ग	ज	रा	८ ज
र				९ वृ	त्तां	त			न
	१० स	म्मि	११ लि	त			१२ आ	तं	क
	फ		ख		१३ हू	ब	हू		ल्या
१४ सु	ल	१५ झ	ना		क		१६ त	१७ रू	ण
हा		ल		१८ ज	ना	१९ ब		स	
२० ग	तां	क		न		२१ ना	ग	वा	२२ र
न		२३ ना	म	क	मा	ना			जा

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

मौसम | घाटी में न्यूनतम तापमान में आई गिरावट

कश्मीर घाटी में पड़ रही कड़ाके की ठंड

श्रीनगर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के कश्मीर घाटी में कड़ाके की ठंड जारी है और न्यूनतम तापमान ओर भी नीचे गिरने से शीत लहर का प्रकोप तेज हो गया है। श्रीनगर में सोमवार को न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 5.3 डिग्री सेल्सियस और पहलगाम में शून्य से नीचे 6.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा और शोपियां जिले सबसे ज्यादा ठंड रही, जहां आज न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने कहा कि शहर में तापमान सामान्य शून्य से नीचे 2.3 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 3.0 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। शुष्क मौसम की स्थिति के बीच श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अन्य हिस्सों में दिन में गर्मी जैसा मौसम का अहसास किया जा रहा है, क्योंकि सर्दियों के 'चिलिया कलां' में सूरज दिखाई देता है। श्रीनगर में एक दिन पहले अधिकतम तापमान 13.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य के 6.9 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 6.1 डिग्री सेल्सियस अधिक था। पर्यटन स्थल पहलगाम सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां पिछली रात के तापमान शून्य से नीचे 6.5 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले शून्य से नीचे 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर में चरवाहों की घाटी में यह अभी भी सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस ऊपर था। श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर काजीगुंड का तापमान एक दिन पहले के शून्य से नीचे 5.0 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले शून्य से 5.2 डिग्री सेल्सियस नीचे रिकॉर्ड किया गया। जबकि दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग में पिकनिक स्पॉट पर न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पिछली रात यह तापमान शून्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था।

■ पहलगाम में शून्य से नीचे 6.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया न्यूनतम तापमान

गुलमर्ग में रात के तापमान में थोड़ा सुधार हुआ, पिछली रात के शून्य से नीचे 5.0 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले आज यह शून्य से नीचे 4.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं उत्तरी कश्मीर के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट के लिए यह सामान्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहा था।

कुपवाड़ा में तापमान पिछले दिन के शून्य से नीचे 5.7 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले शून्य से 6.0 डिग्री सेल्सियस नीचे तक गिर गया। मौसम कार्यालय के अनुसार इस मौसम के दौरान सीमांत कश्मीर में यह तापमान सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस कम था। मौसम कार्यालय ने एक रिपोर्ट जारी कर बताया कि शुष्क मौसम 24 जनवरी तक जारी रहेगा।

आज का इतिहास

1474 - पेंटाट्यूच यहूदियों की पवित्र पुस्तकें पहली बार प्रिंट की गईं। ये मूसा की बनाई पांच पुस्तकें थीं।
1565 - टेलीकोटा की लड़ाई के बाद संपन्न हिन्दू साम्राज्य विजयवाड़ा का पतन हो गया।
1664 - शिवाजी के पिता शाहूजी का निधन हो गया।
1897 - भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूंकने वाले सुभाष चंद्र बोस का जन्म हुआ।
1920 - वायु परिवहन और वायु डाक सेवा की शुरुआत।
1926 - महाराष्ट्र की राजनीति की नब्ज समझने वाले बाल ठाकरे का जन्म हुआ।
1965 - दुर्गापुर इस्पात संयंत्र ने काम करना शुरू किया।
1973 - अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन द्वारा वियतनाम शांति समझौते की घोषणा।
1976 - गौतम बुद्ध के लापता शहर कपिलवस्तु को खुदाई के बाद ढूंढ़ निकाला गया।
1977 - इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के खिलाफ आम चुनाव लड़ने के लिए कई राजनीतिक दलों को मिलाकर जनता पार्टी की स्थापना की गई।
1989 - ताजिकिस्तान में शक्तिशाली भूकंप में सैकड़ों लोगों की मौत।
1997 - अमेरिका की पहली महिला विदेश मंत्री मेडलीन अल्ब्राइट ने राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की सरकार में पदभार संभाला।
2002 - अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल का पाकिस्तान के कराची से अपहरण कर लिया गया। बाद में उनकी हत्या कर दी गई।

दुनिया को जानें

चीन में बर्फीले तूफान के लिए 'येलो अलर्ट' जारी

बीजिंग, 22 जनवरी (एजेंसियां)। चीन के मौसम विज्ञान प्राधिकरण ने सोमवार को देश के कुछ क्षेत्रों में भारी हिमपात के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया।

राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि सोमवार दोपहर से मंगलवार दोपहर तक, हुनान, जियांग्शी, झेजियांग, फुज़ियान और गुआंग्शी के कुछ हिस्सों में बर्फ़ीला तूफान आएगा और हिमपात दो सेमी से छह सेमी तक पहुंचने के अनुमान हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, गुइझोउ, युन्नान और गुआंग्शी के कुछ हिस्सों में इस अवधि के दौरान जमने वाली बारिश होने के भी आसार हैं। मौसम विभाग ने यात्रियों और ड्राइवरों को बर्फीले मौसम के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है और स्थानीय अधिकारियों से सड़क, रेलवे, बिजली और दूरसंचार के संबंध में सावधानी बरतने का आग्रह किया है। चीन में चार स्तरीय, रंग-कोडित मौसम चेतावनी प्रणाली है। 'लाल' सबसे गंभीर मौसम का प्रतिनिधित्व करता है, उसके बाद 'नारंगी, पीला और नीला' होता है।

प्रादेशिकी

खट्टर 2000 करोड़ की 146 परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

चंडीगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर 24 जनवरी को हिसार से लगभग 2000 करोड़ रुपए से अधिक की 146 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। यह जानकारी सोमवार को एक विज्ञप्ति में दी गयी। ये परियोजनायें शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और सिंचाई एवं जल प्रबंधन पर केंद्रित हैं। इन परियोजनाओं में 1370 करोड़ रुपए की 75 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 712 करोड़ रुपए की 71 परियोजनाओं का उद्घाटन शामिल है। मुख्यमंत्री द्वारा 10 बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया जायेगा। शेष परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास अन्य जिलों में केंद्रीय मंत्री, हरियाणा कैबिनेट मंत्रियों, सांसदों एवं विधायकों द्वारा किया जायेगा।

न्याय यात्रा रोके जाने पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू बिफरे

शिमला, 22 जनवरी (देशबन्धु)। असम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा रोके जाने की कोशिशों पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू बिफर पड़े हैं। उन्होंने कहा है कि यात्रा रोकने का प्रयास कर असम के मुख्यमंत्री गलत मानसिकता का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी में भी राहुल गांधी की यात्रा रोकने का साहस नहीं है। वह अपने आप में इतने मजबूत हैं कि किसी से भी घबराने वाले नहीं। मुख्यमंत्री शिमला में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मिल रहे अपार जनसमर्थन से घबरा कर उनकी यात्रा को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। कहा कि राहुल गांधी की यात्रा को रोकने का कोई औचित्य नहीं। उन्होंने देश की एकता व अखंडता के लिए यात्रा शुरू की है। लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने राहुल गांधी को गिरफ्तार करने के असम के मुख्यमंत्री के बयान की भी निंदा की।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि

हम सनातन धर्म को मानने वाले सनातनी हैं। नेता प्रतिपक्ष को राजनीतिक रोटियां सेंकने की आदत है। लिहाजा जब भी हम शुभ कार्यों में भगवान राम के आदर्शो पर चलने का प्रयास करते हैं, वह भाजपा को रास नहीं आता। उन्होंने कहा कि हनुमान जी भगवान राम के अनन्य भक्त हैं। लिहाजा जाखू में भगवान श्री राम की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने जाखू मंदिर शिमला में शीश नवाया

शिमला। राम मंदिर अयोध्या में श्री रामलल्ला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज जाखू मंदिर शिमला में शीश नवाया और श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर वह जाखू राम मंदिर आए हैं क्योंकि हनुमान जी भगवान राम के परम भक्त थे। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर दिए जलाने और भगवान श्री राम द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जाखू मंदिर में हनुमान जी के साथ भगवान श्री राम की मूर्ति स्थापित की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान, महापौर नगर निगम शिमला सुरेंद्र चौहान, उप महापौर उमा कौशल, ओएसडी रितेश कपरेट, शिमला-किन्नौर एपीएमसी के अध्यक्ष देवानंद वर्मा, उपायुक्त आदित्य नेगी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित भी रहे।

सीएम धामी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर श्री रामचरितमानस का पाठ किया

देहरादून, 22 जनवरी (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार प्रात: काल मुख्यमंत्री आवास स्थित देवालय में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर श्री रामचरितमानस की चौपाइयों का पाठ किया। इसके उपरांत उन्होंने आवास परिसर में स्थित गौशाला पहुंचकर गौ माता की सेवा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में श्री राम मंदिर के रुप में सनातन संस्कृति के वैभव की पुनर्स्थापना का साक्षी बनना हम सभी के लिए परम सौभाग्य का क्षण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 500 वर्षों के लंबे संघर्ष व

अनेक रामभक्तों के बलिदानों के बाद इस भव्य व दिव्य महोत्सव का साक्षी बनकर अत्यंत प्रफुल्लित व हर्षित हूँ। राम जन-जन के हैं, राम हर कण में हैं। इस पावन अवसर पर चहुँदिशि आनंद, उत्साह तथा उल्लास है, संपूर्ण जगत में एक अलग ही तरंग और उमंग है। मुख्यमंत्री ने समस्त प्रदेशवासियों से घरों, सामाजिक स्थानों व धार्मिक स्थलों को साफ सूथरा रखने तथा इस पावन अवसर को पर्व की भाँति मनाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी से भावी पीढ़ी को इस संघर्ष और प्रभु राम के जीवन से परिचित कराने के लिए उन्हें इसके विषय में अवगत कराने की अपील भी की। इस दिव्य अवसर पर उन्होंने प्रभु राम जी से प्रदेशवासियों के मंगल एवं पूरे विश्व में रह रहे सभी सनातनियों के कल्याण की कामना की।

काबीना मंत्री ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

देहरादून। डोईवाला में खेड़ा सिद्ध मंदिर नुन्नावाला में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। जिसमें कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने प्रतिभाग करते हुए राम धुन- श्री राम, जय राम, जय जय राम का उद्घोष किया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि लंबे संघर्ष और इंतजार के बाद अयोध्या में राम मंदिर बनने का सपना साकार हुआ। इस दौरान डॉ अग्रवाल ने मिष्ठान वितरित कर राम भक्तों पर पुष्पवर्षा की। सोमवार को आयोजित हनुमान चालीसा पाठ के दौरान डॉ अग्रवाल ने कहा कि आज अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के हम सब साक्षी बनें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हजारों साधु संतों, राम भक्तों, सनातन प्रेमियों के बीच श्रीराम मंदिर का उद्घाटन किया। कहा कि इस पुण्य दिन के देश के साथ विदेश भी साक्षी बना। कहा कि सबकी साधना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राम मंदिर बनाए जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड से भगवान श्री राम का भी विशेष नाता है। देवप्रयाग में भगवान श्री राम को समर्पित रघुनाथ मंदिर एवं बागेश्वर जनपद में निर्मल बहती सरयू नदी है। मां सरयू का उद्गम स्थल हमारे उत्तराखंड में है एवं सरयू किनारे ही अयोध्या धाम में श्री राम विराजमान हैं। इस मौके पर अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष राम

किशन, पूर्व जिला मंत्री मनीष नैथानी, संजीव सैनी, हितेंद्र सैनी, गंगा सिंह कुमाई, भूपेंद्र सिंह नेगी, सुरेश सैनी, संपन्न सैनी, रामेश्वर चौधरी गणेश नौडियाल, रणवीर सिंह पवार, शमशेर सिंह रागढ़ और कीर्तन मंडली सहित सैकड़ों की संख्या में रामभक्त उपस्थित रहे।

सार संक्षेप

इंफर्टिलिटी ओपीडी का स्वास्थ्य मंत्री ने किया शुभारंभ

श्रीनगर। बेस चिकित्सालय में गढ़वाल क्षेत्र के लिए गायनी विभाग की इंफर्टिलिटी ओपीडी का स्वास्थ्य मंत्री के हाथों शुभारंभ कराया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इंफर्टिलिटी ओपीडी के लिए अन्य भी जरूरतें हो उसे पूरा किया जायेगा। ताकि ओपीडी में सभी सुविधाएं मिल सके। इंफर्टिलिटी ओपीडी के मौके पर गायनी विभाग के एचओडी डॉ. नवज्योति बोरा, डॉ. दीप्ति शर्मा, डॉ. नेहा आदि ने स्वास्थ्य मंत्री का स्वागत किया। कहा कि उक्त ओपीडी हर सप्ताह के शुक्रवार को आयोजित होगी। जिससे पूरे गढ़वाल भर की महिलाओं को सुविधा मिलेगी।

पार्टिकुलेट मैटर से बढ़ा वायु प्रदूषण

देहरादून। पार्टिकुलेट मैटर के जरिए वायुमंडल में धूल मिट्टी के कणों की स्थिति को जाना जाता है। इस तरह साफ है कि वायुमंडल में धूल मिट्टी समेत दूसरे कणों की काफी ज्यादा अधिकता है और बारिश ना हो पाने के कारण यह कारण लगातार वायुमंडल में बने हुए हैं। जिससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधित तमाम दिक्कतें आने की संभावना है। दरअसल बारिश न होने के कारण मैदानी क्षेत्रों में यह कारण हवा में बने रहते हैं और सांस लेने के दौरान शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। जबकि यदि बारिश समय पर होती है तो इससे यह कारण सभी बारिश के साथ जमीन में आ जाते हैं और इससे वायुमंडल में प्रदूषण भी कम हो जाता है।

सैलजा ने की राहुल गांधी को मंदिर में प्रवेश से रोकने की कड़ी निंदा

चंडीगढ़। कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने सोमवार भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा पर असम में राहुल गांधी को मंदिर में प्रवेश करने से रोकने की कड़ी निंदा की है । उन्होंने मीडिया को जारी बयान में कहा कि श्री राम किसी भी राजनीतिक दल के नहीं हैं राम सभी के है और सब में राम है। श्रीराम भाजपा के सर्टीफिकेट के मोहताज नहीं है। सब देख रहे हैं कि एक राजनीतिक दल भगवान श्री राम के नाम पर राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल तो आते जाते रहते हैं पर राम है और सब में रहेंगे। उन्होंने कहा कि हर राजनीतिक दल में सनातनी है जो राम से जुड़े हैं, उसकी धार्मिक आस्थायें एक हैं पर राजनीतिक विचारधारा अलग-अलग है। धर्म और मंदिर के नाम पर समाज को नहीं बांटना चाहिये। उन्होंने कहा कि असम में श्री गांधी को प्रवेश करने से रोका गया जबकि वह वहां पर आमंत्रित थे। यह राम के नाम पर तानाशाही नहीं तो क्या है, राम के मंदिर में किसी को आने-जाने से कोई नहीं रोक सकता।

सुडोकू 6445 का हल

6	2	8	9	4	7	3	5	1
5	7	4	2	1	3	9	6	8
9	3	1	5	6	8	4	7	2
2	6	5	4	3	9	8	1	7
4	1	9	7	8	6	2	3	5
3	8	7	1	2	5	6	4	9
1	9	6	3	5	2	7	8	4
7	5	3	8	9	4	1	2	6
8	4	2	6	7	1	5	9	3

सूबे के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने

शिमला, 22 जनवरी (देशबन्धु)। सूबे के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने। विक्रमादित्य सिंह प्रदेश के उन गिने चुने राजनेताओं में शुमार थे जिन्हें अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण मिला था। रामलला प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर विक्रमादित्य सिंह अयोध्या में वीवीआईपी के साथ दिखाई दिए। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें भी साझा की गई। रामलला प्राण प्रतिष्ठा के मौक पर साक्षी बने लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने वहां हनुमानगढ़ी में भी शीश नवाया। उन्होंने प्रभु श्री राम से देश व प्रदेश की उन्नती व खुशहाली की कामना की। विक्रमादित्य ने कहा कि प्रदेश साल 2023 में दैवीय आपदा से जूझता रहा। उन्होंने ईश्वर से 2024 व भविष्य के सालों में प्रदेश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने व हर प्रकार की

आपदा से बचाए रखने की प्रार्थना की। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि रामलला प्राण प्रतिष्ठा मौके का साक्षी बन कर वह गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। देश व समूचे विश्व में आज का दिन ऐतिहासिक है।

उल्लेखनीय है कि विक्रमादित्य सिंह के पिता स्व. वीरभद्र सिंह की देव संस्कृति में प्रगाढ़ आस्था थी। देव संस्कृति के संरक्षक के तौर पर उन्हें सदैव याद किया जाता रहा है। स्व. वीरभद्र सिंह जबरन धर्मांतरण के खिलाफ रहे। प्रदेश में स्व. वीरभद्र सिंह के शासन में ही जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कानून बना था। विक्रमादित्य सिंह लगातार इस बात को कहते रहे हैं कि उनके परिवार की देव संस्कृति में आस्था है। उन्हें अयोध्या आने का भी निमंत्रण मिला है। लिहाजा उनकी अयोध्या यात्रा के राजनीतिक मायने नहीं निकाले जाने चाहिए।

काँग्रेस ने भाजपा को तुरंत मेयर चुनाव कराने की चुनौती दी

चंडीगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। चंडीगढ़ काँग्रेस ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी को चुनौती दी कि वह एक या दो दिन में मेयर चुनाव कराकर दिखाये। अठारह जनवरी को होने वाले मेयर चुनाव पीठासीन अधिकारी के 'बीमार पड़ जाने' के कारण स्थगित किये गये थे और चंडीगढ़ प्रशासन ने कानून- व्यवस्था के पुलिस के आकलन के बाद छह फरवरी को चुनाव कराने की बात कही है। आम आदमी पार्टी और काँग्रेस, जो इंडिया गठबंधन के तहत पहली बार मिलकर चुनाव लड़ रही हैं, ने अदालत का दरवाजा भी खटखटाया है। दोनों पार्टियों ने भाजपा पर चुनाव में 'निश्चित हार' के डर से भागने और 'लोकतंत्र की हत्या' के आरोप लगाये थे। चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा और अरुण सूद ने कल इन आरोपों को झुठलाते हुए काँग्रेस और आप पर पार्षदों को धमकाने और उन्हें डर के माहौल में रहने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया था। काँग्रेस प्रवक्ता राजीव शर्मा ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यदि भाजपा नगर निगम से उनके भ्रष्ट और अक्षम शासन को हटाने को लेकर काँग्रेस और आप के संकल्प को देखना चाहती है तो एक या दो दिन में चुनाव कराकर दिखाये। नगर निगम में भाजपा के 14, आप के 13, काँग्रेस के सात और शिरोमणि अकाली दल का एक सदस्य है। 35 सदस्यीय सदन में मेयर चुनाव जीतने के लिये भाजपा को 19 वोट चाहिये जो आंकड़ा सांसद किरण खेर के एक वोट के बावजूद क्रॉस वोटिंग के बिना नहीं हासिल हो सकता।

मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य मंत्री ने राम से नाम रोपे अशोक के पौधे

श्रीनगर, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का पर्व श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में भी धूमधाम से मनाया गया। इस सुअवसर पर प्रदेश के माननीय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत जी के नेतृत्व में मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों ने राम के नाम अशोक के पौधे परिसर में रोपे गये। भगवान राम के मंदिर स्थापना के अवसर पर नमो टीम से जुडे सकाय सदस्यो, चिकित्सको व एमबीबीएस छात्र-छात्राओं एवं बेस चिकित्सालय की सुरक्षा व्यवस्था में लगे पूर्व सैनिकों ने अनूठी पहल करते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसका शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री जी द्वारा करते हुए उक्त कार्य के लिए सभी की सराहना की।

राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में अयोध्या में राम मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को एमबीबीएस छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों ने लाइव देखा। जिसके बाद मेडिकल कॉलेज में भगवान राम के जय जयकारों के साथ छात्र-छात्राओं ने खुशी मनाई और प्रसाद वितरित किया। मेडिकल कॉलेज पहुंचे प्रदेश के

- रक्तदान का शिविर का हुआ शुभारंभ
- एमबीबीएस छात्रों एवं पूर्व सैनिकों ने किया 60 यूनिट रक्तदान
- प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने बेस अस्पताल में किया इंफर्टिलिटी ओपीडी का शुभारंभ
- हर शुक्रवार को लेगेगी बेस चिकित्सालय में ओपीडी

माननीय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत जी ने कहा कि भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के साथ मंदिर की स्थापना होना पूरे भारत वर्ष के लिए हर्ष का विषय है। उन्होंने श्रीनगर की जनता एवं प्रदेशवासियों की तरफ से इस मंगल कार्य के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ जी का आभार प्रकट किया। रक्तदान शिविर में नेशनल मेडिकोस आर्गेनाइजेशन (एनएमओ) द्वारा 60 यूनिट रक्तदान कर जरूरतमंदों के लिए भेंट किया।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में गूंजी उत्तराखंडी हुड़के की थाप

देहरादून, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में भगवान राम अपने मंदिर में विराजमान हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ देश और दुनिया से आए वीआईपी की मौजूदगी में इस पूरे कार्यक्रम को संपन्न करवाया गया। देश के कोने-कोने से भगवान राम के लिए अलग-अलग उपहार आ रहे हैं। वहीं अयोध्या के कार्यक्रम स्थल पर भगवान राम की पूजा में शामिल वाद्य यंत्रों की अगर बात करें तो तमाम राज्यों से प्रमुख वाद्य यंत्रों की मौजूदगी में पूजा पाठ और आरती भी करवाई गई है। इसी कड़ी में उत्तराखंड से हुड़का वाद्य यंत्र अयोध्या में भगवान राम की पूजा अर्चना में इस्तेमाल किया गया है।

हुड़का हमारी प्राचीन वाद्य यंत्रों की एक निशानी है। हालांकि लंबे समय से उत्तराखंड के वाद्य यंत्रों की अपेक्षा हो रही है। सरकार के कार्यक्रम हों या फिर अन्य शादी समारोह, अब उनकी जगह बड़े-बड़े डीजे और स्टेज प्रोग्राम ने ले ली है।

जागर में हुड़के की थाप पर अवतरित होते हैं देव

जबकि आज भी उत्तराखंड के साथ-साथ पड़ोसी देश नेपाल में भी इस वाद्य यंत्र का खूब प्रयोग किया जाता है। भगवान की स्तुति आराधना और प्रार्थना में पारंपरिक वाद्य यंत्रों का आज भी नेपाल में अच्छी तरह से प्रयोग किया जाता है। लेकिन यह बात भी सही है कि यह वाद्य यंत्र हमारे उत्तराखंड का ही है।

आज अयोध्या में इतने बड़े आयोजन के दौरान अगर इस वाद्य यंत्र की गूंज सुनाई दे रही है और इसको और अच्छे से प्रचार प्रसार मिलता है तो लोग इसकी तरफ दोबारा से आकर्षित होंगे। हालांकि हमारे उत्तराखंड के प्रख्यात गायक पद्मश्री प्रीतम भर्तवाण हों या फिर नरेंद्र सिंह नेगी अपने कार्यक्रमों में इस वाद्य यंत्र का प्रयोग हमेशा से करते आए हैं। अयोध्या में आज राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। भगवान श्रीराम अपने मंदिर में विराजमान हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ देश और दुनिया से आए वीआईपी अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आकर्षण रहे। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में देश भर के राज्यों से लाए गए वाद्य यंत्रों की धुन सुनाई दी। उत्तराखंड के एक वाद्य यंत्र को भी इस मौके पर स्थान मिला। उत्तराखंड के वाद्य यंत्र हुड़के की थाप भी अयोध्या के राम मंदिर में सुनाई दी।

उत्तराखंड में लोगों को बीमार कर रहा मौसम

देहरादून, 22 जनवरी (देशबन्धु)। उत्तराखंड में मौसमीय बदलाव ना केवल सर्द हवाओं के साथ लोगों की कंपकंपी छुड़ा रहा है, बल्कि उन्हें बीमार भी कर रहा है।

■ चिकित्सकों ने लोगों को दी एहतियात बरतने की सलाह

राज्य में तीन शहरों के प्रदूषण को लेकर सामने आए आंकड़े नई चिंता को जन्म दे रहे हैं। उधर चिकित्सकों ने भी इस मौसम में प्रदूषण बढ़ने के साथ लोगों को एहतियात बरतने की सलाह दी है। ये हालात इस बार बदले हुए मौसम की स्थिति के कारण बने हैं जिनसे राहत मिलने की फिलहाल कोई उम्मीद नहीं दिख रही है।

उत्तराखंड में जनवरी का तीसरा हफ्ता गुजरने के बाद भी अब तक ना तो प्रदेश भर में कहीं अच्छी बारिश मिल पाई हैं और ना ही ऊंचे स्थानों पर कहीं भारी बर्फबारी हो पाई है। इन हालातों के चलते राज्यभर में सुखी ठंड लोगों की मुसीबत बढ़ा रही है। खासतौर पर मैदानी जिलों में आसमान में बादल और आसपास फैले कोहरे ने सामान्य जनजीवन को प्रभावित किया है। लेकिन इस सबके बीच सबसे ज्यादा दिक्कतें बुजुर्ग और बच्चों को आ रही है। मैदानी जिलों में एक तरफ कम तापमान लोगों की कंपकंपी छुड़ा रहा है तो बदले मौसम के कारण वायु प्रदूषण का बढ़ता स्तर भी परेशानियों में इजाफा कर रहा है।

राज्य में बारिश और बर्फबारी का इंतजार हो रहा है, इस बीच उत्तराखंड के तीन शहरों में कोहरे के बीच वायु प्रदूषण का स्तर चिंता को बढ़ा रहा है। देहरादून, ऋषिकेश और काशीपुर में पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) और पीएम 10 का स्तर सामान्य से काफी ज्यादा हो गया है। इसे खराब स्थिति में माना जाता है। इन तीनों ही शहरों में एम 2.5 और एम 10 की क्या स्थिति है आपको बताते हैं।

उत्तराखण्ड में मतदाताओं की संख्या 82.50 लाख पहुंची

लोकसभा के आम चुनाव से पहले वोटर लिस्ट का हुआ अंतिम प्रकाशन

देहरादून, 22 जनवरी (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव 2024 में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। राजनीतिक पार्टियों के साथ निर्वाचन आयोग भी अपनी तैयारियों में जुटा हुआ है, ताकि समय से चुनाव कराए जा सकें। इसी क्रम में सोमवार को उत्तराखंड के मुख्य निर्वाचन कार्यालय में निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया गया। आज जारी की गई निर्वाचक नामावली के अनुसार प्रदेश में कुल 82,43,423 मतदाता हैं। इनमें से 42,70,597 पुरुष और 39,72,540 महिलाएं हैं। इसके साथ ही 286 ट्रांसजेंडर वोटर भी हैं। वहीं प्रदेश में 93,357 सर्विस मतदाता हैं, जिसमें 90,763 पुरुष और 2594 महिलाएं शामिल हैं।

मुख्य निर्वाचन कार्यालय की ओर से 27 अक्टूबर 2023 को ड्राफ्ट निर्वाचक नामावली जारी की गई थी, जिसके बाद से ही सीईओ की ओर से कार्यक्रम जारी कर ड्राफ्ट निर्वाचक नामावली की तमाम त्रुटियों

को ठीक करते हुए तमाम नए मतदाताओं का नाम जोड़ा गया और तमाम मतदाताओं का नाम कटा गया है।

तय कार्यक्रम के तहत 22 जनवरी को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। 27 अक्टूबर 2023 के बाद 2,57,933 मतदाताओं का नाम जोड़ा गया है, साथ ही 1,58,011 नाम मतदाता सूची से काटे गये हैं। मुख्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, 13,100 लोगों की मृत्यु, 118,073 लोगों के कहीं और शिफ्ट होने के साथ ही 26,838 लोगों का नाम दो बार होने के चलते इन लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाया गया है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तराखंड राज्य में 11,729 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं, जहां मतदाता मतदान करेंगे। इन सभी पोलिंग बूथ में 3461 पोलिंग बूथ शहरी क्षेत्रों और 8268 पोलिंग बूथ ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए हैं। प्रदेश में 100 और 100 साल से अधिक उम्र के कुल 1411 मतदाता हैं, जिसमें 558 पुरुष और 853 महिला मतदाता शामिल हैं।

इसके साथ ही दिव्यांग मतदाताओं की कुल संख्या 69,974 है, जिसमें 44,766 पुरुष, 25,206 महिला और 2 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। पिछले तीन महीने में 257,933 मतदाताओं का नाम मतदाता सूची ने जोड़ा गया है, जबकि 158,011 लोगों का नाम कई कारणों से मतदाता सूची से काटा गया है।

उत्तराखण्ड में उम्र के हिसाब मतदाताओं की स्थिति

18 से 19 साल के कुल 129,062 मतदाता हैं, जिसमें 70,565 पुरुष, 58,485 महिला और 12 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

20 से 29 साल के कुल 1,659,290 मतदाता हैं, जिसमें 894,973 पुरुष, 764,239 महिला और 78 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

30 से 39 साल के कुल 2,244,926 मतदाता हैं, जिसमें 1,197,822 पुरुष, 1,047,025 महिला और 79 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

40 से 49 साल के कुल 1,704,523 मतदाता हैं, जिसमें 877,244 पुरुष, 827,229 महिला और 50 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

50 से 59 साल के कुल 1,186,686 मतदाता हैं, जिसमें 600,311 पुरुष, 586,336 महिला और 39 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

60 से 69 साल के कुल 750,563 मतदाता हैं, जिसमें 369,784 पुरुष, 380,760 महिला और 19 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

70 से 79 साल के कुल 414,114 मतदाता हैं, जिसमें 193,527 पुरुष, 220,580 महिला और 7 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

80 से अधिक उम्र के कुल 154,259 मतदाता हैं, जिसमें 66,371 पुरुष, 87,886 महिला और 2 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

प्रदेश में कुल 8243,423 मतदाता हैं, जिसमें 4,270,597 पुरुष मतदाता, 3,972,540 महिला मतदाता और 286 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

प्रादेशिकी

आठ माह के पुत्र के साथ फांसी पर झूलती मिली विवाहिता

फर्रुखाबाद, 22 जनवरी (देशबन्धु)। विवाहिता व उसके 8 माह के पुत्र का शव फांसी पर झूलता मिला। पुलिस नें मामले में मृतका के पति को हिरासत में ले लिया। पुलिस मामले में तफ्तीश कर रही है। परिजनों में कोहराम मच गया। थाना कादरी गेट में मोहल्ला श्याम नगर निकट रेलवे क्रासिंग निवासी अखिलेश राजपूत का समोसा की दुकान बेबर रोड पर है। घर में उसकी 24 वर्षीय पत्नी आकांक्षा रहता है। अखिलेश के आठ माह का पुत्र दिव्याश है। अखिलेश की मां माया देवी नें बताया कि दोपहर दो बजे वह अपने बड़े पुत्र होरी लाल के घर से अखिलेश के घर खाना खानें गई थी। आवाज लगानें पर जबाब नहीं मिला। जबाब ना मिलनें पर माया देवी नें बड़ी बहू सुनीता पत्नी पंकज को आबाज दी। माया देवी व सुनीता नें अखिलेश को सूचना दी। जिसके बाद अखिलेश नें कादरी गेट में सूचना दी।

मंदिर वहीं बना जहां बनाने का संकल्प लिया था : योगी

अयोध्या, 22 जनवरी (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री अयोध्याधाम में श्रीरामलला के बालरूप विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत अपने मनोभाव प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 500 वर्षों के लबे अंतराल के उपरांत आज के इस चिरप्रतीक्षित मौके पर अंतर्मन में भावनाएं कुछ ऐसी हैं कि उन्हें व्यक्त करने को शब्द नहीं मिल रहे हैं। मन भावुक है, भाव विभोर है, भाव विह्वल है। निश्चित रूप से आप सब भी ऐसा ही अनुभव कर रहे होंगे। आज इस ऐतिहासिक और अत्यंत पावन अवसर पर भारत का हर नगर-हर ग्राम अयोध्याधाम है। हर मार्ग श्रीरामजन्मभूमि की ओर आ रहा है। हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगा है। हर जिह्वा राम-राम जप रही है। रोम रोम में राम रमे हैं। पूरा राष्ट्र राममय है। ऐसा लगता है हम त्रेतायुग में आ गए हैं।

■ **श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पूर्ण होने के उपरांत मुख्यमंत्री ने किया संबोधित**

आज रघुनन्दन राघव रामलला, हमारे हृदय के भावों से भरे संकल्प स्वरूप सिंहासन पर विराज रहे हैं। आज हर रामभक्त के हृदय में प्रसन्नाता है, गर्व है और संतोष के भाव हैं। योगी ने कहा कि आखिर भारत को इसी दिन की तो प्रतीक्षा थी। भाव-विभोर कर देने वाली इस दिन की प्रतीक्षा में लगभग पांच शताब्दियां व्यतीत हो गईं, दर्जनों पीढ़ियां अधूरी कामना लिए इस धराधाम से साकेतधाम में लीन हो गईं, किन्तु प्रतीक्षा और संघर्ष का क्रम सतत जारी रहा। श्रीरामजन्मभूमि, संभवत: विश्व में पहला ऐसा अनूठा प्रकरण रहा होगा, जिसमें किसी राष्ट्र के बहुसंख्यक समाज ने अपने ही देश में अपने आराध्य के जन्मस्थली पर मंदिर निर्माण के लिए इतने वर्षों तक और इतने स्तरों पर लड़ाई लड़ी हो। संन्यासियों, संतों, पुजारियों, नागाओं, निहंगों, बुद्धिजीवियों, राजनेताओं, वनवासियों सहित समाज के हर वर्ग ने जाति-पाति, विचार- दर्शन,

ऐतिहासिक व अत्यंत पावन अवसर पर भारत का हर नगर, हर ग्राम अयोध्याधाम : योगी आदित्यनाथ

उपासना पद्धति से ऊपर उठकर राम काज के लिए स्वयं का उत्सर्ग किया। उन्होंने कहा कि विचारों और भावनाओं की विह्वलता के बीच मुझे पूज्य संतों और अपनी गुरु परम्परा का पुण्य स्मरण हो रहा है। आज उनकी आत्मा को असीम संतोष और आनन्द की अनुभूति हो रही होगी, जिन परम्पराओं की पीढ़ियां श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ में अपनी आहुति दे चुकी हैं, उनकी पावन स्मृति को यहां पर कोटि-कोटि नमन करता हूं। श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति महायज्ञ न केवल सनातन आस्था व विश्वास की परीक्षा का काल रहा, बल्कि, संपूर्ण भारत को एकात्मकता के सूत्र में बांधने के लिए राष्ट्र की सामूहिक चेतना जागरण के ध्येय में भी सफल सिद्ध हुआ। सदियों के बाद भारत में हो रहे इस चिरप्रतिक्षित नवविहान को देख अयोध्या समेत भारत का वर्तमान आनन्दित हो उठा है। भाग्यवान है हमारी पीढ़ी, जो इस राम-काज के साक्षी बन रहे हैं और उससे भी बड़भागी हैं वो जिन्होंने सर्वस्व इस राम-काज के लिए समर्पित किया है और करते चले जा रहे हैं। 500 वर्ष के पराभव काल के

शब्दों में बयां नहीं हो सकता श्रीराम की लीलाओं का वर्णन: महंत नृत्यगोपाल दास

रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह बड़े सौभाग्य की बात है कि श्रीराम की पावन जन्मभूमि पर भगवान का महोत्सव हो रहा है। यह अत्यंत हर्ष और उत्कर्ष का विषय है। अयोध्या में भगवान की लीला ऐसी है जिसका वर्णन शब्दों में नहीं हो सकता है। उन्होंने जनमानस को श्रीराम की इस पावन जन्मभूमि पर अपनी श्रद्धा-समर्पण का भाव अर्पित करने का आह्वान किया।

कलंक को मिटाकर अयोध्या के भव्य जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम लला की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम कई मायनों में नए प्रतिमान गढ़ते हुए देश को विश्वगुरू बनाने के नए सोपान की ओर अग्रसर करेगा। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में इसी बात को उल्लेखित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख व सरसंघचालक मोहन राव भागवत ने जनमानस को हर्ष की इस घड़ी में 4 नव प्रण दिलाकर यह आशा जताई कि इनका पालन कर मंदिर निर्माण का कार्य पूरा होने के भीतर ही भारत विश्वगुरू बनकर पूरी दुनिया में अपनी आभा बिखेरने लगेगा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज का आनंद शब्दों में वर्णातीत है।

आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का स्व लौटकर आया है। संपूर्ण विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला एक नया भारत उठ खड़ा होगा इसका यह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम साक्षी बन रहा है। सब में आनंद है, सब में उमंग है। हमने सुना इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पधारने के पूर्व पीएम मोदी ने कठिन व्रत रखा जो कि उनके तपस्वी स्वभाव को दर्शाता है। श्रीराम अयोध्या से बाहर क्यों गए इसके पीछे कलह कारण था। श्रीराम वनवास में गए और पूरी दुनिया का कलह मिटाकर लौटे। आज 500 वर्ष बाद श्रीराम फिर लौटे हैं।

मवाना में श्रीराम रथ यात्रा निकालकर फूल व गुलाल उड़ाए

■ **राज्य मंत्री दिनेश खटीक ने भगवान राम का तिलक किया**

■ **चेयरमैन ने राम, सीता व लक्ष्मण की आरती उतारी**

मवाना, 22 जनवरी (देशबन्धु)। मवाना नगर में हस्तिनापुर रोड स्थित झारखंडी मंदिर में सोमवार को श्री अयोध्या में रामलला मूर्ति की स्थापना के अवसर पर सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। वहीं मंदिर के बाहर से श्रीराम रथ यात्रा निकाली गई, जिसका शुभारंभ जल शक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटीक व पालिका चेयरमैन अखिल कौशिक ने किया। रथ यात्रा में राज्यमंत्री दिनेश खटीक व पूर्व जिला पंचायत सदस्य नितिन खटीक श्रीराम पताका लेकर चले। वहीं इस यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने फूल व गुलाल बरसाया। इससे पहले सुभाष चौक पर आयोजित राम उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ जल शक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटीक ने भगवान राम का तिलक करके किया और चेयरमैन अखिल कौशिक ने श्रीराम की आरती उतारी। सुभाष चौक पर अनेक श्रद्धालुओं ने एलईडी पर अयोध्या से प्रसारित कार्यक्रम को देखा। अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा को देख लोगों ने खुशी मनाई। भव्य राम उत्सव कार्यक्रम में जल शक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटीक ने कहा कि करीब 500 वर्षों के बाद भगवान रामलला अयोध्या में अपने धाम पधारे हैं। इसी खुशी में पूरे देश भर में भगवान राम उत्सव मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में सुभाष चौक मवाना पर लाइव प्रसारण, प्रसाद वितरण और भव्य सजावट का कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहां पर चेयरमैन अखिल

कौशिक, सौरभ शर्मा, मधुर कौशिक, प्रवीण जैन, अशोक त्यागी, मनीष शर्मा, योगेंद्र जाटव, संदीप जाटव, मोनू, अर्जुन, कुलदीप, अनीता गुप्ता, रामबीरी बहन, अजय अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, गोपाल राय, आलोक, दीपक धमीजा, अर्पण शर्मा, हिमांशु अग्रवाल, निपुण चौहान, अलका रस्तोगी, गुंजन शर्मा, अनीता रस्तोगी, अंजू शर्मा, रेखा, सरोज सुमन, वेदप्रकाश चौहान, अभिनव, संदीप प्रधान, अंशुल गौतम, ओमपाल गुज्जर, सोनू कंसल समेत अनेक लोग मौजूद रहे। दूसरी ओर श्रीराम रथ यात्रा नगर में उन्हीं स्थानों से निकाली गई, जहां से रामलीला के समय श्रीराम विवाह शोभा यात्रा निकाली जाती है।

सार संक्षेप

सीसीएसयू में आयोध्या का सीधा प्रसारण, राममय हुए दर्शक

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में श्री रामौत्सव अयोध्या भगवान श्री राम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव आयोजन नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में किया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह प्राण प्रतिष्ठा आयोजन कार्यक्रम के दौरान जय श्री राम के नारों से गूंज उठा। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को लाइटों से सजाया गया था मंदिर को भी फूल मालाओं से बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था लाइव प्रसारण के बाद मंदिर पर प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह के बाहर 30 फीट ऊंची प्रभु श्री राम की मूर्ति लगाई गई थी। लाइव प्रसारण समाप्त होने के पश्चात प्रभु श्री राम की मूर्ति के आगे खड़े होकर फोटो खिंचवाने वालों का तांता लग गया। क्या छात्र, शिक्षक सभी मूर्ति का आगे फोटो खिंचवाने के लिए उत्साहित दिखा। कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा, वित्त अधिकारी रमेश चंद्र, प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहनी, प्रोफेसर वीरपाल सिंह, प्रोफेसर दिनेश कुमार, प्रोफेसर आलोक कुमार, प्रोफेसर संजीव कुमार, प्रोफेसर विजय जयसवाल, प्रोएसर अनिल मालिक, प्रोफेसर बिंदु शर्मा, प्रोफेसर अनुज कुमार, प्रोफेसर प्रशांत कुमार, डॉक्टर विवेक त्यागी, डॉक्टर जितेंद्र गोयल, प्रेस प्रवक्ता मितेंद्र गुप्ता, इंजीनियर प्रवीण पवार, इंजीनियर मनीष मिश्रा, इंजीनियर विकास त्यागी, इंजीनियर मनोज कुमार, संदीप अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

सरे बाजार फलावदा में युवती की गोलियां बरसा कर हत्या, सनसनी फैली

मवाना। हाई अलर्ट के बीच किशोरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। किशोरी घर से दुकान पर दवा लेने जा रही थी। तभी सिरफिरे मनचले ने उसके साथ छेड़खानी कर दी। किशोरी ने छेड़खानी का विरोध किया तो दबंग ने तमंचा निकालकर भरे बाजार में गोली चलाकर हत्या कर फरार हो गया। किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। दिनदहाड़े हुई इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। छेड़खानी का विरोध करना किशोरी को भारी पड़ गया। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक किशोरी के परिवार वालों ने किशोरी के शव को सड़क पर रखकर हंगामा कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और किशोरी के पोस्टमार्टम को लेकर मृतक किशोरी के परिवार वालों को समझाने में लगे हैं। फलावदा के मोहल्ला शहीद भगत सिंह की रहने वाली 17 वर्षीय सोफिया पुत्री शहजाद सोमवार को घर से दवा लेने के लिए निकली थी। तभी पड़ोसी युवक फरहान पुत्र उस्मान ने रास्ते में किशोरी के साथ छेड़छाड़ कर दी। किशोरी ने छेड़छाड़ का विरोध किया तो आरोपी फरहान ने तमंचा निकालकर किशोरी पर गोलियां बरसा दी और हत्या कर फरार हो गया। सोफिया की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं आसपास के लोगों ने जैसे ही गोली चलने की आवाज सुनी तो उस तरफ भागे। देखा किशोरी खून से लथपथ गोली लगी पड़ी है। तुरंत घटना की जानकारी उसके परिजनों को दी गई। किशोरी के परिवार वाले मौके पर पहुंच गए और हंगामा करते हुए जाम लगा दिया।

कंकरखेड़ा के शिवमन्दिर में कीर्तन व भंडारा आयोजित

मेरठ, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान कंकरखेड़ा, शिवलोक के शिवमन्दिर मे आज कीर्तिन का आयोजन किया गया जिसके राम के भक्तों का तांता लग गया। कीर्तिन मंडली ने भगवान राम के एक से बढ़कर एक भजन गाकर भक्तजनों को झूमने पर विवश कर दिया। मंदिर भगवान राम ने जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान कवि अतिवीर जैन पराग ने राम पर एक कविता सुनाकर भक्तजनों को मंत्र मुक्त कर दिया। आज राम के भक्तजनों में उल्लास देखते ही बनता था। अंत में भगवान राम की आरती कर प्रसाद वितरण किया गया और एक भंडारे का आयोजन कियां गया जिसमे हलवे का प्रसाद वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंडित प्रदीप मिश्रा, पंडित राहुल मिश्रा अश्वनी गुप्ता, पंकज शर्मा, कौशल वर्मा, प्रवीन और कीर्तन मंडली से सीमा शर्मा के अलावा सैकड़ो भक्तजन उपस्थित रहे।

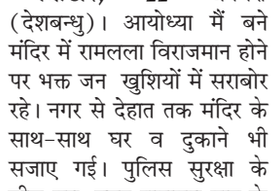

प्राण प्रतिष्ठा पर राममय हुई मेरठ की धरती

■ **रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर शहर में रहा उत्सव का माहौल**

■ **जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा जनपद**

■ **जगह-जगह भण्डारा लगाकर रामभक्तों ने किया प्रसाद वितरण**

मेरठ, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मेरठ की धरती पूरी तरह से राममयी रही। जय श्रीराम के जयकारें लगाकर रामभक्तों ने एक दूसरे को दिन विशेष की शुभकामनाएं दी। दिनभर विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा मंदिरों सहित शहर में विभिन्न स्थानों पर भण्डारे लगाये गये और प्रसाद वितरण किया। शाम के समय शहर में दीवाली सरीखा माहौल रहा और लोगों ने दीपक जलाकर शुभकामनाएं दी। श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर शहर के कचहरी गेट नंबर-6 के सामने मेरठ कालिज कामर्शिल काम्पेक्स, मेघदूत चौराहा, पीएल शर्मा रोड, बेगमपुल चौराहा, रोडवेज, शिवचौक, बुढ़ाना गेट, ईव्ज चौराहा, बागपत अड्डा, तेजगढ़ी, कंकरखेड़ा, कसेरूखेड़ा, पल्लवपुरम, साकेत, लालकुर्ती वेली बाजार, शारदा रोड़, ब्रहमपुरी, सहित सैंकड़ो स्थानों पर भण्डारा लगाकर रामभक्तों ने हलवा पूरी के प्रसाद का वितरण किया। लोगों ने एक दूसरे को बधाई दी और श्रीराम का गुणगान किया। इस मौके रामभक्तों के राम मंदिर की स्थापना को लेकर किये गये पांच सौ वर्ष पुराने लंबे संघर्ष को याद किया गया। रामभक्त विनय लोधी ने बताया कि उनके जीवन काल में ऐसा शुभअवसर आया है जिसके लिये वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं। दिन भर भण्डारे और प्रसाद का वितरण करने के साथ ही शाम के वक्त रामभक्तों ने घरों में दीपक जलाये और रोशनी का इंतजाम किया। इस दौरान पटाखे आदि छोड़कर दीवाली जैसा उत्सव मनाया गया। सभी रामभक्तों ने ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को उनके जीवनकाल को स्वर्णिम अवसर बताया। लोगों ने विशेष पूजा अर्चना की। प्राण प्रतिष्ठा का शहर के विभिन्न स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाकर अयोध्या से सीधा प्रसारण किया गया।

जिसे देख रामभक्तों ने भाव-विभोर होकर जय श्रीराम के नारे लगाए। इसके साथ शहर के विभिन्न स्थानों से रामलला की झांकिया निकाली गई।

दिनभर अलर्ट पर रहा पुलिस प्रशासन

आयोजन के दौरान पुलिस प्रशासन लगभग पूरे दिन अलर्ट पर रहा। पुलिसकर्मियों ने भण्डारें आदि में व्यवस्था बनाने में सहयोग किया। ड्रोन कैमरों की मदद से सुरक्षा का जायजा पुलिस के आला अधिकारी समय-समय पर लेते दिखे। साथ ही कई स्थानों पर पुलिस ने भ्रमण किया।

दीप जलाकर मनाया गया श्रीरामोत्सव

किठौर, 22 जनवरी (देशबन्धु)। आयोध्या मैं बने मंदिर में रामलला विराजमान होने पर भक्त जन खुशियों में सराबोर रहे। नगर से देहात तक मंदिर के साथ-साथ घर व दुकाने भी सजाए गई। पुलिस सुरक्षा के बीच यज्ञ, हवन रामायण पाठ के साथ भंडारे चले जमकर आतिशबाजी भी हुई। रामनगरी की नगरी में नवनिर्मित विशाल मंदिर में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के साथ 22 जनवरी का सोमवार भारत के लिए ऐतिहासिक दिन बन गया। रामलला विराजने की खुशियों से सराबोर भक्तजनों ने तो देवालयों से लेकर अपने घर व प्रतिष्ठान सजाए वहीं इस महोत्सव में रंग-बिरंगे झालरों से जगमगाते देवालयों, यज्ञ की धूनी के साथ वातावरण में मिली भजन-कीर्तन की ध्वनि को सुनकर आज भगवान इन्द्र भी ऐसे भव्य दृश्यों को देखकर मुस्कुराए होंगे।

किठौर के मुख्यबाजार में हर घर, प्रतिष्ठान पर लहरा रहे श्रीराम के भगवा झंडों से महौल को राममय दिखा। यहां शिव मंदिर में पंडित शंभू प्रसाद गैरोल्ला, गढ़ रोड स्थित दुर्गा शिव मंदिर में महेश अग्निहोत्री ने संगीतमय सुंदरकांड पाठ कराया। मंडी में दो स्थानों पर भंडारे चले। किठौर में बाबा भूतेश्वर नाथ शिव मंदिर में पंडित विद्या प्रसाद गैरोल्ला ने पंचकुंडी हवन यज्ञ व दुर्गा मंदिर में पंडित घनश्याम शास्त्री ने सुंदरकांड पाठ विधि-विधान से संपन्न कराया। बाजार में कई जगह भंडारे चले। भड़ौली, फतेहपुर, सालौर में भी हवनयज्ञ कर भंडारे चले। हवन-पूजन के साथ चली आतिशबाजी ने श्रीरामोत्सव को दीपोत्सव जैसा बना दिया। ये तारीख हजार साल भी याद रहेगी जब इतिहास लिखा जाएगा तब 22 जनवरी को याद क्या जाएगा और इसके साथ साथ नरेंद्र मोदी को याद रखा जाएगा सबसे बड़ी बात क्षेत्र में हिन्दू मुस्लिम भाई चारा भी देखने को मिला। इस मौके पर कोई भी अपिर्य घटना की सूचना नहीं मिली।

धूमधाम से निकली श्री राम दरबार की शोभा यात्रा

फर्रुखाबाद, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में प्रभु राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद फर्रुखाबाद नगर पूरा राम मयहो गया नगर में जगह-जगह भगवा द्वारा झंडा से पट। दिखाई दिया। जग-जग प्रसाद का वितरण किया गया। हिंदू समाज में ऐसा उत्साह पहली बार दिखाई दिया हर कोई भगवान जय श्री राम के जय घोष करते हुए शोभा यात्रा में चल रहे थे प्रात: काल से ही पूरा नगर राम मय लग रहा था। नरनारीव बच्चे श्री राम के नारे लगा रहे थे। यह शोभा यात्रा चौक से प्रारंभ होकर नेहरू रोड घूमन। मुख्य मार्गो से गुजरी। भगवान श्री राम दरबार की जगह-जगह आरती उतार कर पुष्प वर्षा की गई। शोभा यात्रा में जितेन्द्र सिंह अमन गुप्ता आकाश गुप्ता पारसगुप्ता मोहित गुप्ता रमेश चंद रामप्रकाश मुन्ना नारायण गगन मिश्रा आदि मौजूद रहे।

विकासखंड रजपुरा के ग्राम पचगांव पट्टी सावल में पंचायत उद्योग के चेयरमैन कौशल चौहान ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जन्मभूमि राम मंदिर अयोध्या धाम में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण समस्त ग्राम वासियों के साथ देखा। भगवान श्री राम के जय घोष के साथ कार्यक्रम किया गया तथा भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया गया। इस अवसर पर गांव के सभी महिला पुरुष एवं बच्चों ने भाग लिया। **फोटो देशबन्धु**

लकवा की चपेट में आई महिला को संजीवनी

मेरठ, 22 जनवरी (देशबन्धु)। एक 39 वर्षीय महिला मरीज के लिए संजीवनी बना अपोलो अस्पताल। अस्पताल के डॉक्टरों ने महिला मरीज को एक ऐसी दुर्लभ बीमारी से बचाया है, जिसकी वजह से वह कुछ ही समय में लकवा ग्रस्त हो गई थी। चिकित्सा जांच में डॉक्टरों ने इस बीमारी को एक दुर्लभ ऑटोइम्यून विकार बताया, जो सबसे तेजी से मरीज को अक्षम बनाता है। बहरहाल, उपचार के बाद महिला रोगी वापस से चलने फिरने में सक्षम हैं।

आयोजन *प्राण प्रतिष्ठा के लिए सुभारती में मनाई गई वृहत दीपावली*

श्रीराम हमारी संस्कृति के सर्वोत्तम आयामों के प्रतीक : अतुल

■ **बोधि उपवन में किया गया हवन का आयोजन**

मेरठ, 22 जनवरी (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय में राष्ट्रबोध व्याख्यान माला के अंतर्गत श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बोधि उपवन में प्रात 11:45 बजे हवन किया गया। साथ ही बौद्ध विद्वानों द्वारा मंगलाचरण किया गया। पंडित सकलानन्द ने विधिवत हवन कराया। हवन में यजमान के रूप में मुख्य अतिथि भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनीत शारदा, पूर्व विधायक राजेन्द्र शर्मा, सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शल्या राज एवं सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ.कृष्णा मूर्ति शामिल रहे।

सुभारती परिवार के सदस्यों द्वारा बोधि उपवन में एलईडी स्क्रीन पर अयोध्या धाम से सीधा प्रसारण देखा गया। सुभारती समूह के संस्थापक डॉ. अतुल कृष्ण ने सभी को श्रीराम के भव्य, दिव्य एवं अलौकिक मंदिर उद्घाटन की मंगलकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज भारतीय संस्कृति का गौरवशाली दिन है, कि

श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को भारत के हर नागरिक की आस्था के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्ण किया है। उन्होंने कहा कि आज के दिन को सुभारती परिवार ने वृहद दिपावली के रूप में मनाया है। उन्होंने कहा कि श्रीराम हमारी संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के सर्वोत्तम आयामों के प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्रीराम के प्रेम, करूणा, मैत्री जैसे सार्वभौमिक मूल्य विश्व के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि श्रीराम के भव्य मंदिर के उद्घाटन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों को साधुवाद है। इसी क्रम में सुभारती समूह शिक्षा, सेवा, संस्कार एवं राष्ट्रीयता के भाव से राष्ट्रहित में श्रीराम के आदर्शों को पल्लवित कर रहा है। इस अवसर पर चौधरी यशपाल सिंह, संगीता अग्रवाल, चिराग अग्रवाल, सुहानी, प्रतिकुलपति डॉ.अभय शंकर गौड़ा, कुलसचिव (दूशिक) सैयद जफर हुसैन, डॉ. हिरो हितो, डॉ. अंजलि खरे, डॉ. सत्यम खरे, कर्नल राजेश त्यागी, डॉ. आरे. के. घई, डॉ. पिंटू मिश्रा, डॉ. सरताज अहमद, डॉ. प्रदीप राघव, डॉ. सोकिन्द्र कुमार, राजकुमार सागर, अनम शेरवानी सहित सुभारती परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

शोभायात्रा के डीजे में करेंट उतरने से नौ बच्चे झुलसे

■ स्वामीनाथ शुक्ल

अमेठी, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की खुशी में शोभायात्रा निकाली गई थी। लेकिन शोभायात्रा के डीजे में करेंट उतरने से नौ बच्चे झुलस गए हैं। जिससे घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसमें एक बच्चे की हालत गंभीर है। जिससे लखनऊ भेजा गया है। घटना की सूचना पर केंद्रीय मंत्री के अपर सचिव विजय गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश मसाला, पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश मिश्र, जिलाधिकारी राकेश मिश्र और पुलिस कप्तान डा. इलामारन घायलों का हालचाल पूछा। अमेठी में करेंट से बच्चों के झुलसने की खबर पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव एक्स पेज पर लिखा है कि घटना दुखद है। घायलों को इलाज और आर्थिक सहायता की मांग की है। घटना संग्रामपुर थाने के दुर्ई के पुरवा के पास की है। शोभा यात्रा वापस जा रही थी। रास्ते में डीजे के विद्युत लाइन की चपेट में आने से नौ बच्चे झुलस गए हैं। इसमें प्रदीप सिंह, आशीष, सिद्धार्थ सिंह, सुधाकर सिंह, रोहन, दर्शन, नंदन, सूरज, निखिल, शुभम आदि सभी बच्चे हैं। इसमें नंदन की हालत गंभीर है। जिससे लखनऊ रेफर किए हैं। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बद्री प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि घायलों आ इलाज चल रहा है।

मैंने कभी नहीं सोचा था रवीना टंडन के साथ अभिनय करूंगा : वरुण सूद

मुंबई। शो 'कर्मा कॉलिंग' में रवीना के साथ स्क्रीन शेयर करने वाले अभिनेता वरुण सूद ने अभिनेत्री के साथ काम करने को लेकर खुलकर बात की। चाहे वह 90 के दशक के नायक हों या आज की युवा पीढ़ी के अभिनेता, रवीना के साथ स्क्रीन शेयर करना कई लोगों का सपना रहा है, क्योंकि वह प्रतिभा और सुंदरता की धनी हैं। अपने सपने के सच होने के बारे में बात करते हुए वरुण ने कहा कि रवीना के साथ शूटिंग का मेरा अनुभव वास्तव में बहुत मजेदार था। जब मैं बड़ा हो रहा था तो मैंने उन्हें फिल्मों में देखा था और कभी नहीं सोचा था कि मैं वास्तव में उनके साथ अभिनय करूंगा। वह सचमुच मेरे लिए विशेष था। उन्होंने कहा कि वह बहुत विनम्र हैं, आप उनसे बहुत सी चीजें सीख सकते हैं।

जांजगीर-चाम्पा जिले से भगवान राम का बहुत करीब से नाता

शिवरीनारायण में भगवान राम ने खाए थे शबरी के बेर

जांजगीर-चाम्पा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चाम्पा जिले से भगवान राम का बहुत करीब से नाता है। यहां प्रभु श्रीराम ने वनवास का समय बिताया है, मान्यता है कि यहां प्रभु श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाए थे। जांजगीर-चांपा जिले की धार्मिक नगरी शिवरीनारायण को गुप्त प्रयाग कहा जाता है। यहां तीन नदी महानदी, शिवनाथ और जोक नदी का त्रिवेणी संगम है। शिवरीनारायण का नाम माता शबरी और नारायण के अटूट स्नेह के कारण पड़ा और भक्त का नाम नारायण के आगे रखा गया। बड़े मंदिर यानी नर नारायण मंदिर के पुजारी प्रसन्न जीत तिवारी ने बताया कि शिवरीनारायण को छत्तीसगढ़ के जगन्नाथपुरी के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इसी स्थान पर प्राचीन समय में भगवान जगन्नाथ स्वामी का मूल स्थान शिवरीनारायण रहा। आज भी साल में एक दिन माघी पूर्णिमा में भगवान जगन्नाथ शिवरीनारायण आते हैं, यहां मंदिर में रोहिणी कुंड है, जिसका जल कभी कम नहीं होता, भगवान नर नारायण के चरण कुंड में जल हमेशा अभिषेक करता है।

तीन नदी महानदी, शिवनाथ और जोक नदी का त्रिवेणी संगम

कहा जाता है कि यहां एक पेड़ ऐसा है जिसके पत्तों की आकृति दोने के सामान है, माता शबरी ने इसी दोने में राम लक्ष्मण को बेर रख कर खिलाए थे, इस वट वृक्ष का वर्णन सभी युगों में मिलने के कारण इसे अक्षय वट वृक्ष के नाम से जाना जाता है। शिवरीनारायण मठ मंदिर के पुजारी त्यागी महराज ने बताया कि छत्तीसगढ़ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का ननिहाल और उनकी कर्मभूमि भी है। 14 वर्षों के कठिन वनवास काल में श्रीराम ने अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में ही बिताया। माता कौशल्या की जन्मभूमि के कारण छत्तीसगढ़ में श्रीराम को भांजे के रूप में पूजा जाता है। उन्होंने शिवरीनारायण धाम के बारे में बताया कि यही वो पावनभूमि है जहां भक्त और भगवान का मिलन हुआ था। भगवान राम ने शबरी की तपस्या से प्रसन्न होकर न केवल उन्हें दर्शन दिए बल्कि उनकी भक्ति और भाव को देखकर जूठे बेर भी खाए। आज भी शबरी और राम के मिलन का ये पवित्र स्थान आस्था का केंद्र बना हुआ है। अयोध्या में प्रभु राम मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद शिवरीनारायण में भी प्रभु के प्राण प्रतिष्ठा के इस दिन को खास बनाया गया है।

साइकिल प्योर ने शिल्प कौशल का सम्मान करने के लिए 111 फीट की अगरबत्ती का अनावरण किया

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी अगरबत्ती निर्माता साइकिल प्योर अगरबत्ती ने स्थानीय शिल्प कौशल की समृद्ध परंपरा के सम्मान स्वरूप 111 फीट की विशाल अगरबत्ती का अनावरण करके गगनमंडल को सुशोभित किया है। यह भावविभोर करने वाली घटना विविध शिल्पकारी विरासत का समर्थन करने और उसकी कीर्ति को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हमारी हार्दिक प्रतिबद्धता के रूप में, सांस्कृतिक रूप से जीवंत तीन स्थानों अर्थात् मैसूरु, महाराष्ट्र और गोवा में एक साथ हुई। इस अवसर पर प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज की माता सरस्वती ने सम्मानित गण्यमान्य व्यक्तियों, प्रताप सिम्हा, सांसद, मैसूर-कोडागु, और टी.एस. श्रीवत्स, विधायक, कृष्णराज की उपस्थिति में अगरबत्ती को अग्नि प्रज्ज्वलित किया। रंगा परिवार जिसमें श्री गुरु, किरण रंगा, विष्णु रंगा, अनिरुद्ध रंगा और निखिल रंगा ने अवसर की शोभा बढ़ाते हुए हमारी विरासत और पारंपरिक कला रूप को संरक्षित करने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता को दर्शाया। महाराष्ट्र में, मुख्यमंत्री एकनाथ संभाजी शिंदे ने राज्य के समृद्ध शिल्प कौशल का कीर्तिगान किया, जबकि गोवा में, माननीय मुख्यमंत्री, प्रमोद सावंत ने क्षेत्र की अनूठी कलात्मक अभिव्यक्तियों को संरक्षित करने और उसे बढ़ावा देने पर बल दिया। साइकिल प्योर अगरबत्ती की 111 फीट लंबी उत्तम रचना, आधुनिक तकनीक और पारंपरिक कला रूप का साक्षी है।

भाईचारे की मिसाल : कर्नाटक में हिंदू, मुस्लिम समुदायों ने मिलकर की पूजा

कोप्पल। कर्नाटक के कोप्पल शहर में सोमवार को एक स्थानीय श्री राम मंदिर में हिंदुओं और मुसलमानों ने मिलकर विशेष पूजा की। दोनों समुदायों के नेता कोप्पल शहर के भाग्यनगर इलाके में श्री राम मंदिर में एकत्र हुए और भक्तिपूर्वक पूजा में भाग लिया। मुस्लिमों ने हिंदू नेताओं के साथ खड़े होकर भक्तिभाव से पूजा-अर्चना के बाद आरती और प्रसाद ग्रहण किया। इस कदम की राज्य भर में लोगों ने सराहना की। इस संबंध में तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं। इस बीच पुलिस विभाग ने बेंगलुरु के प्रमुख मंदिरों के परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए गश्त भी कर रही थी कि कोई अप्रिय घटना न हो क्योंकि आईटी शहर के मंदिरों, विशेषकर हनुमान और राम मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्त उमड़ रहे हैं।

रामलला प्राण-प्रतिष्ठा पर बॉलीवुड हस्तियों ने व्यक्त की अपनी भावनायें

अयोध्या, 22 जनवरी (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम मंदिर में रामलला विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुई बॉलीवुड की कई मशहूर हस्तियों, संगीतकारों और कवियों ने सोमवार को इस समारोह के संपन्न होने के बाद अपनी भावनायें व्यक्त करते हुए कहा कि देश के इतिहास में आज एक नया अध्याय जुड़ गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में रामलला विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में फिल्म जगत के कई सितारे शामिल हुए। सभी ने इस दिन को लेकर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। इस भव्य कार्यक्रम में शामिल होने आये सदी के महानायक अमिताभ बच्चन, माधुरी दीक्षित नेने, विक्की कौशल, कैटरीना कैफ, आयुष्मान खुराना, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, अभिषेक बच्चन, कंगना रनौत, मधुर भंडारकर और अनुपम खेर और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के अलावा दक्षिण भारत के फिल्म अभिनेता रामचरण तथा कई अन्य हस्तियां भी मंदिर परिसर में मौजूद रहे।

अमिताभ बच्चन पुत्र एवं अभिनेता अभिषेक बच्चन के साथ मंदिर परिसर में अभिनेता एवं 1987 के टीवी धारावाहिक 'रामायण' में भगवान राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल के साथ बातचीत करते नजर आये। उन्होंने एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि सदियों के संघर्ष और लंबी प्रतीक्षा के बाद मानवता के आदर्श भगवान श्री राम पुन: अपने भव्य दिव्य मंदिर में प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं। विश्व के संपूर्ण मानव समाज को भगवान राम लला के प्राण प्रतिष्ठा महा महोत्सव की अशेष हार्दिक बधाइयां और

शुभकामनायें।

अभिनेता अजय देवगन ने एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि यह दिन इतिहास में उस दिन के रूप में याद किया जायेगा जब हमारे देश की हर सड़क 'जय श्री राम' के जयकारे से गूंज उठी थी।

अनुपम खेर ने एक्स पर कहा कि आज मैं दुनिया भर में रह रहे अपने कश्मीरी हिंदू भाई-बहनों को आत्मिक रूप से साथ लेकर श्री राम जी के प्राण प्रतिष्ठा के महा समारोह में भाग ले रहा हूं। आज का दिन भारत के इतिहास का स्वर्णिम दिन है। हर भारतीय को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं! जय श्री राम!

रणबीर कपूर ने कहा कि मैं अपने आप को बहुत भाग्यशाली और धन्य महसूस कर रहा हूं, मुझे ऐसा लग रहा है, काश मैं अपनी बेटी रहा को भी यहां लेकर आता।

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने कहा कि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं कि आज मुझे इस समारोह में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, मैंने आज तक फिल्म में जितनी भी भूमिकायें निभायी हैं सभी में मेरे नाम के साथ श्री राम का नाम जुड़ा है। अभिनेता चिरंजीवी ने कहा कि यह भगवान द्वारा दिया गया अवसर है, हम यहां आकर वास्तव में खुश हैं। महेश बाबू ने एक्स पर कहा कि इतिहास की गूंज और आस्था की पवित्रता के बीच, अयोध्या में राम मंदिर का भव्य उद्घाटन एकता और आध्यात्मिकता का एक कालातीत प्रतीक है। इतिहास को सामने आते देखकर बेहद गर्व महसूस हो रहा है। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए सभी को बधाई दी। अक्षय ने कहा कि श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के पावन दिन पर आप सब को अनेक शुभकामनाएं, जय श्री राम।

शो में मैं अपने स्टंट खुद करना पसंद करती हूं : शेफाली जरीवाला

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सुपरनैचुरल ड्रामा 'शैतानी रस्में' में कपालिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री शेफाली जरीवाला ने अपने स्टंट खुद करने के रोमांचक अनुभव के बारे में बात की।

'कांटा लगा' गर्ल के नाम से मशहूर शेफाली ने 'शैतानी रस्में' से टेलीविजन पर डेब्यू किया। कई बॉडी डबल और स्टंट कलाकारों को चुनने वाले कलाकारों से अलग शेफाली ने अपने विभिन्न स्टंट खुद किए, जिससे शूटिंग का अनुभव उनके लिए बेहद सुखद हो गया।

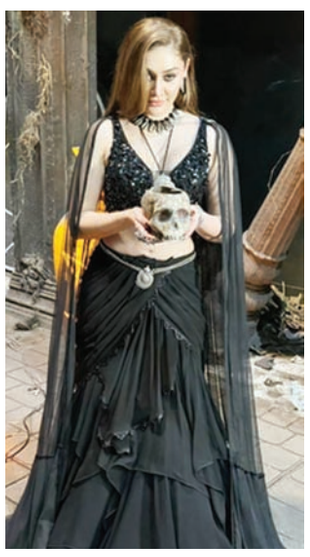

शो में आने वाली अनोखी चुनौतियों के बारे में बात करते हुए शेफाली ने कहा कि सेट पर हर दिन एक रोमांच जैसा लगता है। यह सामान्य शूटिंग का दिन नहीं है। मैं खुद को विभिन्न स्टंट में व्यस्त पाती हूं, चाहे वह पेड़ों पर चढ़ना ही क्यों न हो। शूटिंग का अनुभव बेहद आनंददायक रहा। उन्होंने कहा कि मैं अपने स्टंट खुद करना पसंद करती हूं क्योंकि यह मुझे सीखने और बढ़ने का मौका देते हैं। शैतानी रस्में विशेष प्रभावों और स्टंट की एक महत्वपूर्ण मात्रा की मांग करती है, जैसा इससे शुरुआती एपिसोड से स्पष्ट है। शो में विभव रॉय और नकियाह हाजी भी मुख्य भूमिका में हैं। वर्तमान कहानी में दर्शकों ने निक्की (नकियाह) को भूरानगढ़ से प्रस्थान करने की इच्छा व्यक्त करते हुए देखा है, क्योंकि पीयूष (विभव) के साथ हवेली में आने के बाद से उसे शैतानी रस्में में भाग लेने के लिए मजबूर किया गया है। शैतानी रस्में स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

झारखंड का कोना-कोना राममय, सबसे बड़ी रंगोली सहित दो वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का दावा

रांची, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर सोमवार को झारखंड का कोना-कोना राममय हो गया। राज्य के सभी धर्मस्थलों पर सुबह से ही उत्सवी माहौल रहा। विश्व हिंदू परिषद की ओर से झारखंड के 51हजार मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान, महाआरती, महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। संध्या काल सभी स्थानों पर दीपोत्सव की तैयारी है। पूरे राज्य में कम से कम दस हजार स्थानों पर सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। रांची में मेन रोड में राम मंदिर निर्माण के लिए 500 वर्ष के संघर्ष पर प्रदर्शनी लगाई गई। शहर में दो दर्जन से ज्यादा स्थानों पर

अयोध्या में हो रहे कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। पहाड़ी बाबा मंदिर में भव्य राम दरबार सजाया गया। हरमू रोड में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जमशेदपुर में विवेक मिश्र नामक एक कलाकार ने लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर में दुनिया की सबसे बड़ी रंगोली बनाई है।

प्रभु राम की छवि वाली इस रंगोली का क्षेत्रफल 18,500 वर्गफीट से ज़्यादा है। इसकी लंबाई 165 फीट और चौड़ाई 125 फीट है। इसे बनाने में क़रीब 3 टन रंगोली की खपत हुई है। इसी तरह हजारीबाग में कलाकारों की टोली ने 15 लाख प्लास्टिक बॉटलों के ढक्कनों से राम दरबार की विशाल झांकी बनाई।

दावा किया गया है कि यह भी वर्ल्ड रिकॉर्ड है। देवघर स्थित बाबा वैद्यनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। यहां मंदिर परिसर में राम दरबार की फूलों से भव्य सजावट की गई। सुबह से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

देवघर के सत्संग चौक में अखंड राम संकीर्तन का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध शक्तिपीठ रजरप्पा में फूलों से भव्य सजावट की गई। यहां संध्याकाल 11 हजार दीप जलाए जाएंगे। यहां भी 24 घंटे का अखंड कीर्तन आयोजित किया जा रहा है। हजारीबाग, धनबाद, पलामू, गिरिडीह, कोडरमा, चतरा, दुमका, जामताड़ा सहित विभिन्न शहरों में भव्य शोभायात्राएं निकाली गईं।

अमेजन फैशन एंड ब्यूटी 'हर पल फैशनेबल' बनाने के लिए लेकर आया 2024 के लिए सर्वश्रेष्ठ स्टाइल गाइड

नई दिल्ली 22 जनवरी (एजेंसियां)। जैसे-जैसे नया साल आगे बढ़ रहा है, तब यह पुरानी बातों को भूलने और अपने जीवन के साथ अपने वॉर्डरोब में एक नई शुरुआत करने का समय है। अमेजन फैशन पर नवीनतम ट्रेंड्स के बारे में पता लगाएं, जहां 1200 से अधिक ब्रांड्स के 45 लाख से ज्यादा स्टाइल आपका इंतजार कर रहे हैं। आपकी उंगलियों पर ऑन-ट्रेंड चीजों के लिए अमेजन फैशन आपकी वन-स्टॉप शॉप है। आप चाहे ऐश्वर्य और शाश्वत आकर्षण की खोज कर रहे हों, या बोल्ड जीवंत और साहसी स्टेटमेंट्स को पसंद करते हों, यहां एक स्टाइल है जो आपकी प्रतीक्षा कर रही है। 'गोल्डन पैराडाइज' में कदम रखें और सोने की चमक की तरह अपने रूप को निखारें। 'बारहमासी फूलों' की शाश्वत सुंदरता को अपनाएं या 'ऑल-व्हाइट' की प्राचीन सुंदरता के साथ चमकें। 'मोनोक्रोमैटिक' पहनावे के साथ रंग की कला में महारत हासिल करें, या उज्जवल 'ग्लिटरटी' ट्रेंड के साथ अपने आंतरिक डिस्को दिवा को दुनिया के सामने उजागर करें। संक्षिप्त आकर्षण के स्पर्श के लिए, 'ग्लैम न्यूट्रल्स' की आकर्षक दुनिया की खोज करें। अपने पैलेट में नियॉन का एक पॉप ऐड करें, या मनोरम 'वैम्प चिक' के साथ अपने अंदर छुपे रहस्यों को उजागर करें।

सोनी एंटरटेनमेंट लेकर आया दिल छू लेने वाला पारिवारिक ड्रामा, 'मेहंदी वाला घर'

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। लोगों को आकर्षित करने वाली कहानियों को सामने लाते हुए, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन दर्शकों के लिए एक दिल छू लेने वाला पारिवारिक ड्रामा, 'मेहंदी वाला घर' पेश कर रहा है। भारत में, एक संयुक्त परिवार अभी भी हमारे समाज के ढांचे में एक बड़ी भूमिका निभाता है और यह शो जोश से भरे शहर उज्जैन में रहने वाले अग्रवाल परिवार पर रोशनी डालता है, जहां पूरे उज्जैन में अग्रवाल सदन, 'मेहंदी वाला घर' के नाम से जाना जाता है। इस माहौल में पनपने वाली खुशी, हंसी और एकजुटता की भावना को दर्शाते हुए, मेहंदी वाला घर व्यक्तिगत हितों और आधुनिकीकरण के नाम पर इन रिश्तों से दूर जाने के परिणामों की भी पड़ताल करता है, जैसा कि अग्रवालों के मामले में होता है। शहजाद शेख, विभा छिब्बर, कंवरजीत पेंटल, करण मेहरा, रवि गोसाईं, रुशद राणा, अर्पित कपूर, आस्था चौधरी, गुन कंसारा, उष्मा राठौड़, खालिदा जान और रीमा वोहरा जैसे अन्य कलाकारों की टोली के साथ, यह कहानी पारिवारिक बंधनों का ताना-बाना बुनती है। अग्रवाल परिवार और उनका पुश्तैनी घर निश्चित रूप से दर्शकों को पसंद आएगा, जहां इसमें अलग-अलग किरदारों का प्रासंगिक चित्रण किया गया है, जो एक संयुक्त परिवार में पाए जाते हैं - चाहे वो परिवार की सख्त मुखिया हो, प्यार करने वाले दादा हों, कर्तव्यपरायण बड़े भाई हों, सदेव सेवा में तत्पर रहने वाली बहू हो या मौज-मस्ती करने वाले कज़िंस हों।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश झांकी की थीम

लखनऊ, 22 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम को लेकर झांकी के फ्रंट में मंदिर जैसे बेस पर स्थापित रामलला की सुंदर प्रतिमा को लिया गया है।

विकसित भारत समृद्ध विरासत

ट्रेलर पर सर्वप्रथम कलश के प्रतीक के साथ दो साधुओं को दिखाया गया है प्रयागराज में होने वाले माघ मेले एवं 2025 में होने वाले महाकुंभ का प्रतीक है।

नीचे फ्रिल के ऊपर लोअर एरिया में

प्रभु राम के अयोध्या आगमन के प्रतीकस्वरूप होने वाले दीपोत्सव को दिखाया गया है। अगली तस्वीर दुनिया के चौथे सबसे बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर एयरपोर्ट की है। नोएडा में एशिया की सबसे बड़ी मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री और मोबाइल को उत्तर प्रदेश के मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग का हब बनने के

प्रतीक के तौर पर लिया गया है। पीछे स्क्रीन में एक्सप्रेस वे के माध्यम से 6 संचालित एवं 7 निर्माणाधीन एक्सप्रेस वे वाले प्रदेश के एक्सप्रेस वे-प्रदेश बन जाने को भी दर्शाया गया है।

ट्रैक्टर पर साधुओं के बाद रैपिड रेल का मॉडल है, गाजियाबाद से दुहाई तक संचालित रैपिड रेल सेवा का देश में सर्वप्रथम आगमन उत्तर प्रदेश में हुआ है। सबसे अंत में रैपिड रेल के ऊपर से निकलती हुई ब्रह्मोस मिसाइल को दिखाया गया, उत्तर भारत में जिसका निर्माण सिर्फ उत्तर प्रदेश में हो रहा है। अंत में मेक इन इंडिया का शेर इसका प्रतीक है कि उत्तर प्रदेश किस तरह से देश में ही निर्माण के अभियान को आगे ले जा रहा है।

अस्थमा और फेफड़ों की खराबी का कारण बन सकती है बचपन में हुई फूड एलर्जी

सिडनी, 22 जनवरी (एजेंसियां)। एक शोध से यह बात सामने आई है कि बचपन में हुई फूड एलर्जी से अस्थमा और फेफड़ों की कार्यक्षमता कम हो जाती है। मर्डोक चिल्ड्रेन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के नेतृत्व में किए गए शोध में पाया गया कि प्रारंभिक जीवन में फूड एलर्जी अस्थमा के बढ़ते जोखिम और छह साल की उम्र में फेफड़ों के

अध्ययन में 5,276 शिशु शामिल

विकास में कमी से जुड़ी थी। अध्ययन में 5,276 शिशुओं को शामिल किया गया, जिन्होंने खाद्य एलर्जी के परीक्षण के लिए मूंगफली और अंडे और मौखिक भोजन की चुनौतियों सहित आम फूड एलर्जी के लिए परीक्षण किया। छह साल की उम्र में बच्चों का खाद्य एलर्जी और फेफड़ों के कार्य परीक्षण किया गया। लांसेट चाइल्ड एंड एडोलेसेंट हेल्थ में प्रकाशित नतीजों से पता चला कि छह साल की उम्र तक, 13.7 प्रतिशत ने अस्थमा के डायग्नोसिस की सूचना दी। बिना फूड एलर्जी वाले बच्चों की तुलना में, छह साल की उम्र में फूड एलर्जी वाले शिशुओं में अस्थमा विकसित होने की संभावना लगभग चार गुना अधिक थी। इसका असर उन बच्चों पर सबसे ज़्यादा पड़ा जिनकी फूड एलर्जी छह साल की उम्र तक बनी रही, उन लोगों की तुलना में जिनकी

एलर्जी की उम्र बढ़ चुकी थी। फूड एलर्जी से पीड़ित बच्चों में फेफड़ों की कार्यक्षमता कम होने की संभावना भी अधिक थी।

मर्डोक चिल्ड्रेन में एसोसिएट प्रोफेसर राचेल पीटर्स ने कहा कि बचपन में हुई फूड एलर्जी, चाहे इसका समाधान हो या नहीं, बच्चों में खराब श्वसन परिणामों से जुड़ी हुई थी। यह संबंध बचपन में फेफड़ों के विकास में कमी को देखते हुए वयस्कता में श्वसन और हृदय की स्थिति सहित स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा है। फेफड़ों का विकास बच्चे की ऊंचाई और वजन से संबंधित होता है और फूड एलर्जी वाले बच्चे बिना एलर्जी वाले अपने साथियों की तुलना में छोटे और हल्के हो सकते हैं। यह फूड एलर्जी और फेफड़ों की कार्यप्रणाली के बीच संबंध को समझा सकता है। फूड एलर्जी और अस्थमा दोनों के विकास में समान प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाएं शामिल होती हैं।

पीटर्स ने कहा कि फूड एलर्जी वाले शिशुओं के विकास की निगरानी की जानी चाहिए। हम उन बच्चों को आहार विशेषज्ञ की देखरेख में रहने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो अपनी एलर्जी के कारण भोजन से परहेज कर रहे हैं ताकि स्वस्थ विकास सुनिश्चित करने के लिए पोषण प्रदान किया जा सके। मर्डोक चिल्ड्रेन एंड यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न की प्रोफेसर श्यामली धर्मगे ने कहा कि निष्कर्षों से चिकित्सकों को रोगी की देखभाल में मदद मिलेगी और श्वसन स्वास्थ्य की निगरानी पर अधिक सतर्कता को बढ़ावा मिलेगा। फूड एलर्जी वाले बच्चों को निरंतर प्रबंधन और शिक्षा के लिए क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी या एलर्जी विशेषज्ञ द्वारा प्रबंधित किया जाना चाहिए। प्रोफेसर धर्मेज ने कहा कि चिकित्सकों और माता-पिता को फूड एलर्जी वाले बच्चों में अस्थमा के लक्षणों के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए क्योंकि खराब नियंत्रित अस्थमा गंभीर भोजन-प्रेरित एलर्जी प्रतिक्रियाओं और एनाफिलेक्सिस के लिए एक जोखिम कारक था।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

भारती एयरटेल	3.52 प्रतिशत
एनटीपीसी	3.04 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	2.56 प्रतिशत
टाटा स्टील	2.40 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.38 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इंडसइंड बैंक	3.24 प्रतिशत
एचडीएफ़सी बैंक	1.08 प्रतिशत
कोटक बैंक	0.66 प्रतिशत
एसबीआई	0.10 प्रतिशत
रिलायंस	0.01 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3590-3690
चीनी एम	4150-4250
मिल डिलीवरी	3470-3570
गुड़	4600-4700

दाल-दलहन

चना	5500-5600
दाल चना	6500-6600
मसूर काली	7350-7450
उड़द दाल	10000-10100
मूंग दाल	9550-9650
अरहर दाल	12500-12600

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जारी तेजी के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

स्थानीय उत्पादन बढ़ने से अप्रैल-दिसम्बर में कोयला आयात 40.66 फीसदी घटा

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू कोयले पर आधारित देश का बिजली उत्पादन चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-दिसंबर के दौरान 7.14 प्रतिशत बढ़कर 872 अरब यूनिट हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में बिजली उत्पादन 813.9 अरब यूनिट था। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा, यह देश में बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए कोयले के घरेलू उत्पादन में मजबूत वृद्धि दिखाता है। बिजली की बढ़ती मांग के बावजूद, बिजली संयंत्रों द्वारा कोयले का आयात अप्रैल-दिसंबर के दौरान 40.66 प्रतिशत कम होकर 17.08 मिलियन टन (एमटी) रह गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 28.78 मीट्रिक टन था। बयान में कहा गया है कि यह कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता और कोयला आयात को कम करने के लिए देश की प्रतिबद्धता को दिखाता है। भारत में, बिजली पारंपरिक (थर्मल, परमाणु और पनबिजली) और नवीकरणीय स्रोतों (पवन, सौर, बायोमास आदि) से उत्पन्न होती है। हालांकि,

कोयला बिजली उत्पादन का प्रमुख स्रोत है, जो कुल उत्पादित बिजली का 70 प्रतिशत से अधिक है। चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-दिसंबर के दौरान देश में कोयला आधारित बिजली उत्पादन में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 10.13 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि इसी अवधि के दौरान कुल बिजली उत्पादन में 6.71 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारत में कोयला आधारित बिजली उत्पादन ने देश की ऊर्जा मांगों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत में बिजली की मांग के हिसाब से फिलहाल पर्याप्त ऊर्जा है, जो औद्योगिक विकास, तकनीकी प्रगति, जनसंख्या वृद्धि, आर्थिक विकास आदि जैसे कारकों के संयोजन से प्रेरित है। बयान में कहा गया है कि सरकार कोयला उत्पादन को और बढ़ाने के अपने प्रयासों में लगी हुई है, जिसका लक्ष्य उपलब्धता बढ़ाना और आयातित कोयले पर निर्भरता कम करना है।

देश के पहले एयरबस ए350 विमान ने यात्रियों के साथ भरी बेंगलुरु से मुंबई की उड़ान

बेंगलुरु, 22 जनवरी (एजेंसियां)। एयर इंडिया ने सोमवार को देश के पहले ए350-900 विमान के साथ अपनी पहली शिड्यूल वाणिज्यिक उड़ान शुरू की - जो क्रू के लिए नई बोल्ड एयर इंडिया पोशाक में पहली उड़ान भी थी। फ्लाइट एआई 589 बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से समय पर मुंबई के लिए रवाना हुई, जिसमें जिसमें लगभग सभी सीटें भरी थीं। एयरबस कंपनी के इस विमान को हाल ही में हैदराबाद में विंग्स इंडिया ग्लोबल एविएशन समिट में प्रदर्शन के लिए खड़ा रखा गया था, जहां जनता को आईएफई और विशिष्ट इन-फ़्लाइट सुविधाओं की पहली झलक मिली।

एयर इंडिया के ए350-900 विमान में 316 सीटों के साथ तीन श्रेणी का केबिन कॉन्फ़िगरेशन है - पूरी तरह फ्लैट बेड के साथ 28 निजी बिजनेस सुइट्स, अतिरिक्त लेगरूम और अन्य सुविधाओं के साथ 24 प्रीमियम इकोनॉमी सीटें, और 264 इकोनॉमी सीटें। विमान की सभी

सीटों में बेहतर उड़ान अनुभव प्रदान करने के लिए नवीनतम पीढ़ी के पैनासोनिक ईएक्श3 इन-फ़्लाइट मनोरंजन प्रणाली और एचडी स्क्रीन की सुविधा है जो विमान में हमारे मेहमानों के लिए एक बिल्कुल नई सामग्री पेश करेगी।

रोल्स रॉयस ट्रेंट एक्सडब्ल्यूबी इंजन से सुसज्जित, ये विमान अन्य समान विमानों की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक ईंधन कुशल हैं, ईंधन उत्सर्जन को कम करते हैं और टिकाऊ संचालन सुनिश्चित करते हैं। एआई 589 मंगलवार को छोड़कर सप्ताह के शेष छह दिन संचालित होगा - बेंगलुरु से 0705 बजे प्रस्थान करेगा और 0850 बजे मुंबई में उतरेगा।

तरुण खुल्बे बने जिंदल स्टेनलेस के सीईओ

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) के निदेशक मंडल ने तरुण खुल्बे को मुख्य कार्यकारी अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक के रूप में पदोन्नत करने की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में बताया कि हाल ही में हुई एक बैठक में, बोर्ड ने पेशेवर रूप से प्रबंधित और एकीकृत संगठन संरचना स्थापित करने के उद्देश्य से इस निर्णय को अपनी मंजूरी दी। बोर्ड ने कंपनी का नेतृत्व करने के लिए श्री खुल्बे के असाधारण नेतृत्व कौशल, रणनीतिक दृष्टि और आधारभूत सिद्धांतों के प्रति समर्पण को भी स्वीकार किया है। वह मुख्य कार्यकारी के अलावा पूर्णकालिक निदेशक के पद पर बने रहेंगे जिस पर वह मई 2018 से हैं। उन पर कॉर्पोरेट मामलों, बिक्री एवं विपणन, रणनीतिक पहलों और अनुषंगी कंपनियों की ज़िम्मेदार रही है।लगभग 35 वर्ष का अनुभव रखने वाले श्री खुल्बे ने व्यवसायों के विस्तार और जेएसएल की लाभप्रदता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जेएसएल में अपने लगभग 20 साल के कार्यकाल में, उन्होंने संचालन, व्यवसाय विकास, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन, कर्मचारी व्यवहार और आईटी सक्षमता के सभी क्षेत्रों में समग्र अनुभव प्राप्त किया।

वैश्विक पीसी बाजार में 2023 में शिपमेंट में 14 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि वाणिज्यिक और उपभोक्ता क्षेत्रों में मंदी के कारण 2023 में वैश्विक पीसी बाजार में 14 प्रतिशत (साल-दर-साल) शिपमेंट में गिरावट देखी गई। वैश्विक पीसी बाजार 2023 की चौथी तिमाही में 0.2 प्रतिशत (साल-दर-साल) शिपमेंट में गिरावट के साथ समाप्त हुआ। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, साल-दर-साल शिपमेंट में गिरावट की यह लगातार आठवीं तिमाही थी। विश्लेषकों ने कहा, 'साल के अंत में छुट्टियों का मौसम शिपमेंट रिकवरी को गति देने में विफल रहा। उम्मीद है कि शिपमेंट की गति 2024 की पहली छमाही में वापस आ जाएगी।' रिपोर्ट के

अनुसार, पीसी ओईएम (मूल उपकरण निर्माता) रैंकिंग पूरे 2023 में अपरिवर्तित रही। कम मांग और बड़ी इन्वेंट्री ने पूरे बाजार में शिपमेंट प्रदर्शन को धीमा कर दिया। 2023 में, लेनोवो और एचपी ने क्रमश: 24 प्रतिशत और 21 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बाजार का नेतृत्व किया, बाद में अच्छी रीस्टॉकिंग गति के कारण उत्तर अमेरिकी बाज़ार में केवल 5 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) शिपमेंट में गिरावट दर्ज की गई। 16 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ, डेल को सुस्त वाणिज्यिक मांग के कारण शिपमेंट में 20 प्रतिशत की गिरावट का अनुभव हुआ। शिपमेंट में 14 प्रतिशत की गिरावट के साथ, एप्पल ने 2023 को लगभग 9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ समाप्त किया। इसके अलावा, विश्लेषकों का मानना है कि एआई पीसी 2024 में सुर्खियों में रहेंगे क्योंकि इंटेल और एएमडी दोनों के पास अगली पीढ़ी के एआई पीसी के लिए सीपीयू समाधान (मेटियोर लेक और हॉक प्वाइंट) हैं। 2023 की चौथी तिमाही में, पीसी विक्रेताओं ने भी विभिन्न खंडों में नए एआई पीसी उत्पादों की घोषणा करना जारी रखा।

सार संक्षेप

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी एस24 सीरीज की रिकॉर्ड 2.5 लाख प्री-बुकिंग की

नई दिल्ली। सैमसंग की हाल ही में लॉन्च हुई फ्लैगशिप गैलेक्सी एस24 सीरीज सबसे सफल गैलेक्सी एस सीरीज बन गई है। कंपनी ने कहा कि भारत में केवल तीन दिनों में रिकॉर्ड 250,000 प्री-बुकिंग हुई। इसकी तुलना में, सैमसंग ने पिछले साल देश में तीन सप्ताह की अवधि में अपनी गैलेक्सी एस23 सीरीज के लिए 250,000 प्री-बुकिंग हासिल की थी। कंपनी ने 17 जनवरी को वैश्विक स्तर पर नई गैलेक्सी एस24 सीरीज लॉन्च की और 18 जनवरी को देश में प्री-बुकिंग शुरू की। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू पुलन ने कहा, 'गैलेक्सी एआई द्वारा संचालित गैलेक्सी एस24 सीरीज, मोबाइल क्रांति के एक नए युग की शुरुआत करती है और नई संभावनाओं को खोलने के लिए उपभोक्ताओं के हाथों में एआई की शक्ति देती है।' गैलेक्सी एस24 अल्ट्रा और गैलेक्सी एस24 प्लस की प्री-बुकिंग करने वाले ग्राहकों को 22,000 रुपये का लाभ मिलेगा और गैलेक्सी एस24 की प्री-बुकिंग करने वालों को 15,000 रुपये का लाभ मिलेगा। गैलेक्सी एस24 डिवाइस की बिक्री 31 जनवरी से शुरू होगी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने राम लला प्राण प्रतिष्ठा का जश्न मनाया

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज 22 जनवरी को छुट्टी घोषित करने वाले पहले निजी संगठनों में से एक था, ताकि लाखों कर्मचारी परिवार के साथ जश्न मना सकें और श्री राम लला के भक्तिपूर्ण 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में शामिल हो सकें। 'युग में एक बार' होने वाले इस आयोजन को देखने के लिए अंबानी परिवार के सभी सदस्य अयोध्या में मौजूद थे। देश भर में रिलायंस परिसर के विभिन्न मंदिर भी कल विशेष पूजा के साथ जश्न मनाएंगे। इनमें मुंबई, जामनगर, दहेज, नागोथाने, हजीरा, सिलवासा, हलोल, होशियारपुर, नागपुर, शहडोल, काकीनाडा और कई अन्य स्थानों में विभिन्न मंदिर शामिल हैं। इसके अलावा, रिलायंस जियो और रिलायंस रिटेल ने राम भक्तों, भक्तों और तीर्थयात्रियों के लाभ के लिए कई विशेष सेवाएं सक्रिय की हैं।

अमेरिकी विमानन एजेंसी बोइंग विमान के दूसरे मॉडल का भी करेगी निरीक्षण

लंदन। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि इस महीने की शुरुआत में अमेरिका में बोइंग के एक विमान के अप्रयुक्त दरवाजे के उड़ान के दौरान उखड़ने के बाद दूसरे बोइंग विमान मॉडल की जांच की जाएगी। जमीन से हजारों फीट ऊपर एक केबिन पैनल टूट जाने के बाद अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने 737 मैक्स 9 बेड़े में से 170 से अधिक की उड़ान रोक दी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एजेंसी ने कहा कि एयरलाइंस को पुराने 737-900ईआर मॉडल का भी निरीक्षण करना चाहिए, जिसमें दरवाजे की डिजाइन उसी तरह का है। एफएए ने इस कदम को 'सुरक्षा की अतिरिक्त परत' बताया।

कुरुवई धान की पैदावार 25 प्रतिशत कम होने से तमिलनाडु के किसान निराश

चेन्नई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में कुरुवई धान का मौसम लगभग खत्म होने के साथ राज्य के किसान बेहद निराश हैं। वह अच्छी फसल की उम्मीद कर रहे थे। तमिलनाडु के डेल्टा बेल्ट में कुरुवई धान की पैदावार उम्मीद से 25 प्रतिशत से नीचे गिर गई है। जबकि किसान प्रति एकड़ न्यूनतम 30 बोरी धान की उम्मीद कर रहे है, कई मामलों में यह 25 बोरी से नीचे चला गया है जिससे नुकसान हुआ है। प्रत्येक बोरी धान का वजन लगभग 80 किलोग्राम है।

तमिलनाडु के धान के कटोरे तंजावुर के एक किसान आर.के. शिवरामन ने आईएएनएस को बताया कि कुरुवई की फसल के बाद उम्मीदें टूट गईं, और उन्होंने कहा कि कावेरी नदी से पानी की कम आपूर्ति इसके पीछे मुख्य कारण है। मेट्टूर बांध 12 जून को खोला गया था, कावेरी नदी से पानी की आपूर्ति अनियमित थी, और तमिलनाडु को पानी छोड़ने में कमी को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक राज्यों के बीच झड़पें हुईं। किसानों ने

आईएएनएस को बताया कि जो लोग भूजल पर निर्भर थे, उन्हें अधिकतम पैदावार मिली और ऐसे किसान भी थे जो एक एकड़ खेत से 50 बोरी धान भी काट सकते थे।

किसानों ने 3.25 लाख एकड़ धान की खेती का लक्ष्य हासिल कर लिया था, लेकिन कावेरी से पानी की आपूर्ति अनियमित होने के बाद पैदावार कम हो गई। किसान अच्छे दक्षिण पश्चिम मानसून की उम्मीद कर रहे थे लेकिन यह भी वैसी नहीं रही जैसी उम्मीद थी। किसान संघ के नेता के. करुप्पुसामी ने कहा, 'हम प्रति एकड़ 2,400 किलोग्राम धान की फसल की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन यह काफी कम हो गई है और जिन लोगों को कम से कम 2,100 किलोग्राम धान मिला, वे काफी भाग्यशाली हैं। हमें नुकसान हुआ है और लगातार नुकसान से किसानों के लिए बड़ी वित्तीय संकट पैदा हो जाएगा।'

एनएआर इंडिया ने अपने 16वें वार्षिक रियल एस्टेट कन्वेंशन-नार्विगेट-2024 की घोषणा की

नई दिल्ली, 22 जनवरी (देशबन्धु)। देश भर के रीयलटर्स के लिए एक अग्रणी संघ एनएआर-इंडिया, अपने बहुप्रतीक्षित 16वें वार्षिक रियल एस्टेट कन्वेंशन - नार्विगेट 2024 के लॉन्च की घोषणा करते हुए गर्व महसूस करता है। यह कन्वेंशन 29 फरवरी से 2 मार्च, 2024 तक मनमोहक, लुभावने तटीय राज्य गोवा में आयोजित किया जाएगा। यह तीन दिवसीय समारोह 1500 से अधिक रियल एस्टेट प्रोफेशनल्स के लिए एक बड़े और बेहतरीन बदलाव का अनुभव प्रदान करने का दावा करता है, जो देश और दुनिया भर के दूरदर्शी, थॉट लीडर्स और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स को अपनी ओर खींचेगा। इस आयोजन का उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं और देश के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देकर उन्हें प्रकट करना है जिससे भारत की 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करने की आकांक्षा को पूरा करने में योगदान दिया जा सके। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में वर्तमान और भविष्य के ट्रेंड्स पर चर्चा करने के लिए सरकार, रेगुलेटरी बॉडीज, रियल एस्टेट इंडस्ट्री के दिग्गज और प्रतिष्ठित लोग इस आयोजन में इकठ्ठा होंगे और विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। नार्विगेट 2024 देश और दुनिया भर के रियलटर्स, डेवलपर्स, इन्वेस्टर्स और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स सहित इंडस्ट्री लीडर्स को एक साथ एक मंच पर लाएगा।

रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए भारत का सबसे बड़ा व्यापार मंच

यह आयोजन 16वें एनएआर-इंडिया राष्ट्रीय सम्मेलन की सेंट्रल थीम के मुताबिक इंडस्ट्रीयल रियल एस्टेट और वेयरहाउसिंग में महत्वपूर्ण चुनौतियों और अवसरों का पता लगाएगा। 'लीप' डे (29 फरवरी) का प्रतीकात्मक संबंध प्रगति, नए परिवर्तन और आगे बढ़ने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। वर्ष का यह अतिरिक्त दिन इंडस्ट्री लीडर्स के साथ जुड़ने, नए संगठन बनाने और योजनाओं के व्यावहारिक क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्राप्त करने का एक अद्भुत अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम के बारे में श्री अमित चोपड़ा, प्रेसिडेंट (एनएआर इंडिया) ने कहा कि 'ज्ञान, नवाचार और सहयोग के साथ रियल एस्टेट इंडस्ट्री को सशक्त बनाना हमारे मिशन का केंद्र है। हम एनएआर-इंडिया के साथ भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, हमारा ध्यान भारतीय रियल एस्टेट के गतिशील और बदलते परिदृश्य में ब्रोकरों, डेवलपर्स, जमीन मालिकों, इन्वेस्टर्स और बैंकर्स की तरक्की को बढ़ावा देने और उत्कृष्टता लाने पर केंद्रित है।'

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मांग कमजोर रहने से दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में फरवरी का पाम ऑयल वायदा 35 रिंगिट फिसलकर 3927 रिंगिट प्रति टन रह गया। वहीं, फरवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.30 सेंट की बढ़त के साथ 47.20 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

जी द्वारा कथित उल्लंघन के लिए सोनी ने नौ करोड़ डॉलर का समझौता समाप्ति शुल्क मांगा

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सोनी ने जी इंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) के साथ विलय समझौते को समाप्त करते हुए उस पर विलय सहयोग समझौता (एमसीए) की शर्तों के कथित उल्लंघन का आरोप लगाया और नौ करोड़ डॉलर की समझौता समाप्ति शुल्क की मांग की। उसने भारतीय कंपनी के खिलाफ मध्यस्थता मामला शुरू करते हुए आपातकालीन अंतरिम राहत की मांग की है। ज़ी एंटरटेनमेंट ने एमसीए के कथित उल्लंघनों के संबंध में कल्वर मैक्स और बीईपीएल द्वारा किए गए सभी दावों का स्पष्ट रूप से खंडन किया है। उसने कहा कि उसके पास इस मामले में सभी उपायों के अधिकार सुरक्षित हैं। कंपनी ने कहा कि वह बोर्ड से प्राप्त मार्गदर्शन के अनुरूप अपने हितधारकों के दीर्घकालिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी। इसमें उचित कानूनी कार्रवाई करना और कल्वर मैक्स तथा बीईपीएल के मध्यस्थता कार्रवाई के दावों का मुकाबला करना शामिल है।

जेडईईएल ने आज आयोजित अपनी बोर्ड मीटिंग में कल्वर मैक्स इंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया) और बांग्ला एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ('बीईपीएल') से 22 जनवरी 2024 को प्राप्त संचार को रिकॉर्ड में लिया जिसमें 21 दिसंबर 2021 के एमसीए को समाप्त करने, और कथित उल्लंघनों के कारण नौ करोड़ डॉलर की समाप्ति शुल्क की मांग की गई है।

जेडईईएल स्पष्ट रूप से एमसीए की शर्तों के तहत कथित उल्लंघनों पर कल्वर मैक्स और बीईपीएल द्वारा उठाए गए सभी दावों से इनकार करता है, जिसमें समाप्ति शुल्क के उनके दावे भी शामिल हैं। निदेशक

मंडल ने नोट किया कि जेडईईएल द्वारा सभी प्रयास और कदम विलय सहयोग समझौते के अनुरूप उठाए गए थे, जिसे उसके शेयरधारकों और सभी नियामक अधिकारियों द्वारा अनुमोदित किया गया था। जेडईईएल ने शेयरधारकों के हित में उल्लिखित योजना के कार्यान्वयन की दिशा में लगातार काम किया है। जेडईईएल ने विलय पूरा होने की समयसीमा बढ़ाने पर विचार करने के उद्देश्य से कल्वर मैक्स और बीईपीएल के साथ कई विचार-विमर्श और सद्भावना वार्ताएं भी कीं, जो सफल नहीं हुईं। जेडईईएल ने व्यवस्था की समग्र योजना के संबंध में 21 दिसंबर 2021 को कल्वर मैक्स और बीईपीएल के साथ विलय सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसे 10 और 11 अगस्त 2023 को माननीय राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एन) की मुंबई पीठ द्वारा अनुमोदित किया गया था।

MCA के तहत, ZEE ने लेन-देन पूरा करने के लिए अंतिम तिथि को उचित अवधि तक बढ़ाने पर आपसी समझौते पर पहुंचने के लिए कल्वर मैक्स और BEPL को 30 दिनों की अवधि के लिए सद्भावना वार्ता में प्रवेश करने की आवश्यकता के अपने अधिकार का प्रयोग किया। एमसीए की शर्तों के अनुसार। जेडईईल ने लेनदेन की समाप्ति के लिए अधिकतम छह महीने की अवधि के विस्तार का प्रस्ताव रखा, हालांकि, कल्वर मैक्स ने विस्तार के लिए कोई जवाबी प्रस्ताव नहीं दिया।

खेल जगत

मैक्सवेल को अस्पताल में होना पड़ा भर्ती, जांच में जुटी सीए

नई दिल्ली, 22 जनवरी (आईएएनएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उस घटना की जांच कर रहा है, जिसके कारण 19 जनवरी को ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को एडिलेड में कुछ देर के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। डेली टेलीग्राफ के अनुसार, यह घटना तब हुई जब मैक्सवेल ब्रेट ली के बैंड सिक्स एंड आउट में भाग ले रहे थे। इस घटना का कारण क्या है यह अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन, रिपोर्ट के मुताबिक मैक्सवेल को एडिलेड में एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, वो थोड़े समय के लिए ही भर्ती थे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार, मेलबर्न स्टार्स के बिग बैश लीग (बीबीएल) अभियान के समापन के बाद मैक्सवेल एक सेलिब्रिटी गोल्फ कार्यक्रम के लिए एडिलेड में थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान जारी कर घटना को स्वीकार किया और आगे की जांच करने के अपने इरादे की पुष्टि की।

विराट 'निजी कारणों' से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू के दो टेस्ट नहीं खेलेंगे

- विराट ने कप्तान और टीम प्रबंधन को अपने फैसले की बाबत बताया
- बोर्ड ने कहा विराट की जगह अन्य खिलाड़ी की घोषणा जल्द

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 22 जनवरी (देशबन्धु)। भारत के धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से मेहमान इंग्लैंड टीम के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की दो सीरीज के शुरू दो टेस्ट नहीं खेलेंगे।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई ने बताया कि विराट कोहली के शुरू दो टेस्ट नहीं खेलने पर उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को टीम में शामिल करने की घोषणा जल्द ही की जाएगी। भारत और मेहमान इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में और दूसरा टेस्ट 2 फरवरी से विशाखापट्टनम में शुरू हो रहा होगा।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा, विराट ने भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से बातचीत करते हुए कि भारत की नुमाइंगी करना हमेशा मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता रही है लेकिन कुछ ऐसे निजी हालात होते हैं कि जो निजी तौर पर उनकी नुमाइंदगी और केवल उनका ध्यान चाहते हैं। हम विराट के फैसले का सम्मान करते हैं । बोर्ड और टीम प्रबंधन पूरी तरह विराट के साथ है और उन्हें टीम के बाकी सदस्यों की क्षमता पर पूरा भरोसा है। हम मीडिया और प्रशंसकों से अनुरोध करते हैं कि वे इस समय विराट की निजता का सम्मान करे और उनके निजी कारणों से सीरीज के शुरू के दो टेस्ट से हटने को लेकर किसी तरह का कयास लगाने से बचे। फोकस भारतीय टीम के समर्थन पर होना चाहिए क्योंकि हमारी भारतीय टीम मेहमान इंग्लैंड टीम के खिलाफ एक अहम टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है।'

विराट कोहली ने भारत के लिए मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ड्रॉ रही दो टेस्ट की सीरीज में खेले थे और इसके बाद वह मेहमान अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 मैचों की सीरीज के पहले अंतर्राष्ट्रीय मैच में भी निजी कारणों से टीम इंडिया से बाहर रहे थे लेकिन अंतिम दो टी-20 मैचों में देश के लिए खेले थे। श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम में मध्यक्रम में दो विकल्प हैं ही खालिस बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल भी विराट कोहली की जगह एक अच्छा व विकल्प हैं। साथ केएल राहुल, केएस भरत और ध्रुव जुरेल विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में टीम इंडिया के पास विकल्प है। भारत के पास इंडिया ए के लिए इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ शतक जड़ने वाले रजत पाटीदार को भी अपनाने का विकल्प है।

भारत की पुरुष क्रिकेट टीम फ़िलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरे स्थान पर चल रही है। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक्स के भी निजी कारणों से पूरी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

विराट के विकल्प का ऐलान नहीं

बीसीसीआई ने अभी तक कोहली की जगह किसी अन्य खिलाड़ी के नाम की घोषणा नहीं की है, लेकिन दौड़ में सबसे आगे चेतेश्वर पुजारा, रजत पाटीदार, अभिमन्यु ईश्वरन और सरफराज खान शामिल हैं। पुजारा ने आखिरी बार भारत के लिए पिछले वर्ष विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेला था। इस साल की रणजी ट्रॉफी की शुरुआत झारखंड के खिलाफ नाबाद दोहरे शतक और अपने अगले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए एक अर्धशतक लगाया। वहीं पाटीदार और सरफराज दोनों ने इंग्लैंड लायंस के दौरे के खिलाफ भारत ए के लिए खेला और प्रभावित किया। पाटीदार ने उनके खिलाफ दोनों दूर गेम और पहले अनोपचारिक टेस्ट में शतक लगाया, जबकि सरफराज ने दोनों मैचों में अर्धशतक बनाए। अभिमन्यु ने दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट के लिए भारत के रिजर्व ओपनर के रूप में घायल रुतुराज गायकवाड़ की जगह ली थी और वर्तमान में भारत ए की कप्तानी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की श्रृंखला 25 जनवरी को हैदराबाद में शुरु होगी।

इंग्लैंड के खिलाफ रोहित अपनी दोहरी जिम्मेदारी निभाने को तैयार : जहीर

नई दिल्ली, 22 जनवरी (आईएएनएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज शुरू होने में तीन दिन बाकी हैं। ऐसे में बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान का मानना है कि सलामी बल्लेबाज और टीम के कप्तान के रूप में अपनी दोहरी भूमिका को लेकर रोहित शर्मा के दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होगा।

घरेलू मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ 2021 टेस्ट श्रृंखला के दौरान रोहित ने चार मैचों में 57.50 की औसत से 345 रन बनाए थे।

श्रृंखला में उनका उच्चतम स्कोर चेन्नई में दूसरे टेस्ट में 161 रन था। कुल मिलाकर रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ नौ टेस्ट मैचों में 49.80 की औसत से 747 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं।

जब से रोहित टेस्ट में सलामी बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने सबसे कठिन परिस्थितियों में कुछ शानदार शतक बनाए हैं। जहीर खान ने जियो सिनेमा से कहा, आपने इसे चेन्नई में देखा है जब उन्होंने एक शानदार पारी खेली थी। टॉस जीतना, पहले बल्लेबाजी करना और पहली पारी में प्रतिद्वंद्वी को पूरी तरह से मैच से दूर रखना आसान नहीं है। इस तरह की भूमिका निभाना कुछ ऐसा है जो किसी भी खिलाड़ी को उच्चतम स्तर पर खेलते हुए संतुष्टि देता है।

जब दोनों टीमें आखिरी बार 2021 में भारत में भिड़ी थी। तब भारत ने 3-1 से सीरीज जीत हासिल की थी। हालांकि, सीरीज का पहला मुकबाला इंग्लैंड ने जीता था। स्टोक्स-मैकुलम नेतृत्व समूह के तहत इंग्लैंड ने अभी तक एक भी टेस्ट श्रृंखला नहीं हारी है। 2012 में 2-1 की जीत के बाद से मेहमान टीम अपनी आक्रामक खेल शैली के साथ श्रृंखला जीतने का लक्ष्य बना रही है।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला होने के कारण, जहीर को लगता है कि रोहित को कोच द्रविड़ के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत घर पर लंबे असाइनमेंट में खिलाड़ियों को कैसे रोटेट करता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच आगामी श्रृंखला 25 जनवरी को हैदराबाद में शुरू होगी। इसके बाद अन्य मैच विशाखापत्तनम (2-6 फरवरी), राजकोट (15-19 फरवरी), रांची (23-27 फरवरी) और धर्मशाला (7-11 मार्च) में होंगे।

जहीर को यह भी उम्मीद है कि रोहित आगे बढ़कर नेतृत्व करेंगे, जो उनकी नेतृत्व शैली की विशेषता रही है। जहिर ने कहा, यह उनकी कप्तानी की पहचान रही है और वह आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं। जैसा कि विश्व कप में देखा गया था। वह टीम के साथ बात कर अपनी रणनीति बनाता है। जब आपके पास बातचीत को आगे बढ़ाने वाला एक लीडर होता है, तो इससे टीम को एक विशेष लाभ मिलता है। इसलिए, मुझे लगता है कि वह एक शानदार कप्तान हैं।

आपने रोहित को चेन्नई में देखा है जब उन्होंने एक शानदार पारी खेली थी। टॉस जीतना, पहले बल्लेबाजी करना और पहली पारी में प्रतिद्वंद्वी को पूरी तरह से मैच से दूर रखना आसान नहीं है। इस तरह की भूमिका निभाना कुछ ऐसा है जो किसी भी खिलाड़ी को उच्चतम स्तर पर खेलते हुए संतुष्टि देता है: रोहित शर्मा

आईसीसी टी20 टीम ऑफ द ईयर 2023 में 4 भारतीय, सूर्या बने कप्तान

- यशस्वी जायसवाल, रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह भी टीम में शामिल
- सूर्यकुमार को लगातार दूसरे वर्ष की पुरुष टी20 टीम में नामित किया गया
- ह्हभारतीय क्रिकेट टीम की भी कप्तानी संभाल चुके हैं सूर्यकुमार

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के मध्यक्रम बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को आईसीसी पुरुष टी20 टीम ऑफ द ईयर का कप्तान चुना गया। जिसमें यशस्वी जायसवाल, रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं।

जबकि, आईसीसी महिला टी20 टीम ऑफ द ईयर में ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। सूर्यकुमार को लगातार दूसरे वर्ष की पुरुष टी20 टीम में नामित किया गया है। साथ ही वो वर्तमान में वर्ष के टी20 पुरुष क्रिकेटर की दौड़ में भी हैं। 2023 की उनकी पहली पारी श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ सात रन थी।

उन्होंने अगले दो मैचों में 51(36) और नाबाद 112 (51) के स्कोर के साथ वापसी की। उन्होंने लगातार स्कोरिंग जारी रखी। इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ 83 (44) की पारी ने सभी को सबसे छोटे प्रारूप में उनकी क्षमताओं की याद दिला दी। उन्होंने फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ 61 (45) की पारी के साथ श्रृंखला समाप्त की।

सूर्यकुमार ने भारत की टी20 कप्तानी भी संभाली, क्योंकि रोहित शर्मा प्रारूप से ब्रेक पर थे, जबकि, हार्दिक पांड्या चोटिल होने के कारण टीम से बाहर थे। उन्होंने 4-1 सीरीज़ जीत में ऑस्ट्रेलिया (42 गेंदों पर 80 रन) और दक्षिण अफ्रीका (36 गेंदों पर 56 रन) के खिलाफ अर्धशतक बनाए।

साल के अपने अंतिम टी20 में प्रोटियाज़ के खिलाफ सिर्फ 56 गेंदों पर 100 रन बनाए, जहां भारत ने 2-1 से सीरीज जीती। इस टीम में भारत के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया, जबकि रवि बिश्नोई, यशस्वी जायसवाल और अर्शदीप सिंह टीम में शामिल किए जाने वाले तीन अन्य भारतीय रहे।

आईसीसी टीम ऑफ ईयर

सूर्यकुमार यादव (कप्तान) (भारत), यशस्वी जायसवाल (भारत), फिल साल्ट (इंग्लैंड), निकोलस पूरन (वेस्टइंडीज), मार्क चापमन (न्यूजीलैंड), सिकंदर रजा (जिम्बाब्वे), अल्पेश रमजानी (यूगांडा), मार्क अडायर (आयरलैंड), रवि बिश्नोई (भारत), रिचर्ड नगारवा (जिम्बाब्वे), अर्शदीप सिंह (भारत)।

आईसीसी महिला टी20 टीम ऑफ़ द ईयर 2023

चमारी अथापथु (कप्तान) (श्रीलंका), बेथ मूनी (विकेटकीपर) (ऑस्ट्रेलिया), लॉरा वोल्वार्ड्ट (दक्षिण अफ्रीका), हेले मैथ्यूज (वेस्टइंडीज), नेट साइवर-ब्रंट (इंग्लैंड), अमेलिया केर (न्यूजीलैंड), एलिस पेरी (ऑस्ट्रेलिया), ऐश गार्डनर (ऑस्ट्रेलिया), दीप्ति शर्मा (भारत), सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड) मेगन शुट्ट (ऑस्ट्रेलिया)

महिला टीम में दीप्ति अकेली भारतीय खिलाड़ी

वर्ष की महिला टी20 टीम में दीप्ति एकमात्र भारतीय हैं, जिन्होंने जगह बनाई है। ऑफ स्पिनर ने 17 पारियों में 21 विकेट लिए, जिसमें साल की शुरुआत में चार बार तीन विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया ने फ्रेजर-मैकगर्क और बार्टलेट को किया एकदिवसीय टीम में शामिल

मेलबर्न 22 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क और नये तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए एकदिवसीय टीम में शामिल किया है।

वहीं ग्लेन मैक्सवेल को आराम दिया गया है तथा झे रिचर्डसन चोट के कारण बाहर हो गए हैं। फ्रेजर-मैकगर्क ने विक्टोरिया से दक्षिण ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद घरेलू सत्र की शुरुआत में मार्श कप में 29 गेंदों में विश्व-रिकॉर्ड शतक लगाया था। उन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए बीबीएल में 32.12 की औसत और 158.64 की स्ट्राइक रेट से 257 रन बनाने से पहले अपनी पूर्व टीम के खिलाफ पहला प्रथम श्रेणी शतक भी बनाया। कुछ दिन पहले उन्होंने आईएलटी-20 में दुबई कैपिटल्स के लिए पदार्पण के दौरान 25 गेंदों पर 54 रनों की पारी खेली थी।

वहीं बार्टलेट ने इस सत्र के बीबीएल में ब्रिस्बेन हीट के साथ अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्हें हाल ही में चोट के कारण टीम से बाहर हुये रिचर्डसन की जगह टीम में शामिल किया गया है। बार्टलेट अपनी तेज आउटस्विंग से सबका आकर्षित किया है। उन्होंने हीट की ओर से खेलते हुए पावरप्ले में महत्वपूर्ण विकेट और डेथ ओवरों में भी अहम भूमिका निभाई है।

ऑस्ट्रेलिया के सभी प्रारूपों के तेज गेंदबाजों

पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को तीन एकदिवसीय मैचों के लिए आराम दिया गया है। स्टीवन स्मिथ टीम की कप्तानी करेंगे और मिशेल मार्श को भी आराम दिया गया है।

वेस्टइंडीज मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम इस प्रकार है

स्टीवन स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, लांस मॉरिस, मैट शॉर्ट और एडम जम्पा

सार संक्षेप

चोट के कारण एहेन मुनोज ला लीगा के पूरे सीजन से बाहर

मैड्रिड। ला लीगा में रियल सोसिएदाद को शेष सत्र में लेफ्ट-बैक ऐहेन मुनोज़ के बिना मैदान में उतरना होगा। क्लब ने पुष्टि की है कि शनिवार रात को सेल्टा विगो के खिलाफ 1-0 की जीत में उनका क्रूसिएट लिगामेंट फट गया था, जिसके कारण उन्हें बीच मैच में ही बाहर होना पड़ा। मैच के 39वें मिनट में डिफेंडर को मैदान छोड़ना पड़ा और रविवार को किए गए जांच से पुष्टि हुई कि वह कम से कम अगस्त तक मैदान से बाहर रहेंगे। क्लब ने बयान में कहा, एहेन मुनोज़ की जांच के बाद पता चला है कि उनके बाएं घुटने में आगे का क्रूसिएट लिगामेंट फट गया है। उनकी अगले कुछ दिनों में सर्जरी होगी। अब किरन टियरनी रियल सोसिएदाद टीम में एकमात्र उपलब्ध लेफ्ट-बैक रह गए हैं, जो कोपा डेल रे और यूईएफए चैंपियंस लीग के साथ-साथ ला लीगा में भी शामिल है। रियल सोसिएदा एशियाई और अफ्रीकी कप में टेकफुसा कुबो और हेमारी ट्राओरे के बिना खेल रहा है। जबकि कार्लोस फर्नांडीज, अल्वारो ओड्रियोज़ोला, एंडर बैरेनेटेक्सिया और मार्टिन भी कोपा डेल रे क्वार्टर फाइनल के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच खेलेंगे उस्मान ख्वाजा

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को वेस्टइंडीज के खिलाफ गाबा में 25 जनवरी से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलने की मंजूरी दे दी गई है।एडिलेड में श्रृंखला के शुरुआती मैच में चोट लगने के बाद उन्होंने सभी प्रोटोकॉल को पूरा कर लिया है। एडिलेड ओवल में जहां ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को दस विकेट से हराया। उस्मान ख्वाजा को डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज शमर जोसेफ की एक शॉर्ट गेंद हेलमेट पर लगी और उन्हें जीत के लिए आवश्यक एक रन के साथ रिटायर हर्ट होना पड़ा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक बयान में कहा गया, उस्मान ख्वाजा को ब्रिस्बेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच खेलने के लिए मंजूरी दे दी गई है। ब्रिस्बेन में डे-नाइट टेस्ट के लिए ख्वाजा की उपलब्धता को मंजूरी मिलने का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग-11 में बिना किसी बदलाव के साथ मैदान में उतर सकती है। अगर हीट बुधवार को सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ होने वाले बीबीएल फाइनल में पहुंचती है, तो रेनशॉ खिताबी मुकाबले में शामिल हो सकते हैं, जो ब्रिस्बेन टेस्ट शुरू होने से ठीक एक दिन पहले शुरू होगा। ब्रिस्बेन में जीत से ऑस्ट्रेलिया का अंतरराष्ट्रीय घरेलू समर में जीत का रिकॉर्ड 5-0 हो जाएगा, इससे पहले उसने पाकिस्तान को 3-0 से हराया था।ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम- पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क

इंग्लैंड सीरीज के जरिए जायसवाल टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की करेंगे : गावस्कर

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज से पहले भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि यह युवा खिलाड़ी इंग्लैंड श्रृंखला के अंत तक भारतीय टेस्ट टीम में अपनी स्थिति मजबूत करेगा। भारत और इंग्लैंड 25 जनवरी से हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पहले मैच के लिए आमने-सामने होंगे।

भारत का लक्ष्य इंग्लैंड के खिलाफ अपने प्रभावशाली घरेलू रिकॉर्ड को आगे बढ़ाना है, जिसने 2016/17 सीरीज में 4-0 से और 2020/21 में 3-1 और जीत हासिल की थी। गावस्कर ने बाएं हाथ के बल्लेबाज की घरेलू परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की क्षमता का हवाला देते हुए जायसवाल के प्रदर्शन के बारे में अपनी बात रखी।

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, मुझे लगता है कि इस सीरीज के बाद वह खुद को भारतीय टेस्ट टीम में पूरी तरह से स्थापित कर लेंगे। साथ ही जायसवाल घरेलू परिस्थितियों में आसानी से जम जाएंगे। 74 वर्षीय ने श्रेयस अय्यर का भी जिक्र किया और उम्मीद जताई कि यह बल्लेबाज इंग्लैंड के खिलाफ चमकेंगे। भारत के लिए 12 टेस्ट मैचों में 39.27 की औसत से 707 रन बनाने वाले अय्यर के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालिया संघर्ष ने चिंता बढ़ा दी है। गावस्कर ने विश्व कप के दौरान भारतीय पिचों पर अय्यर के शानदार प्रदर्शन को याद करते हुए टेस्ट सीरीज में भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

अर्जेंटीना, बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया के साथ पूल बी में भारत

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता भारत को पेरिस में 33वें ओलंपिक खेलों की हॉकी प्रतियोगिता में गत चैंपियन बेल्जियम, विश्व नंबर 5 ऑस्ट्रेलिया और नंबर 7 वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के साथ कठिन पूल बी में रखा गया है। छह टीमों के पूल बी में न्यूजीलैंड और आयरलैंड अन्य टीम हैं। विश्व नंबर 1 नीदरलैंड, विश्व चैंपियन जर्मनी, 1988 सियोल ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ग्रेट ब्रिटेन, तीन बार रजत पदक विजेता स्पेन, मेजबान फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका 12 टीमों की प्रतियोगिता में पूल ए में हैं। सोमवार को स्विट्जरलैंड के लुसाने में ड्रॉ आयोजित होने के बाद एफआईएच ने घोषणा की, एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर के पूरा होने के बाद अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) पेरिस 2024 ओलंपिक हॉकी टूर्नामेंट के पूल का खुलासा कर सकता है। आठ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत को क्वार्टर फाइनल चरण के लिए क्वालीफाई करने के लिए शीर्ष चार में रहना होगा, जो 4 अगस्त को खेला जाएगा। सेमीफाइनल 6 अगस्त और फाइनल 8 अगस्त को खेला जाएगा। भाग लेने वाली टीमों को 21 जनवरी को एफआईएच विश्व रैंकिंग के आधार पर उनके संबंधित पूल में बांटा गया है। पहले, चौथे, पांचवें, आठवें, नौवें और 12वें स्थान पर रहने वाली टीमों को पूल ए में शामिल किया गया है। जबकि, दूसरे, तीसरे, चौथे, छठे, सातवें, 10वें और 11वें स्थान पर रहने वाली टीमों को पूल बी में शामिल किया गया है। एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर के अंत में अपडेट की गई नई एफआईएच विश्व रैंकिंग में भारत तीसरे स्थान पर है। इसलिए, वो दूसरे ग्रुप में है। महिलाओं की प्रतियोगिता में विश्व और ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी, जापान, चीन और फ्रांस खुद को पूल ए में पाते हैं। महिलाओं में ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका पूल बी में हैं। प्रति जेंडर 12 टीमों ने ओलंपिक खेलों के लिए या तो मेजबान के रूप में अपने कॉन्टिनेंटल क्वालीफायर के विजेता या अपने एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर के शीर्ष तीन फिनिशरों के रूप में क्वालीफाई किया है।

पुरुष : पूल ए : नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका

पूल बी : बेल्जियम, भारत, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड

महिला : पूल ए : नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी, जापान, चीन और फ्रांस

पूल बी: ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका